हरिभूमि

रायपुर भूमि

रिमझिम बारिश से शहर का मौसम हुआ सुहाना

रायपुर।सुबह के वक्त घंटेभर तक हुई रिमझिम बारिश से शहर का मौसम दिनभर सुहाना रहा। इस अवधि दो सेमी. वर्षा के साथ अब तक जिले में बादल 93 मिमी. तक बरस चुके हैं। अगले दो दिन तक भारी बारिश की गतिविधि बस्तर में रहने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक दक्षिण-पश्चिम मानसून सामान्य तिथि से दो दिन विलंब के साथ पूरे छत्तीसगढ़ में सक्रिय हो गया है। पिछले चौबीस घंटे में राज्य के कई इलाकों में

- दो दिन देर से पूरे प्रदेश में सक्रिय हुआ मानसून
- रायपुर जिले में अब तक 93 मिमी. वर्षा दर्ज

शेष पेज 9 पर

एक दिन की बारिश में ही डबरी बन गए जिले के सरकारी स्कूल

26 जून से नया सत्र, इस दिन से ही भारी बारिश की चेतावनी

गरीब के बच्चे हैं, सरकारी स्कूल है साहब... किसे परवाह है?

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

दो दिनों बाद प्रदेश में नवीन शैक्षणिक सत्र की शुरुआत हो जाएगी। शुरू हो जाएगी, स्कूलों में मासूम कदमों की चहलकदमी...। हर बार की तरह इस बार भी इन मासूम कदमों को अपनी कक्षा तक पहुंचने के लिए डबरियों और गड्ढों को पार करना होगा। मौसम विभाग द्वारा 26 जून से वर्षा संबंधित गतिविधियों में वृद्धि की चेतावनी दी गई है। 26 जून से ही प्रदेश के स्कूल खुल रहे हैं। इसके पहले शनिवार और रविवार को हुई बारिश से ही पूरी व्यवस्था की पोल खुल गई है। कुछ स्थानों पर जहां शाला मैदान में ही डबरियां बन गई है, तो कुछ स्कूलों की ओर जाने वाले मार्ग में इतने गड्ढे हैं कि बच्चों की अपनी जान जोखिम में डालकर जाना पड़ेगा।

हर साल की तरह इस बार भी भाठागांव स्थित शासकीय विद्यालय का मैदान सबसे पहले डबरी में बदला है। यहां की कुछ कक्षाएं ऐसी हैं, जहां तक जाने के लिए बच्चों को इसे पार करना ही होगा। इसके अलावा आउटर के अन्य शासकीय विद्यालयों के भी हाल बेहाल हैं। शहर के अंदरुनी भागों में स्थित दानी गर्ल्स स्कूल, जेएन पांडेय जैसे बड़े स्कूलों में स्थिति अच्छी है, लेकिन आउटर के विद्यालयों में मरम्मत के नाम पर खानापूर्ति ही की गई है।

खबर संक्षेप

भतीजी को दी धमकी चाचा पर अपराध दर्ज

रायपुर। पुरानी रंजिश के चलते भतीजी को जान से मारने की धमकी देने वाले चाचा के खिलाफ पुलिस ने अपराध दर्ज किया है। खमतराई के शिवानंद नगर में रहने वाली भूमिका घोष ने अपने चाचा अजीत कुमार के खिलाफ थाने में शिकायत की थी। पुलिस ने मामला पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

आपसी विवाद पर भिड़े दो परिवार

रायपुर। आपसी विवाद पर दो परिवार आपस में लड़ पड़े। मामला इतना बढ़ा कि नौबत मारपीट के बाद थाने तक पहुंच गई। डीडीनगर पुलिस ने दो पक्षों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। कामाक्षी जैन ने शिकायत दर्ज कराई है कि हरजिंदर सिंह ने उसके पति अभिषेक जैन की पिटाई की है। वहीं हरजिंदर ने शिकायत की है कि अभिषेक ने उसके भाई विक्रम से मारपीट की है।

सूने मकान में धावा कैश-जेवर किए पार

रायपुर। शिवम विहार कॉलोनी महादेवघाट में रहने वाली बिजली मिस्त्री के सूने मकान में चोरी हो गई। प्रर्थी हेमलाल अपने परिवार के साथ ससुराल से शाम को वापस लौटा तो देखा कि आलमारी में रखे चांदी के जेवर तथा आठ हजार रुपए गायब हैं। चोर छत के रास्ते उनके घर में प्रवेश किए और कीमती सामान लेकर उसी रास्ते से बाहर चले गए। डीडीनगर पुलिस मामला पंजीबद्ध कर चोरों की तलाश कर रही है।

ऑक्सीजोन के समीप भिड़े दो पक्ष

रायपुर। ऑक्सीजोन के समीप दो पक्षों में पुराने विवाद पर लड़ाई हो गई। एक चाकूनुमा वस्तु लगने से घायल हो गया तो दूसरा बेल्ट की पिटाई से जख्मी हो गया। सिविल लाइंस पुलिस ने दोनों पक्षों पर मामला दर्ज किया है। बेहरा कालोनी निवासी अब्दुल जसीम की रिपोर्ट पर इम्मु तथा दूसरे पक्ष के अल्फाज एवं आदिल के खिलाफ मामला पंजीबद्ध किया गया है।

जुआ फड़ पर दबिश धरे गए 11 जुआरी

रायपुर। टिकरापारा थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक बड़े जुआ फड़ का भंडाफोड़ किया है। टिकरापारा पुलिस और साइबर सेल की टीम ने मिलकर इस मामले की कार्रवाई की है। पुलिस ने बोरिया मोतीनगर में जुआ खेलने वाले जुआरियों को पकड़ा है। पुलिस ने जुआ खेलने वाले जुआरियों के पास से नकद 39 हजार रुपए बरामद किए। टिकरापारा थाना प्रभारी दुर्गेश रावटे ने बताया कि बोरिया मोतीनगर में रविवार को क्राइम ब्रांच और थाने की संयुक्त टीम ने मिलकर कार्रवाई की और जुआ खेलने वाले 11 जुआरी गिरफ्तार किए गए। मामले में प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जा रही है।

राष्ट्रीय डोप रोधी एजेंसी की जांच में हुआ खुलासा, खिलाड़ी एकता बंजारे और मिथिलेश सोनकर ने ली थी डोपिंग

छग के दो वेटलिफ्टर और कोच डोपिंग में फंसे, चार साल के लिए निलंबित

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ वेटलिफ्टिंग एसोसिएशन ने कोच अजय लोहार को भी चार साल तक किया निलंबित

नेशनल प्रतियोगिता में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करने वाले दो खिलाड़ी और कोच डोपिंग लेने के मामले में फंस गए हैं। जय भवानी व्यायामशाला की एकता बंजारे और मिथिलेश सोनकर का राष्ट्रीय डोप रोधी एजेंसी ने डोप टेस्ट किया, जिसका रिजल्ट पॉजिटिव पाया गया है। रविवार को ओलंपिक दिवस पर नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी ने दोनों खिलाड़ियों और कोच अजय लोहार को चार सालों के निलंबित करने का फैसला लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक एजेंसी ने 19 मार्च को खेलो इंडिया इंटर जोन प्रतियोगिता के दौरान एकता और 9 अक्टूबर को मिथिलेश को औचक रूप से डोप टेस्ट के नमूने लिए थे।

खास खबर

रिपोर्ट में पाया गया है कि खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में ताकत बढ़ाने के लिए डोपिंग ली थी, जिसमें स्टेरॉयड शामिल है। दोनों खिलाड़ियों ने राज्य और राष्ट्रीय स्तर के मैच में गोल्ड मेडल हासिल किया है। पिछले साल सरकार ने कोच को 5 लाख रुपए आर्थिक मदद करने की भी घोषणा की थी। डोप टेस्ट पॉजिटिव आने के बाद खिलाड़ियों और कोच को भी इसका खामियाजा शर्मिंदगी के साथ-साथ भारतीय वेटलिफ्टिंग फेडरेशन पर प्रतिबंध के रूप में चुकाना पड़ेगा।

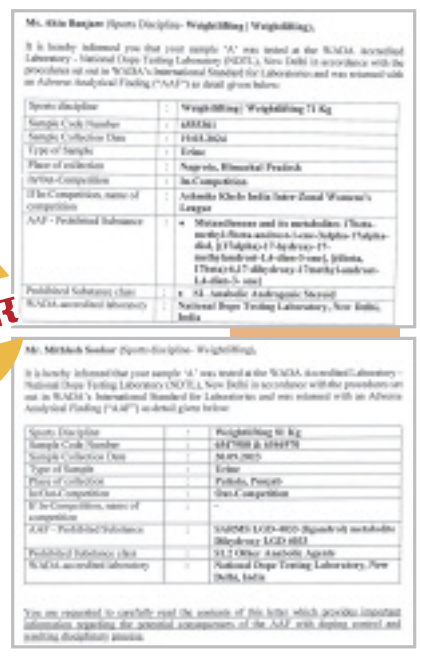

कोच को किया निलंबित

राष्ट्रीय डोप रोधी एजेंसी ने छत्तीसगढ़ के दो वेटलिफ्टिंग खिलाड़ियों का डोपिंग टेस्ट किया था, जो पॉजिटिव पाया गया। एजेंसी ने दोनों को 4 साल के लिए निलंबित किया है। नियमानुसार छत्तीसगढ़ वेटलिफ्टिंग एसोसिएशन ने कोच अजय लोहार को भी निलंबित करने का फैसला लिया है।

- **राजेश जंघेल,** महासचिव, छत्तीसगढ़ वेटलिफ्टिंग एसोसिएशन

दो तरह से लिए जाते हैं डोप के सैंपल

पहले टेस्ट में खिलाड़ी के यूरीन को सैंपल के तौर पर लिया जाता है। इसमें उसके सैंपल को ए और बी बोतलों में रखा जाता है। ए सैंपल के टेस्ट के आधार पर ही खिलाड़ी के निगेटिव और पॉजीटिव होने का पता चलता है। कई बार खिलाड़ी की ओर से विरोध करने पर बी सैंपल का भी टेस्ट होता है। दूसरे टेस्ट में खिलाड़ी के खून का टेस्ट होता है। इसमें भी ए और बी सैंपल बनाए जाते हैं। इसका भी टेस्ट पहले की तरह किया जाता है।

एजेंसी को खिलाड़ियों पर था शक

छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने लगातार वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में पदकों के अंबार लगाए हैं। एजेंसी को शक था कि प्रतियोगिता में दम दिखाने के लिए डोपिंग का उपयोग किया जा रहा है। यही वजह रही कि एजेंसी ने मिथिलेश का सैंपल रैंडमली लिया, जबकि एकता का टेस्ट प्रतियोगिता के दौरान लिया गया। दोनों के यूरीन में स्टेरॉयड और एनाबॉलिक पाया गया। यह स्टेरॉयड हार्मोन होते हैं, जो मांसपेशियों के विकास में मदद करते हैं और ताकत व ऊर्जा बढ़ाते हैं। इसके सेवन से कई दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक आने वाले समय में छत्तीसगढ़ से और भी खिलाड़ी डोपिंग मामले में फंस सकते हैं।

सप्लीमेंट्स और एनर्जी ड्रिंक का प्रयोग

खिलाड़ी अपने प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए सप्लीमेंट्स और एनर्जी ड्रिंक का प्रयोग कर रहे हैं। शॉट टर्म में यह खिलाड़ियों को अच्छा लगता है, लेकिन आगे चलकर यह खिलाड़ियों की सेहत पर हानिकारक साबित होता है। जांच में खिलाड़ी डोपिंग में भी फंस जाते हैं। लंबे समय के बाद राष्ट्रीय डोप रोधी एजेंसी ने जांच कर खिलाड़ियों को निलंबित किया है।

मवेशी कारोबारियों की हत्या, पकड़ा गया एक और आरोपी

- झलप निवासी आरोपी देवरी में रिश्तेदारों के घर छिपा हुआ था
- हर्ष मिश्रा को शनिवार को किया गया था गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मवेशी काराबारियों को पीट-पीटकर मार डालने के मामले में पुलिस का एक्शन जारी है। हत्या के आरोप में दूसरे आरोपी राजा अग्रवाल को गिरफ्तार किया गया है, जो झलप का रहने वाला था और घटना के बाद राज्य के सीमावर्ती क्षेत्र देवरी में रिश्तेदारों के घर छिपा बैठा था। इसी मामले में हर्ष मिश्रा को शनिवार को गिरफ्तार किया गया था।

आरंग इलाके में जून के पहले सप्ताह में मवेशी लेकर जा रहे तीन लोगों को भीड़ ने तस्करी के संदेह में बुरी तरह पीटा था। उत्तरप्रदेश के सहारनपुर निवासी 23 साल के चांद मिया की घटनास्थल पर मौत हो गई थी और कुछ दिनों के अंतराल में सद्दाम और गुड्डू खान ने भी दम तोड़ दिया था। मामला काफी संवेदनशील था, जिसे देखते हुए एएसपी ग्रामीण के नेतृत्व में गठित 14 सदस्यीय टीम ने मामले की जांच के साथ आरोपियों की गिरफ्तारी शुरू कर दी है। शनिवार को बैजनाथपारा निवासी हर्ष मिश्रा को ग्राम बोरसी में पकड़ा गया था और रविवार को राजा अग्रवाल को देवरी से गिरफ्तार किया गया है।

मुस्लिम समाज ने किया था प्रदर्शन

इस मामले में मुस्लिम समाज ने प्रदर्शन कर आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की थी। उनके द्वारा पुलिस पर घटना को गंभीरता से नहीं लेने का आरोप भी लगाया गया था। पुलिस की कार्रवाई मामले में जारी है, इसमें कई लोगों की गिरफ्तारी होने की संभावना बनी हुई है।

छुट्टी के दिन अवैध वेंडरों को पकड़ने पहुंचा रेल अमला, पांच वेंडर समेत 15 पर कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रेलवे स्टेशन में यात्रियों को समोसा और थेपला पसंद नहीं, बासी खाने और चीटियों से भी परेशान शीर्षक से हरिभूमि ने रविवार के अंक में प्रमुखता से खबर प्रकाशित की थी, जिसमें यात्रियों को परोसा जा रहा खाना गुणवत्ताहीन होने की बात उजागर की थी। हरिभूमि की खबर पर रेलवे प्रशासन के

शेष पेज 9 पर

खबर का असर

मिली अनियमितता

प्लेटफार्म और ट्रेन में खानपान सेवा, कैटरिंग सर्विस व अवैध वेंडिंग का औचक निरीक्षण किया गया, जिसमें भी अनियमितता पाई गई, उन पर नियमानुसार कार्रवाई की गई है। आगामी दिनों में भी अवैध वेंडर्स को रोकने कड़ी कार्रवाई की जाएगी। - **अवधेश कुमार त्रिवेदी**
सीनियर डीसीएम, रायपुर रेलमंडल

प्लेटफार्म पर अवैध तरीके से बेच रहे खाना

रेलवे के जांच में पाया गया कि प्लेटफार्म और ट्रेन में अवैध तरीके से खाना बेचा जा रहा था। औचक निरीक्षण में सोपान कैटरर्स के 5 अवैध वेंडर एवं सनशाइन कैटरर्स की 4 ट्रालियों को पकड़ा गया, जो प्लेटफार्म पर घूमकर खुले में अवैध तरीके से बिना ढंके खाना बेच रहे थे। चेकिंग के दौरान 3 वेंडर स्टाफ पर उचित यूनिफॉर्म में नहीं होने पर कार्रवाई की गई। पकड़े गए 5 अवैध वेंडर को रेलवे एक्ट अनुसार अग्रिम कार्यवाही के लिए भेजा गया। आईआरसीटीसी द्वारा संचालित फूड प्लाजा स्टाल के 6 स्टाफ की कार्यप्रणाली में भी अनियमितता पाई गई, उस भी कार्रवाई की गई।

अवैध वेंडर्स पर लगाया आर्थिक दंड

जांच में अनियमितता पाए जाने के बाद अनाधिकृत ट्रॉली संचालन सहित अन्य मामलों में आर्थिक दंड लगाया गया। अनाधिकृत रूप से बेचे जा रहे फलों सहित अन्य खाद्य सामग्री को भी जब्त किया गया। रेलवे ने बताया कि आगामी दिनों में भी अवैध वेंडर्स पर और सख्त कार्रवाई की जाएगी। स्टेशन पर लंबे समय से अवैध वेंडर सक्रिय थे, जिसकी शिकायत लगातार रेलवे को मिल रही थी। खबर प्रकाशित होने के बाद रेलवे अफसर बिना सूचना दिए स्टेशन पहुंचे और जांच शुरू की। जहां एक के बाद एक अनियमितता मिलने से अधिकारियों के भी होश उड़ गए।

स्पॉ सेंटर की आड़ में सेक्स रैकेट सेलून बंद कर संचालक फरार

- श्याम नगर का मामला वीडियो वायरल होते ही पुलिस सक्रिय

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

श्याम नगर के आवासीय इलाके में सेलून और स्पॉ सेंटर की आड़ में देह व्यापार का मामला सामने आया है। लड़कियों के बारे में कथित ग्राहकों को जानकारी देने का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और संचालक सेलून बंद कर गायब हो चुके हैं।

तेलीबांधा थाना प्रभारी ने बताया कि वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस टीम मोर जस्ट नाम से संचालित फैमिली सेलून और स्पॉ सेंटर पहुंची, जो बंद मिला। पता चला है कि एक व्यक्ति पिछले दो साल से अपनी महिला मित्र के साथ इसका संचालन करता है। काफी दिनों से उनकी गतिविधियां संदिग्ध हो गई थीं और वहां असामाजिक तत्वों का आना-जाना काफी बढ़ गया था। सूत्रों के अनुसार वायरल वीडियो में संदेही हर उम्र की लड़कियां उपलब्ध कराने का दावा कर रहा है। इसके साथ उनकी कीमत भी बता रहा है और वीडियो पर उनकी तस्वीरें भी दिखा रहा है। वीडियो बनाने वाले की डिमांड पर उसने लड़की बुलाकर उसे फुल सर्विस देने के निर्देश दिए। अनुराग नामक

शेष पेज 9 पर

कॉलेज दाखिले का पोर्टल बंद होने से दो दिन पहले 12वीं के पुनर्मूल्यांकन-पुनर्गणना परिणाम जारी, 4437 के नंबर बदले

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा रविवार को बारहवीं कक्षा के पुनर्मूल्यांकन और पुनर्गणना परिणाम जारी कर दिए गए हैं। पं.रविशंकर शुक्ल विवि से संबद्ध महाविद्यालयों में दाखिले के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 25 जून निर्धारित की गई है। इसके दो दिन पूर्व माशिम ने परिणाम जारी किए हैं। सामान्यतः दसवीं और बारहवीं के पुनर्मूल्यांकन-पुनर्गणना परिणाम एक ही दिन जारी किए जाने की परंपरा रही है, लेकिन इस बार कॉलेजों में दाखिले की तिथि को देखते हुए बारहवीं कक्षा के परिणाम पहले ही घोषित कर दिए गए हैं। दसवीं के परिणाम इस सप्ताह संभावित है।

बारहवीं कक्षा में पुनर्गणना के लिए एक हजार 84 और पुनर्मूल्यांकन के लिए 9 हजार 876 छात्रों ने आवेदन किया था। इनमें से पुनर्गणना में 153 और पुनर्मूल्यांकन में 4,284 अभ्यर्थियों के अंकों में बदलाव हुआ है। माशिम द्वारा 9 मई को

शेष पेज 9 पर

माशिम ने रविवार को घोषित किए 12वीं के पुनर्मूल्यांकन-पुनर्गणना नतीजे

- पुनर्गणना के लिए 1,084 और पुनर्मूल्यांकन के लिए 9,876 ने किया था आवेदन
- दसवीं के परिणाम इस सप्ताह संभावित

छात्रहित में रविवार को परिणाम

परिणाम शनिवार देर शाम तैयार हुए। कॉलेजों में दाखिले की प्रक्रिया चल रही है। इसे देखते हुए रविवार को ही हमने परिणाम घोषित कर दिए। बारहवीं के परिणाम पहले घोषित किए हैं, ताकि उन्हें दिक्कत ना हो।

- **पुष्पा साहू,** सचिव, माशिम

परीक्षा 23 जुलाई से

बारहवीं कक्षा में इस बार 2 लाख 58 हजार 704 छात्र शामिल हुए थे। इनमें से 80.74 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण रहे। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा मौजूदा शैक्षणिक सत्र से पूरक परीक्षाएं समाप्त कर दी गई हैं। इसके स्थान पर वर्ष में दो बार परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। फेल तथा उत्तीर्ण छात्रों के अलावा अंकों से असंतुष्ट छात्र भी श्रेणी सुधार के लिए आवेदन कर सकते हैं। जो छात्र पुनर्गणना तथा पुनर्मूल्यांकन में उत्तीर्ण नहीं हो सके हैं, वे भी अब इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। प्राप्त जानकारीके अनुसार, 10वीं की परीक्षा 24 जुलाई से और 12वीं की परीक्षा 23 जुलाई से शुरू होगी।

रेलवे टीसी बनाने का झांसा साढ़े नौ लाख की ठगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रेलवे में टिकट कलेक्टर बनाने का झांसा देकर युवक से एक महिला ने साढ़े नौ लाख रुपए की ठगी कर दी। खमतराई पुलिस धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर उनकी तलाश कर रही है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार बुनियाद नगर खमतराई में रहने वाले आई. शिवकुमार को रीना सोनी ने अपने साथी संतोष धनुरे के साथ मिलकर ठगी का शिकार बनाया। प्रार्थी ने अपनी शिकायत में बताया कि रीना उससे चार साल पहले मिली थी और बताया कि उसका परिचित काफी पहुंच वाला आदमी है और उसकी नौकरी रेलवे में लगवा देगा। इसके लिए 20 लाख में सौदा तय हुआ और प्रार्थी किस्तों मे पिछले तीन साल के भीतर उन्हें साढ़े नौ लाख रुपए दे चुका था और रुपए की मांग किए जाने के दौरान आरोपी उसे पुरानी राशि डूबने का डर और नौकरी मिलने का विश्वास दिलाते रहते थे। बड़ी रकम देने के बाद शिवकुमार को अहसास हुआ कि वह ठगी का शिकार हो गया है, तब उसने थाने में पहुंचकर अपनी शिकायत दर्ज कराई है।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

खबर संक्षेप

गायत्री शक्तिपीठ में मनाया योग दिवस

आरंग। गायत्री शक्तिपीठ आरंग मे योग दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का संचालन सुबह 6 बजे से 7:30 बजे तक सेवानिवृत्त शिक्षक विनोद कुमार गुप्ता द्वारा किया गया। जिसका प्रारंभ ओम के नाद से हुआ तत्पश्चात गायत्री मंत्र, महामृत्युंजय मंत्र, जयकारा फिर सवांगासन, हलासन, सूर्य नमस्कार, हिचकासन, पवनमुक्तासन आदि आसन कराए गए। साथ ही भत्रिरका, प्राणायाम, कपालभाति, बाह्य प्राणायाम, अनुलोम विलोम, भ्रामरी, उदगीत, प्रणव आदि सभी प्राणायाम कराया गया। जिसमें गायत्री शक्तिपीठ के मुन्नालाल साहू, पवन साहू, ओमप्रकाश साहू, जायसवाल पुजारी, चंद्रिका प्रसाद चंद्राकर आदि ने योगाभ्यास का लाभ लिया।

एआई तकनीक से आधे मिनट में होगी टीबी मरीजों की पहचान

रायपुर। सालभर में प्रदेश को टीबी मुक्त करने चलाए जा रहे अभियान के तहत नए मरीजों की पहचान के लिए स्वास्थ्य विभाग अब एआई सिस्टम का उपयोग करेगा। इसकी मदद से फेफड़े का एक्स-रे कर आधे मिनट में मरीजों की पहचान की जा सकेगी। योजना के मुताबिक स्वास्थ्य विभाग इसके लिए एआई तकनीक वाली दर्जनभर हैंड हेल्ड एक्स-रे मशीन खरीदेगा और चिन्हित अलग-अलग जिलों में भेजकर इसके माध्यम से संदिग्ध मरीजों की पहचान कर उन्हें आवश्यक उपचार सुविधा मुहैया कराई जाएगी। जानकारी के मुताबिक, अभी मरीजों की पहचान के लिए माइक्रोस्कोपी, सीबीनॉट और टू-नॉट मशीन का उपयोग किया जाता है, जिसकी रिपोर्ट आने में कुछ वक्त लगता है। इस एआई तकनीक की मदद से की जाने वाली जांच में अधिक वक्त नहीं लगेगा। एक मिनट से भी कम समय में फेफड़ों की संक्रमण की पहचान कर इसकी रिपोर्ट सामने आ जाएगी। अभी जांच के लिए मरीजों को स्वास्थ्य केंद्र अथवा अस्पताल तक जाने की आवश्यकता होती है, मगर इस जांच की शुरुआत के बाद स्वास्थ्य कर्मी लैपटॉप से जुड़ी इस तकनीक के साथ संदिग्ध मरीज तक पहुंचकर उनकी जांच करेंगे। संक्रमण की पुष्टि होने के बाद मरीजों के उपचार की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। अधिकारियों का तर्क है कि यह सुविधा शुरू होने के बाद राज्य में टीबी के मरीजों की पहचान के लिए होने वाली जांच की संख्या बढ़ जाएगी, क्योंकि इसमें अनावश्यक वक्त नहीं लगेगा। इस मशीन का उपयोग वहां पर बेहतर साबित होगा, जहां जांच से संबंधित सुविधाएं कम हैं और मरीजों को इसके लिए लंबा सफर तय करना पड़ता है।

नगरीय निकायों ने नहीं लगाए कैपेसीटर 40 प्रतिशत तक ज्यादा आ रहा बिजली बिल

रायपुर। नगरीय निकायों के दक्षता संपरीक्षा प्रतिवेदन (ऑडिट रिपोर्ट) से यह बात सामने आई है कि नगरीय निकायों द्वारा मोटर पंपों, स्ट्रीट लाइट एवं अन्य विद्युत उपकरणों में कैपेसीटर नहीं लगाए जाने से हर महीने अधिक विद्युत खपत एवं कैपेसीटर अधिकारी के रूप में निकायों को 6 से 40 प्रतिशत अतिरिक्त विद्युत व्यय देना पड़ रहा है। इसकी वजह से निकायों पर वित्तीय बोझ बढ़ने के साथ ही आर्थिक क्षति भी हो रही है। दक्षता संपरीक्षा प्रतिवेदन में बताया गया है कि बिलासपुर नगर निगम और नगर पंचायत बलौदा में जांच से यह तथ्य सामने आया है। रिपोर्ट के मुताबिक पॉवर फैक्टर, विद्युत मंड़ल द्वारा उपलब्ध कराई गई विद्युत उर्जा के उत्पादक कार्य के लिए उपयोग का प्रतिशत होता है। पॉवर फैक्टर उच्च रखने से ऊर्जा की बचत होती है एवं बिजली बिल में कमी तथा खर्च में कमी आती है, लेकिन इसके विपरीत पॉवर फैक्टर निर्धारित सीमा से कम होने पर विद्युत हानि बढ़ती है।

निधन

उमेश साहू

आरंग। ग्राम कुकरा निवासी उमेश साहू का शनिवार को निधन हो गया। वे 32 वर्ष के थे। वे हरिराम साहू के पुत्र व अनिल कुमार साहू के भाई थे। उनके निधन पर ग्रामीणजनों ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि दी है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर किया प्राणायाम पद्मासन, ताड़ासन व उष्ट्रासन का अभ्यास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

मोनेट डीएवी पब्लिक स्कूल मंदिरहसौद में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सुनील कुमार देव ने सूक्ष्म व्यायामों से करवाया। इसका मुख्य उद्देश्य शरीर के विविध अंगों को खोलना है, क्योंकि यदि अचानक से आसन किया जाए तो यह शरीर की जोड़ों को नुकसान पहुंचा सकता है। इस विशेष अवसर पर स्कूल के आसपास रहने वाले बच्चों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया और अपने शिक्षकों से योग की विभिन्न तकनीकों को सीखा। तरुण कुमार प्रधान के नेतृत्व में विद्यार्थियों तथा सभी शिक्षक–शिक्षिकाओं ने विविध आसन जैसे पद्मासन, ताड़ासन, वज्रासन, धनुरासन, उष्ट्रासन तथा प्राणायाम के अंतर्गत कपाल भारती, अनुलोम विलोम आदि किया। कार्यक्रम के अंतर्गत तरुण कुमार शास्त्री ने बच्चों को योग के लाभों के बारे में विविध जानकारी दी। बच्चों ने शिक्षकों के मार्गदर्शन में विभिन्न योगासन किए और उनके स्वास्थ्य पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभावों को समझा। उन्होंने बताया कि योग साधना भारत में अत्यंत प्राचीन काल से चली आ रही है। महर्षि पतंजलि ने योग के विविध नियम तथा उसके आठों अंगों के बारे में विस्तृत रूप से अपने योग प्रभाव पुस्तिका में समझाया है। आज न केवल भारत अपितु पूरे विश्व में योग के महत्त्व को जानकर, अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होकर सभी लोग योग पर विशेष ध्यान दे रहे हैं।

शारीरिक विकास के लिए योग अनिवार्य

इसके बाद योग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने अपने योग कौशल का प्रदर्शन किया। योग प्रतियोगिता के अंतर्गत स्कूल प्रथम स्थान पर स्वामी श्रद्धानंद सदन की गार्गी यादव, द्वितीय स्थान पर हंसराज सदन की तन्वी सिदार तृतीय स्थान पर विरजानंद सदन के अर्णव घोष तथा चतुर्थ स्थान पर हंसराज सदन की कनिष्का यदु रही। शाला प्राचार्य राजकुमार शर्मा ने भी बच्चों को योग के लिए प्रेरित किया और इस आयोजन की सफलता के लिए सभी को बधाई दिया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि शारीरिक, मानसिक, आत्मिक तथा आध्यात्मिक विकास के लिए योग अनिवार्य है। योग से शरीर और मन दोनों स्वस्थ होते हैं और हमारे कार्य पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इस कार्यक्रम ने न केवल बच्चों को योग की महत्ता से अवगत कराया, बल्कि उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को भी सुदृढ़ किया।

अधिकारी व कर्मचारियों ने किया योगाभ्यास

आरंग। दशम अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर नगर पंचायत समोदा के अधिकारी कर्मचारी एवं नगरवासियों के द्वारा डॉ बीआर आंबेडकर मांगलिक भवन के परिसर में योगाभ्यास किया गया। उक्त कार्यक्रम में एलईडी के माध्यम से प्रदेश के यशस्वी उप मुख्यमंत्री अरुण साव प्रभारी मंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के द्वारा कोरबा में किए जा रहे योगाभ्यास कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया जिसे देखते हुए अधिकारी कर्मचारी एवं नगरवासियों ने योग किया। कार्यक्रम में नगर पंचायत समोदा के मुख्य नगर पालिका अधिकारी शीतल चंद्रवंशी, नेमीचंद वर्मा उप अभियंता, पिलाराम निषाद महामंत्री भाजपा, नेतराम वर्मा वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता, नेतराम साहू पूर्व जनपद सदस्य, निशित अग्रवाल भाजपा कार्यकर्ता दीपक साहू भाजपा कार्यकर्ता एवं नगर पंचायत के कर्मचारीगण तथा अन्य नगरवासियों के द्वारा योग किया गया।

पुण्यतिथि : श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर भाजपाइयों ने उन्हें याद किया

डॉ. मुखर्जी के मानवतावादी विचार आज भी हैं प्रासंगिक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवा

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को भारतीय राजनीति और समाज में उनके दूरदर्शी दृष्टिकोण और समय से आगे की सोच के लिए जाना जाता है. उनके जीवन और कार्यों ने दिखाया कि वे न केवल अपने समय के मुद्दों को समझते थे, बल्कि भविष्य की चुनौतियों और अवसरों का भी गहरा ज्ञान रखते थे। भारतीय जनता पार्टी ने अखिल भारतीय जनसंघ के संस्थापक और भारतीय जनता पार्टी के शिखर पुरुष श्यामा प्रसाद मुखर्जी के पुण्यतिथि के अवसर पर धरसींवा भाजपा मंडल अध्यक्ष डा. के के वर्मा ने कार्यकर्ताओं से यह बात कहते हुए उन्हें पुष्पांजलि अर्पित किये। इस अवसर पर भारी संख्या में ग्रामीण व कार्यकर्ता उपस्तिथ थे।

रविवार को धरसींवा विधानसभा के मण्डल धरसींवा में सैकड़ो कार्यकर्ताओ ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की इस अवसर पर कई कार्यकर्ताओ ने अपने अपने घरों में पूजा अर्चना कर सोशल मीडिया में शेयर किए। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी महान देशभक्त थे. उन्होंने कश्मीर को लेकर अपने जीवन का बलिदान दिया है।

इनकी रही उपस्थिति

भाजपा मंडल धरसींवा के उपाध्यक्ष कौशल साहू,जनपद सदस्य भूपेन्द्र कसार,मोहम्मद यूनुस ,सरपंच हेमंत वर्मा,चन्द्रकान्त सोन मिरी,धनंजय साहू,गोपाल अग्रवाल,प्रदीप सेन,सरपंच विद्या भूषण वर्मा,सरपंच रेमन पाल,चन्द्रिका वर्मा,चंद्रकांता वर्मा,सालिकराम वर्मा,निर्मला वर्मा,पुष्पा वर्मा,मुकेश पवार,प्रशांत वर्मा,ख़ुशी वर्मा,लिषा वर्मा,मथुरा प्रसाद वर्मा,रमाकांत वर्मा,रामजी वर्मा,रामाधार वर्मा,भारत साहू आदि की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुई।

भाजपा ने डॉ. मुखर्जी की पुण्यतिथि मनाई

तिल्दा नेवरा। रविवार को भाजपा कार्यालय तिल्दा नेवरा मे भारतीय जनसंघ के सांस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर माल्यार्पण एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। साथ ही डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी चौक पर भी कार्यक्रम आयोजित कर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके योगदान को याद किया गया।
इस अवसर पर तिल्दा नेवरा शहर मंडल अध्यक्ष सुरेश वर्मा, नगरपालिका अध्यक्ष लेमिक्षा गुरु डहरिया, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष महेश अग्रवाल, पार्षद विकास कोटवानी, पार्षद रवि सेन, पार्षद श्रीमती कृष्णा अनिल शर्मा, पार्षद राजकुमार गेंद्रे,सूरज नारायण शर्मा, लखमीचंद नागवानी, रमेश रिंकू अग्रवाल, अनिल अन्नू शर्मा, कृपाराम पटेल, खूबचंद वर्मा, जय केसरवानी, शैलेंद्र डहरिया, मनोज वर्मा सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

देवस्नान के साथ महाप्रभु जगन्नाथ की रथयात्रा की तैयारी का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

प्रतिवर्षानुसार ज्येष्ठ मास के पूर्णिमा (देवस्नान पूर्णिमा) पर्व पर नगर के गुप्ता पारा स्थित श्री जगन्नाथ जी के प्राचीन मंदिर मे भगवान श्री जगन्नाथ जी, श्री बलभद्र जी, श्री सुभद्रा मैया जी एवं अन्य देव विग्रहों का नगर के विद्वान आचार्यो द्वारा षोडशोपचार पूजन कर वैदिक मंत्रेच्चार के साथ तीर्थजल एवं अन्य सुगंधित द्रव्यो के द्वारा स्नान यात्र संपन्न हुआ।

जिसमे आचार्यद्वय पं. संदीप शर्मा, तिलक शर्मा, माणिक मिश्रा, अजित (कान्हा) शर्मा, आदी शर्मा शामिल रहे। मंदिर के पुजारी हरिहर दास वैष्णव ने बताया कि इस स्नान यात्र के साथ भगवान जगन्नाथ जी के रथयात्र का तैयारी शुरू हो गई है, अभी स्नान के बाद आषाढ़ मास की अमावस्या तक मंदिर के पट बंद रहेगें। इस बीच भगवान जी को काढ़ा पिलाने का पर्व मनाया जायेगा तथा मंगला आरती होगी।

आषाढ़ शुक्ल प्रतिपदा को मंदिर का पट खुलेगा और द्वितीया को भगवान श्री जगन्नाथ जी भैया बलभद्र जी एवं बहन सुभद्रा के साथ रथ मे आरूढ़ होकर नगर भ्रमण के लिए निकलेंगे। इस अवसर कमलनारायण देवांगन, रविन्द्र अग्रवाल, अमित शर्मा, सुदीप शर्मा, ओम अग्रवाल सहित बड़ी संख्या महिलाएं, पुरुष व बच्चे शामिल रहे।

हार की समीक्षा से पहले ही कांग्रेस में बदलाव संभव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में पहले विधानसभा चुनाव और इसके बाद लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को करारी हार सामना करना पड़ा है। इसके बाद से छत्तीसगढ़ कांग्रेस में बदलाव को लेकर चर्चाएं तेज होने लगी हैं। हालांकि अभी लोकसभा चुनाव में हुई करारी हार की समीक्षा पार्टी ने नहीं की है। समीक्षा बैठक से पहले यह भी संकेत मिलना शुरू हो गए हैं कि यहां नए प्रभारी और अध्यक्ष बनाए जा सकते हैं।

कांग्रेस ने राष्ट्रीय स्तर पर हार की समीक्षा के लिए एक कमेटी का गठन किया है। उन राज्यों में, जहां कांग्रेस को करारी हार मिली है, वहां अलग-अलग वरिष्ठ नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है। कमेटी के सदस्य संबंधित राज्यों में जाकर हार की समीक्षा को लेकर मंथन करेंगे। कमेटी गठन के बाद छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी की राज्यस्तर पर आयोजित होने वाली समीक्षा बैठक टाल दी गई है।

मोइली का दौरा जल्द

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन की समीक्षा करने एआईसीसी ने फैक्ट फाइंडिंग कमेटी गठित की है। कमेटी के सदस्य शीघ्र राज्य का दौरा करने वाले हैं। कमेटी द्वारा वे पीसीसी प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट, प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज और कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से हार के कारणों की जानकारी प्राप्त करेंगे। रिपोर्ट के आधार पर छत्तीसगढ़ कांग्रेस में बदलाव हो सकता है। प्रदेश में हार के कारणों की पड़ताल करने वीरप्पा मोइली और हरीश चौधरी को नियुक्त किया गया है। दोनों कांग्रेस नेता जल्द ही छत्तीसगढ़ का दौरा करेंगे।

चर्चा के बीच ये नाम आगे

छत्तीसगढ़ में सचिन पायलट प्रदेश प्रभारी और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज की अगवाई में लोकसभा चुनाव लड़ा गया था। प्रदेश में कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा। प्रदेश में अंदरूनी कलह और डैमेज कंट्रोल नहीं कर पाने का भी चुनाव में असर देखने को मिला। चुनाव में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन के चलते प्रभारी और अध्यक्ष को बदला जा सकता है। नए अध्यक्ष के लिए पूर्व अध्यक्ष मोहन मरकाम, फूलोदेवी नेताम, इंद्र शाह मंडावी, लखेश्वर बघेल के नाम की चर्चा है।

मंत्री तोखन ने की साय और डॉ. रमन से मुलाकात

रायपुर। राजधानी में प्रवास के दौरान आवास एवं शहरी विकास राज्यमंत्री तोखन साहू ने रविवार को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से उनके निवास पर शिष्टाचार भेंट कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के निवास पर पहुंचकर उनसे भी शिष्टाचार भेंट कर मार्गदर्शन लिया। राज्यमंत्री श्री साहू से सर्किट हाउस में प्रदेशभर से आए हुए सर्किट कार्यकर्ताओं, विभिन्न संगठनों एवं जनप्रतिनिधियों ने अलग-अलग भेंट कर उन्हें केंद्रीय राज्यमंत्री बनाए जाने पर लोगों ने उन्हें बधाई दी। कार्यकर्ताओं से मिलने के बाद वे दिल्ली के लिए रवाना हो गए। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश मंत्री किशोर महानंद, किसान मोर्चा के कार्यालय प्रमुख रवीश गुप्ता, विलास सुतार, कमलेश सिंह राजपूत, दरबारी यादव, झल्लू साहू, प्रदेश पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के देवदाचार्य, राजू साहू, शिव साहू आदि उपस्थित थे।

सिकलसेल के मरीजों को मिलेगी बोन मेरो ट्रांसप्लांट और प्लाज्मा थैरेपी की सुविधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सिकलसेल से प्रभावित मरीजों को एम्स में बोने मेरो ट्रांसप्लांट और प्लाज्मा थैरेपी की सुविधा मिल सकती है। प्रदेश मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए यह सुविधा बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। इस समस्या से निपटने के लिए विशेषज्ञों ने शोध और अनुसंधान की आवश्यकता बताई है। एम्स के सामान्य चिकित्सा विभाग, बायोकेमेस्ट्री, अस्थिरोग और बाल चिकित्सा सहित कई विभाग मिलकर इस दिशा में शोध से सिकलसेल के उपचार की दिशा में कार्यरत हैं। इस संबंध में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यपालक निदेशक अशोक जिंदल ने कहा है कि एम्स में सिकलसेल के रोगियों की संख्या निरंतर बढ़ रही है।

केंद्रीय योजनाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सांसद बनने के बाद बृजमोहन अग्रवाल अब केंद्रीय योजनाओं को लेकर एक्शन मोड में आ गए हैं। भारतमाला राष्ट्रीय राजमार्ग योजना के लिए अभनपुर क्षेत्र के किसानों की अधिग्रहित की हुई भूमि की मुआवजा राशि 78 करोड़ अब तक नहीं मिली है। किसानों ने इस बात की शिकायत सांसद श्री अग्रवाल से की। इस पर श्री अग्रवाल ने कमिश्नर संजय अलंग, कलेक्टर गौरव सिंह और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के आरओ एके सिंह को एक सप्ताह के भीतर मुआवजा राशि प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। रायपुर विशाखापट्टनम राष्ट्रीय राजमार्ग भारत माला प्रोजेक्ट के तहत ग्राम भेलवाडीह, टोकरो, नायकबांधा, उरला, अभनपुर के कृषकों की अर्जित भूमि की मुआवजा राशि के भुगतान का आदेश 30 जून 2022 को पारित हो गया था, परंतु अभी तक भुगतान नहीं किया गया है। नवपदस्थ एनएचआई के अधिकारी ने भुगतान राशि 30 प्रतिशत ज्यादा होने को लेकर अपनी रिपोर्ट दे दी, जिसके चलते भुगतान का मामला अटक गया।

बिना मुआवजा निर्माण अनुचित

श्री अग्रवाल ने अधिकारियों के समक्ष नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, आपने जमीन अधिग्रहण कर लिया है और बिना मुआवजा दिए निर्माण भी कर दिया, जो की अनुचित है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि भूमि अधिग्रहण के बाद जब तक मुआवजा नहीं दिया जाता, किसानों की जमीन का उपयोग नहीं होना चाहिए, यही हमारी भाजपा सरकार की मंशा भी है। साथ ही कहा, केंद्रीय योजनाओं को अफसर गंभीरता से लें, लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। बजाज के नेतृत्व में पहुंचे किसान शिकायतकर्ता किसान अपेक्स बैंक के पूर्व अध्यक्ष अशोक बजाज के नेतृत्व में पहुंचे थे। इस अवसर पर अभनपुर के नगरपालिका अध्यक्ष कुंदन बघेल, निशांत शर्मा, शांतनु सिन्हा, राजा राय, शिवनारायण बघेल, आदिक राव पाटिल, सुजाता यादव, प्यारेलाल आत्माराम, विष्णुराम, सुदामा, ओमलाल, रेखाराम, जगेश्वर, बुधारा बाई, तीरथराम, आदि किसान मौजूद थे।

भाजपा कल मनाएगी हर जिले में आपातकाल का काला दिवस

रायपुर। आपातकाल का काला दिवस आयोजन समिति के प्रांत संयोजक सच्चिदानंद उपासने ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय नेतृत्व के आव्हान पर प्रदेश भाजपा सभी जिलों केंद्रों में 25 जून को आपातकाल का काला दिवस का आयोजन करेगी। कांग्रेस की सत्ता की लालसा के चलते तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा जिस प्रकार न्यायालय आदेश के बाद भी प्रधानमंत्री की कुर्सी न छोड़ देश को 1975 से 1977 तक 21 माह की अवधि में आपातकाल लगा संविधान की हत्या कर विपक्ष एवं मीडिया को कुचलकर लोकतंत्र समाप्त कर तानाशाही राजतंत्र का काम किया। उस काले अध्याय को देश की जनता को स्मरण कराने भाजपा प्रतिवर्ष यह काला दिवस मनाती है। श्री उपासने ने बताया, 25 जून को जिलास्तरीय कार्यक्रमों में विषय प्रतिपादन के लिए राजधानी रायपुर में मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं प्रमुख प्रवक्ता लोकतंत्र सेनानी एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सच्चिदानंद उपासने होंगे। इसी प्रकार बस्तर में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव, रायगढ़ में उप मुख्यमंत्री अरुण साव, बिलासपुर में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, रायपुर ग्रामीण में मंत्री टंकराम वर्मा, बालोद में मंत्री केदार कश्यप होंगे।

तीन सूत्रीय मांगो को लेकर बेमियादी हड़ताल जारी

आंदोलन से स्वास्थ्य केंद्रों में अव्यवस्था का आलम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के तत्वाधान मे सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (प्रकोष्ठ) के तीन सूत्रीय मांगो को लेकर 21 जून से पूरे प्रदेश मे अनिश्चितकालीन आंदोलन किया जा रहा है। संघ के ब्लॉक आरंग अध्यक्ष सालिक नौरंगे ने बताया की आरंग ब्लॉक के 32 हेल्थ वेलनेश सेंटर, आयुष्मान आरोग्य मंदिर के सीएचओ आंदोलन मे शामिल है। जिससे ग्रामीण क्षेत्रे के स्वास्थ्य सुविधा प्रभावित होंगे। इनके द्वारा 20 कार्यक्रम एवं उप स्वास्थ्य केन्द्रो मे मरीजों का उपचार किया जाता है।

मौसमी बीमारियों का सीजन है, शासन को इनके मांगो पर विचार कर आंदोलन को खत्म कराना चाहिए, मांगो पर अभी तक शासन–प्रशासन के ध्यान न देने के कारण कर्मचारी अपनी मांगो को लेकर तूता धरना स्थल नया रायपुर में डटे हुए है।

इनकी मांगों में लंबित पीएलपी का मई 2024 तक का पूर्ण भुगतान एवं आगामी माह से नियमानुसार प्रत्येक माह के 15 तारीख के भीतर भुगतान किए जाने, महिला सीएचओ के साथ हो रहे अमानवीय कृत्यों पर रोक लगाने के लिए गृह जिले में स्थानांतरण एवं 8 किमी के दायरे में मुख्यालय निवास लागू किए जाने, पवन कुमार वर्मा जिला संयोजक सीएचओ प्रकोष्ठ कांकेर का जिला कार्यालय द्वारा गलत तरीके से भ्रामक जानकारी प्रदाय कर किए गए सेवा समाप्ति आदेश को तुरंत रद्द कर सेवा में बहाली एवं दोषियों के ऊपर कार्यवाही किए जाने की मुख्य मांगे है। इस अवसर पर छ.ग. प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ प्रान्तध्यक्ष अलोक मिश्रा, उप प्रांतध्यक्ष एस.पी. देवागन, जिला अध्यक्ष एस.एस. सोनी, सीएचओ प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष मुकेश टंडन एवं बड़ी संख्या मे कर्मचारी उपस्थित थे।

संत कबीर जयंती पर कलशयात्रा निकाली

तरपोंगी। ग्राम तरपोंगी में कबीर पंथी समाज व आमिन माता महिला कबीर सत्संग समूह के द्वारा कबीर जयंती मनाई गई। इस अवसर पर भव्य कलश यात्रा निकाली गई। स्थानीय कबीर सत्संग मण्डली के सहयोग से कबीर भजन के साथ गली भ्रमण कर उल्लास के साथ जयंती मनाई गई।

इस अवसर पर बिसौहा दास मानिकपुरी, सुरेंद्र मोहन बघेल, किरण दास बघेल, कमलेश कुमार कोषे, सनत दास मानिकपुरी, रामु दास मानिकपुरी, युवराज दास मानिकपुरी, दामन दास मानिकपुरी, टोपेश्वर दास मानिकपुरी, सत्यम दास मानिकपुरी, खिलेश्वर कोषे, महेश कोषे, गजराज दास मानिकपुरी, छन्नू दास मानिकपुरी, कालूराम निषाद, शशांक बघेल, गितेश विश्वकर्मा, लक्ष्मण कोषे, दुखीत राम कोषे, गिरवर दास मानिकपुरी, सीमांत मानिकपुरी, सुशांत मानिकपुरी, सुमित दास मानिकपुरी, टीकम दास, धर्मेंद्र निषाद, स्वरूप दास मानिकपुरी, गोलू मानिकपुरी सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

चकल्लस

मोक्षम शरणं गच्छामि

पैसे में बड़ी ताकत होती है। मतलब पैसा सबको सेट कर लेता है। अब दवा सप्लाई करने वाले निगम को ही लीजिए। खबरी बता रहा था कि

ऊपर से नीचे तक सब मोक्षम शरण गच्छामि हो गए हैं। पांच रुपए की दवा सौ रुपए में, दस रुपए का केमिकल दो सौ रुपए में सप्लाई हुआ है। स्वास्थ्य मंत्री ने तीन सौ करोड़ रुपए का भुगतान रोका है लेकिन सिस्टम, वह तो मोक्षम शरणम गच्छामि हो गया है। अफसर नियमों को शीर्षासन कराकर चेक थमाने की तैयारी में हैं। क्योंकि वे सरकार के कम, कंपनी के वफादार ज्यादा हैं। जब कंपनी को माल मिलेगा तभी तो उनकी जेब गर्म होगी। बाकी सरकार से तो सूखी तनख्वाह ही मिलनी हैं।

कोरोना का साइड इफेक्ट

कोरोना महामारी खत्म हुए करीब तीन साल हो रहे हैं, लेकिन इसका एक साइड इफेक्ट अब तक खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है।

दरअसल कोरोनाकाल में जब सरकार के सामने धनराशि की किल्लत आई थी, तब सरकार ने अपने खर्च कम करने के इरादे से तबादलों पर प्रतिबंध लगा दिया था। छोटे कर्मचारियों के लिए तबादला नीति ही नहीं बनाई गई थी, लेकिन कोरोना को गए तीन साल हो गए हैं, सरकार भी बदल गई, लेकिन तबादला नीति बनना ही बंद हो गया। बेचारे छोटे कर्मचारी अभी भी कोरोना के इस साइड इफेक्ट से ग्रस्त हैं।

बुद्धू फिर लौटने की तैयारी में

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस पार्टी को पिछले साल दिसंबर से लेकर इस साल जून तक दोहरी हार का सामना करना पड़ा है। पार्टी को मिली हार के कई कारणों में एक यह बात भी थी कि पार्टी के कई नेताओं-कार्यकर्ताओं

ने दूसरी पार्टियों से सेटिंग करके पार्टी के खिलाफ खुलेआम बगावत की थी और पार्टी से बाहर हो गए थे। लिहाजा कांग्रेस तो हार गई, लेकिन बागियों को दूसरी पार्टी से वफादारी करने का भी कोई फायदा नहीं मिला। खबरी को पता लगा है कि ऐसे कई कांग्रेसी अब नगर निगम चुनाव और उसके बाद होने वाले जिला पंचायत चुनाव के पहले फिर से वापस आने के लिए हाथ-पांव मार रहे हैं। कांग्रेस के सामने बड़ा सवाल है कि इन बुद्धुओं को वापस ले या नहीं।

गद्दों पर योग

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर प्रदेशभर में योग के कार्यक्रम आयोजित किए गए। खबरी बता रहा था, इस बार तो कई स्थानों पर गजब का नजारा देखने को मिला। कई बड़े-बड़े नेता गद्दों पर योग करते हुए नजर आए। आमतौर पर मैट पर योग किया जाता है, लेकिन इसकी व्यवस्था न होने पर कई स्थानों पर किराया भंडार से गद्दे मंगाकर उन पर सफेद कवर लगाकर थोक में आयोजनों में गद्दे लगा दिए गए। अब आयोजन में पहुंचने वाले नेता, जनप्रतिनिधि, अधिकारी और आम लोग करते भी तो क्या करते, मजबूरी में सबको गद्दों पर ही योग करना पड़ा। जिनको गद्दे रास नहीं आए, वे जमीन पर ही योग करते हुए नजर आए।

फोन से परहेज...

प्रदेश में स्वास्थ्य सेवा का संचालन करने वाले एक अफसर का फोन से परहेज करना पूरे महकमे में चर्चा का विषय बना हुआ है। संवेदनशील

विभाग होने के बाद भी किसी जरूरतमंद का तो दूर, अपने सीनियर अफसरों का फोन अटेंड करने में भी वे दिलचस्पी नहीं दिखाते। साहब ने अपने मातहतों को इस बात की सख्त हिदायत दे रही है कि कितना भी जरूरी हो, उनके मोबाइल नंबर पर कॉल करने की कोई गुस्ताखी न करे। अगर कोई बात उन तक पहुंचानी है तो इसके लिए अफसरों के चेन सिस्टम का पालन किया जाए।

छापेमारी के बाद सहयोग...

मंत्री के निर्देश के बाद सक्रिय हुई खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम एक-दो कार्रवाई के बाद आराम के मूड में नजर आ रही है। चर्चा है कि पिछले दिनों विभिन्न संस्थानों में हुई छापेमारी और लिए गए फूड सप्लीमेंट्स के सैंपल के बाद हुई बैठक की है। कार्रवाई के दूसरे दिन हुई इस समन्वय बैठक में एक-दूसरे से सहयोग पर चर्चा हुई और उसके बाद मामला शांत हो गया।

संरक्षण देने वाले की तलाश

घोटाले के कई मामले सामने आए। सभी मामलों में जो लोग पकड़े गए, वे छोटे दलाल थे। उनके हिस्से में पंद्रह प्रतिशत आता था। अभी उनकी

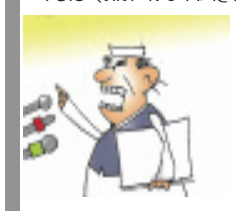

पकड़ से वो लोग बाहर हैं, जो इसका 85 प्रतिशत हिस्सा लेकर उन्हें संरक्षण देते थे। पिछले तीन साल से ये मामले चल रहे हैं। मामले को सुनने वाले कानून के जानकार कहते हैं कि कहानी अभी भी अधूरी है, क्योंकि अभी उस डायरी की तलाश है, जो देने वाली थी। मिलने वाली डायरी तो पहले ही पकड़ में आ गई है। अब इन दलालों को लगने लगा है कि राजनीतिक फिजां बदल गई है। ऐसे में जल्द ही उस नाम का खुलासा हो सकता है, जो इनका असली संरक्षक है।

रसूखदार का कारनामा बेनकाब

प्रदेश में चुनाव के दौरान जो कारनामे हुए, उसकी सजा अब उनके समर्थकों को मिलने लगी है। पिछले कुछ दिनों से आपसी खींचतान के बीच पार्टी अध्यक्ष से जुड़े एक नेता पर मामला दर्ज हो गया। मामले में उनके द्वारा रसूख का इस्तेमाल का उगाही का आरोप लगा। जब मामले में सफलता नहीं मिली तो उन्होंने ऐसे लोगों को पीछे लगा दिया, जो अभी राजनीति का क ख ग नहीं जानते। जब मामला पुलिस के पास पहुंचा तो उन्होंने पूरी सतर्कता बरतते हुए नेताओं को समझाइश दी। बड़े संस्थान में अफसरों का सेवा-सत्कार भी शुरू हो गया है। रसूखदारों का यह कारनामा बेनकाब होने के बाद मामले में कार्रवाई में देर हो रही है।

मुक्ति की कामना

जिला शिक्षा विभाग में एक पद ऐसा होता है जिसे पाने की ख्वाहिश सबकी होती है। हो भी क्यों ना? सबसे मलाईदार पद जो है। वैसे अभी सीजन भी चल रहा है मान्यता-मान्यता खेलने का। ठीक-ठाक नोट अंदर हो ही जाते हैं। लेकिन जो अभी वाले साहब है, वे अपने पद से मुक्ति की कामना कर रहे हैं। क्या है कि साहब ने जैसा सोचा था, वैसा हुआ नहीं। जिसकी छत्र-छाया में थे, वे भी अब स्टेट पॉलिटिक्स को टाटा-बाय-बाय कह चुके हैं। चीजें संभाले नहीं संभल रही हैं। हर दिन नया बवाल हो रहा है, सो अलग। खबरी बता रहे थे कि अब साहब ने तय कर लिया है कि उन्हें पुनः प्राचार्य पद पर जाना है ताकि चैन की बंसी बजा सकें।

मुंह दिखाई की रस्म

बीते दिनों एनएसयूआई और यूथ कांग्रेस का प्रदर्शन हुआ। बड़े स्तर पर खूब हो-हल्ले के साथ प्रचार हुआ। सोशल मीडिया कैंपन देखकर लग

रहा था कि आधे शहर को तोड़-फोड़ डालेंगे। लेकिन खोदा पहाड़ निकली चुहिया। प्रदर्शनकारियों से अधिक संख्या पुलिस बल की थी। फोटो खिंचवाने के लिए एक-दो पोज दिए, इंस्टाग्राम रील बनाए और फिर धीरे से खिसक लिए। एनएसयूआई के जिले वाले साहब ने भी हाथ खड़े कर दिए। थोक में लोग थे, जो सिर्फ मुंह दिखाई की रस्म निभाने पहुंचे थे। अब क्या ही बोलें...।

जिया कुरैशी, राजकुमार ग्वालानी
सुरेन्द्र शुक्ला, विकास शर्मा, रुचि वर्मा

एआई तकनीक से आधे मिनट में होगी टीबी मरीजों की पहचान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

दर्जनभर मशीनों की होगी व्यवस्था, चिन्हित जिलों में भेजेंगे

खास खबर

सालभर में प्रदेश को टीबी मुक्त करने चलाए जा रहे अभियान के तहत नए मरीजों की पहचान के लिए स्वास्थ्य विभाग अब एआई सिस्टम का उपयोग करेगा। इसकी मदद से फेफड़े का एक्स-रे कर आधे मिनट में मरीजों की पहचान की जा सकेगी। योजना के मुताबिक स्वास्थ्य विभाग इसके लिए एआई तकनीक वाली दर्जनभर हैंड हेल्ड एक्स-रे मशीन खरीदेगा और चिन्हित अलग-अलग जिलों में भेजकर इसके माध्यम से संदिग्ध मरीजों की पहचान कर उन्हें आवश्यक उपचार सुविधा मुहैया कराई जाएगी। जानकारी के मुताबिक, अभी मरीजों की पहचान के लिए माइक्रोस्कोपी, सीबीनॉट और टू-नॉट मशीन का उपयोग किया जाता है, जिसकी रिपोर्ट आने में कुछ वक्त लगता है। इस एआई तकनीक की मदद से की जाने वाली जांच में अधिक वक्त नहीं लगेगा। एक मिनट से भी कम समय में फेफड़ों की संक्रमण की पहचान कर इसकी रिपोर्ट सामने आ जाएगी। अभी जांच के लिए मरीजों को स्वास्थ्य केंद्र अथवा अस्पताल तक जाने की आवश्यकता होती है, मगर इस जांच की शुरुआत के बाद स्वास्थ्य कर्मी लैपटॉप से जुड़ी इस तकनीक के साथ संदिग्ध मरीज तक पहुंचकर उनकी जांच करेंगे। संक्रमण की पुष्टि होने के बाद मरीजों के उपचार की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। अधिकारियों का तर्क है कि यह सुविधा शुरू होने के बाद राज्य में टीबी के मरीजों की पहचान के लिए होने वाली जांच की संख्या बढ़ जाएगी, क्योंकि इसमें अनावश्यक वक्त नहीं लगेगा। इस मशीन का उपयोग वहां पर बेहतर साबित होगा, जहां जांच से संबंधित सुविधाएं कम हैं और मरीजों को इसके लिए लंबा सफर तय करना पड़ता है।

रायपुर में दो हजार के करीब टीबी मरीज

सूत्रों के अनुसार रायपुर जिले में पंजीकृत टीबी मरीजों की संख्या दो हजार के करीब है। इन्हें उपचार के साथ अन्य तरह की सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। इसके अलावा दुर्ग में डेढ़ हजार और बिलासपुर में 11 सौ के करीब मरीज हैं। राज्य में इनकी संख्या पंद्रह हजार से अधिक है।

प्रशिक्षण भी

एआई तकनीक वाली मशीन संचालित करने टीम को ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके बाद उन्हें विभिन्न जिलों में भेजकर जांच कराई जाएगी।
- डॉ. अजय शंकर कन्नौजे, नोडल अफसर टीबी उन्मूलन कार्यक्रम

सामाजिक समरसता का अभियान सुदर्शन जी का जीवन मंत्र था: साय

आरएसएस के सह सरकार्यवाह रामदत्त बोले- परिवार एक होगा तो देश एक होगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

दीनदयाल उपाध्याय आडिटोरियम में आरएसएस के पंचम सरसंघचालक सुदर्शन जी की स्मृति में रविवार को राष्ट्रीय व्याख्यान का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में सीएम विष्णुदेव साय शामिल हुए। ''भारतीय परिवार व्यवस्था की शक्ति'' विषय पर आयोजित व्याख्यान में मुख्य वक्ता आरएसएस के सह सरकार्यवाह श्री रामदत्त चक्रधर थे। उन्होंने व्याख्यान में कहा कि मूल्य आधारित परिवार व्यवस्था भारत की शक्ति है, परिवार भारत देश की धुरी है। परिवार एक होगा, तो देश एक होगा। दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में श्री सुदर्शन प्रेरणा मंच द्वारा आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्यक्षेत्र के संघचालक डॉ. पूर्णेंदु सक्सेना ने की। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और श्री सुदर्शन प्रेरणा मंच के मार्गदर्शक डॉ. राजेंद्र दुबे मंच पर उपस्थित थे। व्याख्यान के मुख्यवक्ता श्री रामदत्त ने ''भारतीय परिवार व्यवस्था की शक्ति'' विषय पर विचार प्रकट करते हुए कहा कि भारत में उत्कृष्ट जीवन मूल्य विकसित हुए, जो परिवार में देखने को मिलता है। पश्चिमी देशों में हथियार लेकर बच्चे स्कूल जाते हैं, गोलीबारी में प्रतिवर्ष 40 हजार बच्चे मारे जाते हैं। अमेरिका में पिताहीन बच्चों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जबकि भारत में परिवारों में बच्चों को चरित्रवान बनाया जाता है। ग्रीक के यात्री मेगास्थानिज ने लिखा था कि भारत के लोग चरित्रवान हैं, अंग्रेज अधिकारी मैकाले भी यही कहता था। अंग्रेज इसी शक्ति को तोड़कर यहां अपना शासन स्थापित करना चाहते थे। उन्होंने कहा कि भारत देश में स्त्री को माता मानते हैं। रामायण में लक्ष्मण जी का प्रसंग आता है जिसमें वे अपनी भाभी का सिर्फ पैर देखने की बात कहते हैं। स्वामी विवेकानंद, छत्रपति शिवाजी के जीवन में भी इसी भाव के अनेक उदाहरण मिलते हैं। केवल पौराणिक या ऐतिहासिक नहीं आज के सामान्य लोगों के जीवन में उच्च जीवनमूल्य के दर्शन होते हैं। बच्चों को संस्कार परिवार में माता सिखाती है। भारतीय दर्शन में सभी की चिंता है, पशु-पक्षी, वनस्पति, माता पिता की सेवा, सम्मान का भाव, गुरु के प्रति सम्मान का भाव, अतिथियों का सम्मान, अतिथि देवो भव, सबको साथ लेकर चलना, इस प्रकार की सीख प्रत्येक परिवार अपने बच्चों को देता है। यही संस्कार है। वर्तमान समय में हम देख रहे हैं कि परिवार, समाज में इन मूल्यों का क्षरण हो रहा है। कार्यक्रम की प्रस्तावना श्री सुदर्शन प्रेरणा मंच के अध्यक्ष मोहन पवार ने रखी। आभार प्रदर्शन शिवनारायण मूंदड़ा ने किया। कार्यक्रम का संचालन शशांक शर्मा ने किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह क्षेत्र प्रचारक प्रेम सिदार, छत्तीसगढ़ प्रांत प्रचारक अभयराम, प्रांत संघचालक डॉ. टोपलाल वर्मा, सांसद संतोष पांडे, विधायक,राजेश मूणत, खुशवंत साहेब, संपत अग्रवाल,अनुज शर्मा सहित विश्वविद्यालयों के कुलपति एवं श्री पवन साय, गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

- रायपुर में ही जन्मे थे सुदर्शन, यहीं देह त्यागी

30 साल पहले करते थे पर्यावरण की बात

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने मुख्य अतिथि की आसंदी से कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए पूर्व सरसंघचालक श्री सुदर्शन जी के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता का अभियान श्री सुदर्शन जी का जीवन मंत्र था। वे बड़े सहज और सरल व्यक्ति थे, उनसे मिलने में किसी को हिचक नहीं होती थी। आज दुनिया जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण को लेकर चिंतित हुई है, 30 साल पहले सुदर्शन जी पानी बचाने, पेड़ लगाने, पर्यावरण बचाने, जैविक खेती की बातें कहते थे। उनका छत्तीसगढ़ की मयारू भूमि से निकट का संबंध रहा है।

पांच संकल्प लेना होगा

उन्होंने कहा, हमें पांच संकल्प लेना होगा। पहला, कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, पर्यावरण रक्षा, स्व की जागृति, देशी खानपान, वेषभूषा और नागरिक बोध है।

सिकलसेल के मरीजों को मिलेगी बोन मेरो ट्रांसप्लांट और प्लाज्मा थैरेपी की सुविधा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सिकलसेल से प्रभावित मरीजों को एम्स में बोने मेरो ट्रांसप्लांट और प्लाज्मा थैरेपी की सुविधा मिल सकती है। प्रदेश मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए यह सुविधा बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। इस समस्या से निपटने के लिए विशेषज्ञों ने शोध और अनुसंधान की आवश्यकता बताई है। एम्स के सामान्य चिकित्सा विभाग, बायोकेमेस्ट्री, अस्थिरोग और बाल चिकित्सा सहित कई विभाग मिलकर इस दिशा में शोध से सिकलसेल के उपचार की दिशा में कार्यरत हैं। इस संबंध में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यपालक निदेशक अशोक जिंदल ने कहा है कि एम्स में

मरीजों को कर रहे प्रोत्साहित

अधिष्ठाता प्रो. आलोक अग्रवाल ने बताया कि एम्स के अस्थिरोग विभाग में सिकलिंग रोगियों के लिए स्टेम सेल और प्लाज्मा थैरेपी के प्रयास किए जा रहे हैं। रोगियों को विवाह पूर्व काउंसिलिंग और चिकित्सकीय परामर्श के बाद नियमित रूप से फोलिक एसिड आयरन की गोलियां लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। कार्यक्रम में हेमेटोलॉजी विभाग की डॉ. सरोजबाला, प्रो. विनय पंडित, डॉ. संकल्प शर्मा, डॉ. हर्षल सांकले, डॉ. सुनील जोंधाले, डॉ. झसकेतन मेहेर भी उपस्थित थे। इस अवसर पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई और विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

हार की समीक्षा से पहले ही कांग्रेस में बदलाव संभव

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में पहले विधानसभा चुनाव और इसके बाद लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को करारी हार सामना करना पड़ा है। इसके बाद से छत्तीसगढ़ कांग्रेस में बदलाव को लेकर चर्चाएं तेज होने लगी हैं। हालांकि अभी लोकसभा चुनाव में हुई करारी हार की समीक्षा पार्टी ने नहीं की है। समीक्षा बैठक से पहले यह भी संकेत मिलना शुरू हो गए हैं कि यहां नए प्रभारी और अध्यक्ष बनाए जा सकते हैं।

कांग्रेस ने राष्ट्रीय स्तर पर हार की समीक्षा के लिए एक कमेटी का गठन किया है। उन राज्यों में, जहां कांग्रेस को करारी हार मिली है, वहां अलग-अलग वरिष्ठ नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है। कमेटी के सदस्य संबंधित राज्यों में जाकर हार की समीक्षा को लेकर मंथन करेंगे। कमेटी गठन के बाद छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी की राज्यस्तर पर आयोजित होने वाली समीक्षा बैठक टाल दी गई है।

मोइली का दौरा जल्द

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन की समीक्षा करने एआईसीसी ने फैक्ट फाइंडिंग कमेटी गठित की है। कमेटी के सदस्य शीघ्र राज्य का दौरा करने वाले हैं। कमेटी द्वारा वे पीसीसी प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट, प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज और कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से हार के कारणों की जानकारी प्राप्त करेंगे। रिपोर्ट के आधार पर छत्तीसगढ़ कांग्रेस में बदलाव हो सकता है। प्रदेश में हार के कारणों की पड़ताल करने वीरप्पा मोइली और हरीश चौधरी को नियुक्त किया गया है। दोनों कांग्रेस नेता जल्द ही छत्तीसगढ़ का दौरा करेंगे।

चर्चा के बीच ये नाम आगे

छत्तीसगढ़ में सचिन पायलट प्रदेश प्रभारी और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज की अगवाई में लोकसभा चुनाव लड़ा गया था। प्रदेश में कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा। प्रदेश में अंदरूनी कलह और डैमेज कंट्रोल नहीं कर पाने का भी चुनाव में असर देखने को मिला। चुनाव में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन के चलते प्रभारी और अध्यक्ष को बदला जा सकता है। नए अध्यक्ष के लिए पूर्व अध्यक्ष मोहन मरकाम, फूलोदेवी नेताम, इंद्र शाह मंडावी, लखेश्वर बघेल के नाम की चर्चा है।

मंत्री तोखन ने की साय और डॉ. रमन से मुलाकात

रायपुर। राजधानी में प्रवास के दौरान आवास एवं शहरी विकास राज्यमंत्री तोखन साहू ने रविवार को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से उनके निवास पर शिष्टाचार भेंट कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के निवास पर पहुंचकर उनसे भी शिष्टाचार भेंट कर मार्गदर्शन लिया। राज्यमंत्री श्री साहू से सर्किट हाउस में प्रदेशभर से आए हुए कार्यकर्ताओं, विभिन्न संगठनों एवं जनप्रतिनिधियों ने अलग-अलग भेंट कर उन्हें केंद्रीय राज्यमंत्री बनाए जाने पर लोगों ने उन्हें बधाई दी। कार्यकर्ताओं से मिलने के बाद वे दिल्ली के लिए रवाना हो गए। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश मंत्री किशोर महानंद, किसान मोर्चा के कार्यालय प्रमुख रवीश गुप्ता, विलास सुतार, कमलेश सिंह राजपूत, दरबारी यादव, झल्लू साहू, प्रदेश पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के देवदाचार्य, राजू साहू, शिव साहू आदि उपस्थित थे।

केंद्रीय योजनाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सांसद बनने के बाद बृजमोहन अग्रवाल अब केंद्रीय योजनाओं को लेकर एक्शन मोड में आ गए हैं। भारतमाला राष्ट्रीय राजमार्ग योजना के लिए अभनपुर क्षेत्र के किसानों की अधिग्रहित की हुई भूमि की मुआवजा राशि 78 करोड़ अब तक नहीं मिली है। किसानों ने इस बात की शिकायत सांसद श्री अग्रवाल से की। इस पर श्री अग्रवाल ने कमिश्नर संजय अलंग, कलेक्टर गौरव सिंह और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के आरओ एके सिंह को एक सप्ताह के भीतर मुआवजा राशि प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। रायपुर विशाखापट्टनम राष्ट्रीय राजमार्ग भारत माला प्रोजेक्ट के तहत ग्राम भेलवाडीह, टोकरो, नायकबांधा, उरला, अभनपुर के कृषकों की अर्जित भूमि की मुआवजा राशि के भुगतान का आदेश 30 जून 2022 को पारित हो गया था, परंतु अभी तक भुगतान नहीं किया गया है।

बिना मुआवजा निर्माण अनुचित

श्री अग्रवाल ने अधिकारियों के समक्ष नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, आपने जमीन अधिग्रहण कर लिया है और बिना मुआवजा दिए निर्माण भी कर दिया, जो की अनुचित है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि भूमि अधिग्रहण के बाद जब तक मुआवजा नहीं दिया जाता, किसानों की जमीन का उपयोग नहीं होना चाहिए, यही हमारी भाजपा सरकार की मंशा भी है। साथ ही कहा, केंद्रीय योजनाओं को अफसर गंभीरता से लें, लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।

भाजपा कल मनाएगी हर जिले में आपातकाल का काला दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

आपातकाल का काला दिवस आयोजन समिति के प्रांत संयोजक सच्चिदानंद उपासने ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय नेतृत्व के आव्हान पर प्रदेश भाजपा सभी जिलों केंद्रों में 25 जून को आपातकाल का काला दिवस का आयोजन करेगी। कांग्रेस की सत्ता की लालसा के चलते तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा जिस प्रकार न्यायालय आदेश के बाद भी प्रधानमंत्री की कुर्सी न छोड़ देश को 1975 से 1977 तक 21 माह की अवधि में आपातकाल लगा संविधान की हत्या कर विपक्ष एवं मीडिया को कुचलकर लोकतंत्र समाप्त कर तानाशाही राजतंत्र का काम किया। उस काले अध्याय को देश की जनता को स्मरण कराने भाजपा प्रतिवर्ष यह काला दिवस मनाती है। श्री उपासने ने बताया, 25 जून को जिलास्तरीय कार्यक्रमों में विषय प्रतिपादन के लिए राजधानी रायपुर में मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं प्रमुख प्रवक्ता लोकतंत्र सेनानी एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सच्चिदानंद उपासने होंगे। इसी प्रकार बस्तर में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव, रायगढ़ में उप मुख्यमंत्री अरुण साव, बिलासपुर में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, रायपुर ग्रामीण में मंत्री टंकराम वर्मा, बालोद में मंत्री केदार कश्यप होंगे।

- रायपुर के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय करेंगे शिरकत

ऑडिट रिपोर्ट से हुआ खुलासा

निकायों को हो रही आर्थिक क्षति

नगरीय निकायों ने नहीं लगाए कैपेसीटर 40 प्रतिशत तक ज्यादा आ रहा बिजली बिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नगरीय निकायों के दक्षता संपरीक्षा प्रतिवेदन (ऑडिट रिपोर्ट) से यह बात सामने आई है कि नगरीय निकायों द्वारा मोटर पंपों, स्ट्रीट लाइट एवं अन्य विद्युत उपकरणों में कैपेसीटर नहीं लगाए जाने से हर महीने अधिक विद्युत खपत एवं कैपेसीटर अधिकारी के रूप में निकायों को 6 से 40 प्रतिशत अतिरिक्त विद्युत व्यय देना पड़ रहा है। इसकी वजह से निकायों पर वित्तीय बोझ बढ़ने के साथ ही आर्थिक क्षति भी हो रही है। दक्षता संपरीक्षा प्रतिवेदन में बताया गया है कि बिलासपुर नगर निगम और नगर पंचायत बलौदा में जांच से यह तथ्य सामने आया है। रिपोर्ट के मुताबिक पॉवर फैक्टर, विद्युत मंड़ल द्वारा उपलब्ध कराई गई विद्युत उर्जा के उत्पादक कार्य के लिए उपयोग का प्रतिशत होता है। पॉवर फैक्टर उच्च रखने से ऊर्जा की बचत होती है एवं बिजली बिल में कमी तथा खर्च में कमी आती है, लेकिन इसके विपरीत पॉवर फैक्टर निर्धारित सीमा से कम होने पर विद्युत हानि बढ़ती है एवं समान लोड फैक्टर के लिए विद्युत ही प्रमात्रा बढ़ जाती है। विद्युत की प्रमात्रा अधिक होने से ट्रांसफॉर्मर, विद्युत लाइन एवं विद्युत व्यवस्था में लगे अन्य उपकरणों के क्षतिग्रस्त होने की संभावना रहती है। पॉवर फैक्टर को निर्धारित सीमा पर बनाए रखने के लिए विद्युत उपकरणों के साथ उपयुक्त क्षमता के कैपेसीटर का प्रयोग आवश्यक होता है।

रिपोर्ट से ये बात आई सामने

ऑडिट रिपोर्ट में कहा गया है कि विद्युत देयकों का परीक्षण एवं संबंधित विद्युत संयोजनों का मौतिक सत्यापन किया गया और पाया गया कि उचित क्षमता के कैपेसीटर लगाने पर पर निकाय स्तर पर विद्युत देयकों में 6 से 40 प्रतिशत तक की बचत की जा सकती थी, लेकिन नगरीय निकायों द्वारा विद्युत प्रभारों के प्रबंधन में उदासीनता की वजह से निकायों के विद्युत प्रभारों में वृद्धि हो रही है। इसके साथ ही नगरीय निकायों के वित्तीय भारों में उत्तोरत्तर वृद्धि हो रही है। पेयजल आपूर्ति एवं स्ट्रीट लाइट के विद्युत देयकों के कम पॉवर फैक्टर के कारण अधिक विद्युत खपत एवं कैपेसीटर अधिभार के रूप में अतिरिक्त विद्युत व्यय देना पड़ रहा है।

खबर संक्षेप

रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस 24 जून पर उन्हें नमन किया है। श्री साय ने कहा है कि रानी दुर्गावती भारत की उन वीरांगनाओं में से एक थीं, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राण तक न्योछावर कर दिए। उन्होंने अपने शौर्य और साहस से वीरता की एक नई इबारत लिखी। उनका साहस और बलिदान हमेशा देशवासियों को प्रेरित करता रहेगा।

विधायक अनुज ने किया लोकार्पण

रायपुर। श्री साईं दर्शन आवासीय समिति जोरा में विधायक निधि से नवनिर्मित भवन का लोकार्पण धरसींवा विधायक अनुज शर्मा ने रविवार को किया। इस अवसर पर कॉलोनी के समस्त पदाधिकारी एवं कॉलोनीवासी मौजूद थे।

सुहिणी सोच ने मनाया योग दिवस

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सुहिणी सोच संस्था द्वारा साइंस कॉलेज मैदान में 'योग का करें प्रण, नशामुक्त होगा छत्तीसगढ़' का दशम आयोजन किया गया। संस्थापक मनीषा तारवानी की सहभागिता रही और अध्यक्ष दीक्षा बुधवानी व सचिव पूनम बजाज ने बताया कि नियमित योग करने से कैसे हम अपने आपको फिट रख सकते हैं! मीडिया प्रभारी कविता नारा ने बताया कि इस प्रोग्राम में पूर्व अध्यक्ष विद्या गंगवानी व अध्यक्ष करिश्मा कमलानी ने भी अपनी कार्यकर्ताओं पल्लवी चिमनानी, संगीता पुरी, रेखा पंजवानी, ईशानी तोतलानी, सिया जसवानी, भारती सिहानी, हर्षा सिंहानी के साथ प्रोग्राम में हुए क्विज कंट्रोल क्विज कांटेस्ट के बखूबी उत्तर दिए।

चोरी का वाहन बेचने की फिराक में धरे गए दो चोर

रायपुर। गुढ़ियारी पुलिस ने दो वाहन चोर अरुण साहू उर्फ ज्ञानेंद्र निवासी समुदायिक भवन के पास सीतानगर गोगांव एवं तेजनारायण उर्फ सोनू साहू निवासी सीतानगर गोगांव को गिरफ्तार किया है। दोनों ने गुढ़ियारी निवासी प्रार्थी विजय पटले के घर से स्प्लेंडर चोरी की थी, जिसकी रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने आरोपियों को गोगांव के सीतानगर चौक के पास चोरी की उसी गाड़ी को बेचने के लिए ग्राहक की तलाश करते पकड़ा। दोनों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है।

निधन

डॉ. दयानंद द्विवेदी

रायपुर। डॉ. दयानंद द्विवेदी (87) का 23 जून को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 24 जनवरी को सुबह 10.30 बजे गृहग्राम बलौदाबाजार में किया जाएगा। वे कलावती द्विवेदी के पति, संतोष द्विवेदी एवं वरिष्ठ पत्रकार गंगेश द्विवेदी के पिता थे। उनके निधन पर प्रेस क्लब रायपुर ने शोक जताते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है।

व्यापम का कमाल, पहले पूछा प्रश्न, फिर बताया- किस गद्यांश को पढ़कर देना है उत्तर!

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

देशभर में हो रही परीक्षाओं में गड़बड़ी के बाद व्यापम के पर्चे में भी तकनीकी त्रुटि सामने आई है। रविवार को व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा शिक्षक पात्रता परीक्षा का आयोजन किया गया था।

- अपठित गद्यांश को पढ़कर देना होता है सवालों का जवाब

दो पालियों में यह परीक्षा रखी गई थी। इसमें प्रथम पाली में प्राथमिक कक्षा तथा द्वितीय पाली में माध्यमिक कक्षा में अध्यापन के लिए पात्रता परीक्षा हुई। प्रथम पाली में हुई परीक्षा में यह तकनीक त्रुटि सामने आई है। सेट-डी के 55, 56 और 57 के उचित क्रम में नहीं होने के कारण यह स्थिति निर्मित हुई। निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार शिक्षक पात्रता परीक्षा में सामान्य ज्ञान, विज्ञान, गणित सहित कई विषयों से संबंधित सवाल पूछे जाते हैं। इसमें भाषा के अंतर्गत हिंदी और इंग्लिश के सवाल भी शामिल होते हैं। इसी कड़ी में हिंदी के अंतर्गत परीक्षार्थियों से अपठित गद्यांश पूछा गया।

अभ्यर्थियों से इससे संबंधित सवाल पहले पूछ लिए गए और अपठित गद्यांश का जिक्र बाद में किया गया। अपठित गद्यांश सवाल क्रमांक 57 में दिया गया था। इससे जुड़े सवाल 55 और 56 में पूछ लिए गए। जबकि प्रश्न क्रमांक 57 में दिए गए अपठित गद्यांश के बाद 55 और 56 नंबर के सवालों के जवाब दिए जाने थे, ताकि विद्यार्थी इसका क्रमवार उत्तर लिख सकें।

रविवार को आयोजित की गई थी शिक्षक पात्रता परीक्षा, सेट-डी में हुई गड़बड़ी

समय बर्बाद

सवाल क्रमांक 55 और 56 को पढ़ने के बाद अभ्यर्थियों को यह समझ में ही नहीं आया कि उनसे किस संदर्भ में सवाल पूछे जा रहे हैं, जब अभ्यर्थी इन दोनों सवालों को हल करने के बाद 57वें प्रश्न में पहुंचे, तब उन्हें त्रुटि का अहसास हुआ। इसके कारण कई छात्रों में भ्रम की स्थिति निर्मित हुई। अभ्यर्थियों ने इसके कारण समय बर्बाद होने की शिकायत भी की। दोनों पालियों की परीक्षाओं में 150-150 सवाल पूछे गए थे। पूरे मामले पर व्यापम द्वारा अब तक अपनी स्थिति स्पष्ट नहीं की गई है।

व्यापम में शिकायत

रात होते-होते व्यापम की यह गड़बड़ी व्हॉट्सऐप सहित कई सोशल साइट्स में वायरल होने लगी। कई परीक्षार्थियों और अभिभावकों द्वारा इस संदर्भ में व्यापम से शिकायत की गई है। उनका कहना है कि व्यापम की इस त्रुटि के चलते बहुत से परीक्षार्थियों ने पैराग्राफ पढ़े बिना ही उत्तर बना लिया था। इसकी वजह से बहुत से परीक्षार्थी भ्रम में पड़ गए। जिन परीक्षार्थियों ने सचेत होकर इन सभी प्रश्नों को हल किया। उनके ही उत्तर सही हो सके हैं। इस त्रुटि के चलते परीक्षार्थियों को बोनस अंक मिलना चाहिए।

राजधानी में काम के लिए व इलाज कराने आने वालों की सुविधा का ऐसा हाल

रैन बसेरा बनवाकर भूला नगर निगम कहीं विस्थापितों का डेरा, कहीं तालाबंदी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मुसाफिरों के लिए शहर में कई जगह रैन बसेरा बनवाने और जरूरी सुविधा देने नगर निगम ने एक करोड़ से ज्यादा खर्च किया है। इसके बाद भी लोगों को मिलने वाली सुविधा अव्यवस्था की भेंट चढ़ रही है। देखभाल के अभाव में किसी रैन बसेरा में तोड़फोड़ में प्रभावित परिवारों को वैकल्पिक व्यवस्था मिल रही तो किसी में एजेंसी कर्मी जमे हुए हैं। इससे बारिश के मौसम में मुसाफिरों को मिलने वाली सुविधा का हाल बेहाल है।

हरिभूमि सरोकार

राजधानी में निगम ने 15 से 20 साल में 8 जगह रैन बसेरा बनवाया है। इनमें शहर के बीच ही चार जगह रैन बसेरा बनवाने पर निगम ने एक करोड़ से ज्यादा खर्च किया है। जहां बारिश के दिनों में मुसाफिरों को किस तरह की सुविधा मिल रही है, इसकी जमीनी सच्चाई जांचने के लिए हरिभूमि की टीम ने पड़ताल की। इस दौरान कई खामियां देखने को मिलीं। बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन व मुख्य मार्ग के आसपास बनवाए गए रैन बसेरों में से सिर्फ एक ही जगह ही लोगों को रात बिताने के लिए सुविधा मिल रही है। बारिश के मौसम में बची तीन जगह रैन बसेरा की सुविधा इसलिए नहीं मिल रही, क्योंकि जोन के जिम्मेदार बनवाए गए आश्रय स्थल की सुध भी नहीं ले रहे हैं। जिन लोगों का आनन-फानन में मकान तोड़ा गया, उन्हें भी बसाया है। इससे मुसाफिरों की सुविधा लंबे अरसे से नहीं मिल रही है।

मुसाफिरों को सुविधा भी सिर्फ पंडरी बस स्टैंड में मिल रही है। बस स्टैंड हटने से 80 बिस्तर वाले आश्रय में प्रतिदिन एवरेज 15 से 20 मुसाफिर ही पहुंचते हैं।

तीन जगह सुविधा भी फेल

बस स्टैंड में रनिंग स्थिति में मिले रैन बसेरा के कर्मी ने बताया कि बस स्टैंड हटने से आश्रय स्थल के बेड खाली रहते हैं। इससे पहले 80 बेड वाला आश्रय स्थल हमेशा गुलजार था, अब लोग कम आते हैं। पंडरी के मठपारा में बनवाए गए रैन बसेरा में ताला बंद मिला। वहां आसपास के लोगों ने बताया कि अभी निगम के एजेंसी कर्मी आते-जाते रहते हैं। रामनगर ढलान के पास बनवाए गए दो मंजिला भवन के ऊपरी माले पर रैन बसेरा की सुविधा कुछ दिनों तक ही लोगों को मिली, अब बिल्डिंग में तालाबंदी है। विवेकानंद आश्रम के पास बनवाए गए आश्रय स्थल में विस्थापित जमे हैं।

मुफ्त में मिल रही है सुविधा

निगम ने रामनगर में 68 लाख, पंडरी बस स्टैंड में 25 लाख से ज्यादा व मठपारा और विवेकानंद आश्रम के पास रैन बसेरा की सुविधा देने पर 8 एवं 10 लाख से ज्यादा खर्च किया। वर्तमान स्थिति में पंडरी बस स्टैंड स्थित आश्रय स्थल में ही मुसाफिरों को नहाने, सोने और लॉकर की सुविधा प्रतिदिन 40 रुपए भुगतान पर मिलती है। वहीं तीन में से दो स्थानों पर जमे हुए लोग निगम की बिजली, पानी की सुविधा तो ले रहे हैं, लेकिन निगम को कोई फायदा नहीं मिल रहा है। बरसात के लिहाज से इनमें सुविधा देने के लिए दोबारा शुरू कराने का प्रयास भी दो साल से अधूरा है।

दो रैन बसेरा जल्द शुरू करेंगे

जिन रैन बसेरों की जानकारी दे रहे है, उनमें से बस स्टैंड का ही बेहतर तरीके से संचालित हो रहा है। मठपारा व विवेकानंद आश्रम के पास स्थित रैन बसेरा को जल्द ही व्यवस्थित करने जोन को निर्देश दिए हैं। रामनगर के रैन बसेरा को शुरू करने में विलंब होगा,क्योंकि वहां अभी काम चल रहा है।

- विनोद कुमार पांडेय, अपर आयुक्त, नगर निगम रायपुर

औषधि प्रशासन विभाग की नए सॉफ्टवेयर पर कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मेडिकल परिसर स्थित केमिस्ट भवन में रविवार को नए सॉफ्टवेयर पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस मौके पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन रायपुर के औषधि निरीक्षक डॉ. परमानंद वर्मा, राजेश सोन एवं सतीश सोनी सैंपल विश्लेषक ने नए सॉफ्टवेयर के संदर्भ में केमिस्टों को विस्तार से जानकारी प्रदान की और उन्होंने माह अगस्त 2022 में जितने भी लाइसेंस नवीनीकरण अथवा नए लाइसेंस बनाए गए हैं, उन्हें छोड़कर अगस्त 2022 के पूर्व के समस्त लाइसेंसधारी को अपने समस्त दस्तावेजों की जानकारी नए सॉफ्टवेयर में अपलोड करने के निर्देश दिए। डॉ. वर्मा ने बताया कि नए सॉफ्टवेयर में किस तरह दस्तावेजों को अपलोड किया जाना है। इसकी संपूर्ण जानकारी सदस्यों को दी एवं कहा कि अगर उन्हें उसके बाद भी कोई परेशानी आती हो तो वे विभाग की मदद ले सकते हैं। उन्होंने सदस्यों से कहा कि 22 जुलाई तक अपनी दुकान के दस्तावेज अपलोड कर दें। संघ के उपाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी अश्विनी विग ने बताया कि कार्यक्रम में ठाकुर राजेश्वर सिंह, संजय रावत, वासुदेव जोतवानी एवं कार्यकारिणी सदस्य नीरज चौधरी, वरुण चिमनी, विजय भोजवानी, नितेश कुमार जैन, विनोद दुल्हानी एवं अन्य वरिष्ठ सदस्य उपस्थित थे।

- लाइसेंसधारी को दस्तावेजों की जानकारी नए सॉफ्टवेयर में अपलोड करने दिए निर्देश

अध्यक्ष विश्वनाथ, कोषाध्यक्ष बने भूपेश

रायपुर। रायपुर वीडियो जर्नलिस्ट एसोसिएशन का चुनाव रविवार को हुआ। चुनाव में 78 सदस्यों ने वोटिंग की थी, जिसमें अध्यक्ष विश्वनाथ साहू, उपाध्यक्ष पुनीत सोनकर, कोषाध्यक्ष भूपेश जांगड़े और सचिव अभिषेक डड़सेना निर्वाचित हुए। संयुक्त सचिव के रूप में राजकुमार प्रसाद पहले ही निर्वाचित हो चुके थे, क्योंकि उनके सामने चुनाव मैदान में खड़े रेखराम देवांगन पहले ही किसी प्रत्याशी के लिए प्रस्तावक के रूप में सामने आ चुके थे। पूर्व में मनोनीत किए गए अध्यक्ष विश्वनाथ साहू ही निर्वाचित हुए। पहली बार रायपुर वीडियो जर्नलिस्ट एसोसिएशन का चुनाव हुआ।

नूतन स्कूल टिकरापारा में अब रोज होगा योग निशुल्क प्रशिक्षण

रायपुर। विश्व योग दिवस के उपलक्ष्य पर नूतन स्कूल टिकरापारा में 15 दिवसीय निशुल्क योग प्रशिक्षण आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण में भाग लेने वाले लोगों की मांग पर अब प्रतिदिन प्रातः 5.10 बजे से शुरू होकर 6.30 तक योग कक्षाएं चलेंगी। यह कार्यक्रम सामाजिक संस्था राष्ट्रीय दिशा मंच और विकास परिषद द्वारा किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में रोग निवारक, मेमोरी बढ़ाने, डायबिटीज, साइटिका, घुटने की प्रॉब्लम सहित अन्य समस्याओं के निवारण पर अभ्यास भी कराया जाएगा।

पर्यावरण को बढ़ावा देने बांटे निशुल्क 500 पौधे

रायपुर। भाजपा के पितृपुरुष डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में केनाल रोड स्थित भगवान झूलेलाल मूर्ति चौक पर हर घर एक वृक्ष, हर घर हरियाली अभियान के अंतर्गत निशुल्क पौधे बांटे गए।

पूज्य सिंधी पंचायत राजेंद्रनगर, अमलीडीह, महावीर नगर के मुखी गिरीश लहेजा के नेतृत्व में इस अभियान के तहत पीपल, नीम, बरगद, जामुन, आम, सीताफल एवं अनेक प्रकार के 500 पौधों का वितरण किया गया। इस दौरान मुख्य रूप से पंचायत के पदाधिकारी कार्यकारिणी अध्यक्ष जेठानंद कोटवानी, महासचिव राजकुमार मंजर, कोषाध्यक्ष सुरेश दसवानी, मुख्य सलाहकार हरेश रामानी, उपाध्यक्ष दिलीप केवलानी, अनिल हिमानी, अनिल रूपचंदानी, मनीष पंजवानी, दुलीचंद कोटवानी, कैलाश बत्रा, सुनील जसवानी, राजकुमार पंजवानी, पहलाद खेमानी समेत अन्य शामिल हुए।

खाद-बीज की गुणवत्ता जांच, कई सैंपल अमानक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खरीफ सीजन में किसानों को समय पर खाद, बीज उपलब्ध कराने का फरमान मुख्य सचिव ने जारी किया। सहकारी समितियों में बीज का भंडारण किए जाने साथ ही विभाग ने बीजों की गुणवत्ता की जांच के लिए सैंपल लिए हैं। किसानों को वितरित किए जाने वाली खाद, बीजों की गुणवत्ता जांच भी की जा रही है। इन सैंपल की जांच में कई बीज और खाद के नमूने अमानक पाए गए हैं।

- फसल बोनी के साथ विभाग करा रहा उर्वरक और बीजों की गुणवत्ता जांच

कृषि विभाग द्वारा खरीफ फसल के बीजों की गुणवत्ता की जांच के लिए 5 हजार बीजों के गुणवत्ता परीक्षण का लक्ष्य तय कर 3726 नमूने लिए गए। प्रयोगशाला में हुई जांच में 30 नमूने अमानक पाए गए। 2352 नमूने गुणवत्तायुक्त मिले। विभाग की ओर से उर्वरकों की भी जांच की जा रही है। 2082 नमूने जांच के लिए भेजे गए थे, इनमें से 536 सही पाए गए और 13 नमूने अमानक पाए गए। विभाग की ओर से बीज और उर्वरकों के वितरण में ऐसे अमानक नमूने को अलग किया गया है। कृषि विभाग पौध संरक्षण औषधि के नमूने की भी जांच करा रहा है। 217 नमूने की जांच में 14 नमूने अमानक पाए गए। उर्वरक और बीजों के भंडारण से पूर्व जांच की जा रही है। वहीं जिन मामलों में शिकायत मिल रही है, उसकी जांच कराई जा रही है।

धान की बोनी सबसे ज्यादा

छत्तीसगढ़ में मानसून सक्रिय होने के साथ ही खरीफ फसलों की बुआई का काम शुरू हो गया है। अब तक किसानों ने 0.62 लाख हेक्टेयर में बुआई की है। प्रदेश में खरीफ में धान की फसल प्रमुखता से ली जाती है, इसकी बुआई 0.47 लाख हेक्टेयर में हो चुकी है। अन्य फसलों की बोनी में मोटे अनाज की 3.17 हजार हेक्टेयर, अन्य फसलों की 5.85 हजार हेक्टेयर और गन्ना 6.09 हजार हेक्टयर में बोनी हो चुकी है।

पेज 07 के शेष ...

कॉलेज दाखिले का...

दसवीं और बारहवीं के परिणाम घोषित किए गए थे। इसके बाद अपने अंकों से असंतुष्ट छात्रों से आरटी-आरवी के लिए आवेदन मंडल द्वारा मांगे गए थे। परिणाम वेबसाइट www.cgbse.nic.in पर अपलोड कर दिए गए हैं।

स्पॉ सेंटर की आड़...

यह युवक अपने पुराने ग्राहकों की सिफारिश का हवाला देकर भी लोगों को अच्छी सर्विस देने के दावे करता रहा। कथित ग्राहकों को खुश करने के लिए वह अपने पास स्थानीय के साथ दूसरे शहरों की लड़कियां भी होने के दावे करता रहा। करतूत कैमरे में कैद होने का जब संदेही को पता चला तो गिड़गिड़ाने लगा और आई लड़की को भगाकर खुद भी दुकान बंद कर फरार हो गया।

छुट्टी के दिन अवैध...

अधिकारियों ने संज्ञान लेते हुए प्लेटफार्म से लेकर ट्रेन में खानपान सेवा, कैटरिंग सर्विस व अवैध वेंडिंग का औचक निरीक्षण किया। इसमें रेलवे को कई जगह अनियमितता मिली। सीनियर डीसीएम अवधेश कुमार त्रिवेदी के मार्गदर्शन में मंडल वाणिज्य प्रबंधक राकेश सिंह, सहायक वाणिज्य प्रबंधक अरविंद कुमार साव सहित 4 मुख्य वाणिज्य निरीक्षक और 15 टीटीई एक साथ स्टेशन के सभी प्लेटफार्म पर पहुंचे। साथ ही 12130 आजाद हिंद एक्सप्रेस और 12410 गोंडवाना एक्सप्रेस में अवैध वेंडर और कैटरिंग गुणवत्ता की जांच की।

रिमझिम बारिश से...

भारी बारिश हुई है, वहां अधिकांश क्षेत्रों में हल्की से मध्यम वर्षा की भी दर्ज की गई है। अगले दो दिन तक बस्तर के कुछ स्थानों में भारी वर्षा होने की संभावना बनी हुई है, मगर 26 जून के बाद आने वाले तगड़े सिस्टम के प्रभाव से पूरे प्रदेश में व्यापक स्तर पर वर्षा होने का अनुमान है। मौसम विशेषज्ञ एचपी चंद्रा ने बताया कि सोमवार को कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज-चमक के साथ छींटे पड़ने का अनुमान है। लगातार वर्षा होने के कारण 30 से 32 डिग्री तक आ चुके अधिकतम तापमान में थोड़ी बढ़ोतरी होने का अनुमान बन रहा है। प्रदेश में अब तक साढ़े सात सेमी. बारिश दर्ज की गई है, जो सामान्य वर्षा से 36 प्रतिशत कम है। रायपुर जिले में यह कमी केवल सात फीसदी की रह गई है।

सराफा चुनाव में जबर्दस्त माहौल, परिणाम आते ही ढोल-बाजे के साथ मनाया जश्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन के इतिहास में पहली बार बैलेट पेपर से हुए चुनाव के दौरान बहुत जबर्दस्त माहौल रहा। सुबह से लेकर रात तक पुजारी पार्क के मानस भवन के सामने भारी भीड़ जमी रही। सड़क पर लगे पंडाल के कारण पुलिस प्रशासन ने एक तरफ का रास्ता बंद कर दिया था।

सराफा एसोसिएशन के 30 साल से ज्यादा पुराने इतिहास में कभी भी चुनाव की नौबत नहीं आई। इसके पहले एक बार बिलासपुर में करीब 8 साल पहले चुनाव हुआ था तो वहां पर पर्ची से मतदान किया गया था, लेकिन पहली बार बैलेट पेपर से मतदान हुआ और चुनाव की पूरी प्रक्रिया भी हुई, इसको लेकर भारी उत्साह रहा।

जीत के बाद झूमे कारोबारी

देर शाम को परिणाम आने के बाद एकता पैनल के विजेता कमल सोनी, प्रकाश गोलछा और हर्षवर्धन जैन के साथ पैनल के सदस्यों ने जोरदार जश्न मनाया। ढोल-बाजे पर सभी थिरकते नजर आए। जीत के बाद अध्यक्ष कमल सोनी ने कहा, हमने जो भी वादे चुनाव के पहले किए हैं, सभी को पूरा किया जाएगा। प्रदेश के सराफा कारोबारियों के हित में काम करेंगे।

प्रदेशभर के कारोबारी पहुंचे

सराफा चुनाव में यूं तो प्रदेशभर के 91 एसोसिएशन के अध्यक्ष, महासचिव, कोषाध्यक्ष को मिलाकर कुल 273 ही मतदाता थे, लेकिन चुनाव के लिए केवल मतदाता ही नहीं, प्रदेशभर के एसोसिएशन के सराफा कारोबारी सदस्य भी भारी संख्या में रायपुर पहुंचे। सुबह से ही सभी मानस भवन में जुटे। चूंकि मतदान केंद्र के अंदर जाने की समर्थकों के साथ किसी को भी अनुमति नहीं थी, ऐसे में सड़क पर ही एकता और जय पैनल के सदस्यों ने अपने पंडाल बना रखे थे। हर आने वाले मतदाता से पैनल के प्रत्याशियों के साथ उनके समर्थक मिलते रहे और उनसे सहयोग की अपील की।

खबर संक्षेप

मुख्यमंत्री साय आज अंबिकापुर दौरे पर रहेंगे

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सोमवार को अंबिकापुर के दौरे पर रहेंगे। वे सुबह 11.15 बजे रायपुर के पुलिस ग्राउण्ड हेलीपेड से अंबिकापुर के लिए रवाना होंगे। जहां 12.30 बजे राजमोहिनी देवी सभा भवन में आयोजित वीरांगना महारानी दुर्गावती बलिदान दिवस पर परिचर्चा, विचार गोष्ठी में हिस्सा लेंगे। अपरान्ह 4 बजे मुख्यमंत्री पीजी कॉलेज ग्राउण्ड अंबिकापुर से रवाना होकर 5.10 बजे रायपुर लौट आएंगे।

युवाओं को रोजगार देना भूली सरकार

रायपुर। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नवीन गुप्ता ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान मोदी की गांरटी के नाम से युवाओं को एक लाख सरकारी पदों पर भर्ती एवं युवाओं को रोजगार के लिए कर्ज देने और कर्ज पर 50 प्रतिशत सब्सिडी देने का वादा किया था। उस दिशा में बीते 6 महीने में कुछ काम नहीं हुआ है। सत्ता मिलने के बाद भाजपा युवाओं से किए वादे को भूल गई। अभी 33 हजार पदों पर भर्ती के लिए सिर्फ बयानबाजी चल रही है, पर नतीजा साफ नहीं हो रहा है। यह भर्ती प्रक्रिया कांग्रेस की सरकार के दौरान ही बनी थी। आज भी उसमें से 50 हजार शिक्षकों के पद खाली हैं, उसमें भी युवाओं को अवसर मिलना चाहिए।

सहकारिता निरीक्षकों की पदस्थापना

रायपुर। राज्य सेवा परीक्षा परिणाम के आधार पर सहकारिता विभाग में चयनित अधिकारियों की नियुक्ति कर दी गई है। चयनित निरीक्षक कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से अस्थायी रूप से आगामी आदेश तक तीन वर्ष की परिवीक्षावधि पर रहेंगे। सहकारिता निरीक्षक के पद पर जिनकी नियुक्ति की गई है, उनमें शशांक तिवारी को कोरबा, गरिमा शर्मा को जांजगीर-चांपा, नितिन अग्रवाल को दुर्ग, अभिषेक कुमार सिन्हा को रायपुर, रुखसार बानो को मुंगेली, समृद्धि ताम्रकार को महासमुंद, मुकेश कुमार गुप्ता को रायपुर, मनीष कुमार रात्रे को बिलासपुर, सतानंद पाटले को मुंगेली, नितेश कुमार भगत को अंबिकापुर, इंद्र कुमार को कांकेर, विनायक सिंह को बस्तर, शैलजा खलखो को सूरजपुर, घनेंद्र कुमार साव को जशपुर और देवव्रत भार्गव को जिला गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही पदस्थ किया गया है।

रायपुर संभाग में टाटा कंपनी लगाएगी 18 लाख से ज्यादा मीटर, लगना प्रारंभ हो चुका

घरों में भी घूमने लगा स्मार्ट मीटर, कुछ माह पोस्टपेड, फिर बिजली के लिए प्री-पेड

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश में घरेलू उपभोक्ताओं के पुराने मीटर बदलकर स्मार्ट मीटर लगाने का काम प्रारंभ हो गया है। राजधानी रायपुर के साथ प्रदेश के सभी शहरों में हर वर्ग के उपभोक्ताओं के मीटर बदले जा रहे हैं। हालांकि सभी उपभोक्ताओं के मीटर बदलने में करीब दो साल का समय लगेगा। पॉवर कंपनी के पास एक लाख स्मार्ट मीटर का स्टॉक आ गया है। अभी महज 14 सौ मीटर लगे हैं, लेकिन अब इनके लगाने की रफ्तार बढ़ेगी। इसी के साथ सरकारी दफ्तरों, फीडरों, ट्रांसफार्मरों में भी मीटर लगाने का काम चल रहा है।

हरिभूमि फॉलोअप

रायपुर संभाग का काम टाटा कंपनी को मिला है। स्मार्ट मीटर वैसे तो प्रीपेड ही होंगे, लेकिन तत्काल में इसको प्रीपेड नहीं किया जा रहा है। कुछ समय कनेक्शन पोस्टपेड ही रहेंगे। इसके बाद पूरी व्यवस्था होते ही सभी कनेक्शन प्रीपेड कर दिए जाएंगे। ऐसा होते ही रिचार्ज कराने पर बिजली मिलेगी। इन मीटरों की कई तरह की खासियत है। सबसे पहले सवा लाख सरकारी दफ्तरों में मीटर लगाने का काम हो रहा है। साथ ही दो लाख दस हजार ट्रांसफार्मरों, छह हजार फीडरों में मीटर लगाए जा रहे हैं। रायपुर में टाटा कंपनी 17 लाख 79 हजार 363 कनेक्शनों में मीटर बदलने का काम करेगी। इसी के साथ बिलासपुर-सरगुजा संभाग, बस्तर, दुर्ग और राजनांदगांव को मिलाकर बनाए गए संभाग में जीनस कंपनी मीटर लगाने का काम करेगी। यहां भी काम चल रहा है। प्रदेश में कुल मिलाकर 54 लाख उपभोक्ताओं के मीटर बदलकर स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे।

रायपुर में डीडीनगर से शुरुआत

राजधानी रायपुर में घरेलू उपभोक्ताओं के मीटर बदलने का काम डीडीनगर से प्रारंभ किया गया है। डगनिया सब्जी बाजार के पास एनएल शुक्ला के घर पर एक दिन पहले ही स्मार्ट मीटर लगा है। एलआईसी का काम करने वाले श्री शुक्ला ने बताया, अभी तो कुछ कह नहीं सकते, एक माह बाद जब बिल आएगा तो समझ में आएगा कि पुराना मीटर ठीक था या फिर यह ठीक है। साईं मंदिर के पीछे तीजूराम वर्मा के घर पर भी स्मार्ट मीटर लगाया गया है। डीडीनगर के साथ ही शहर और भी कई इलाकों में स्मार्ट मीटर लगाने का काम प्रारंभ किया गया है। मीटर लगाने का काम ठेका लेने वाली टाटा कंपनी के कर्मचारी कर रहे हैं। इनको उपभोक्ताओं की सूची डीसी सेंटर उपलब्ध करा रहे हैं। पहले सिंगल फेस के मीटर बदले जा रहे हैं।

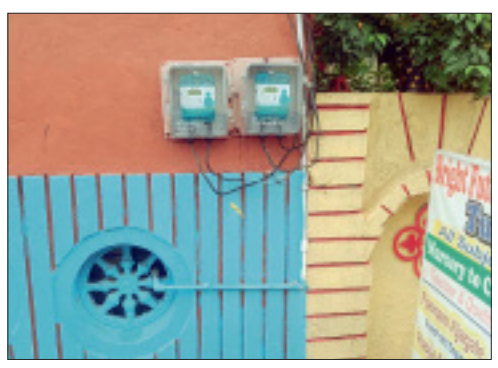

सभी वर्गों के मीटर बदल रहे

घरेलू के साथ सभी वर्गों के मीटर बदलने का काम प्रारंभ कर दिया गया है। अभी एक लाख मीटरों का स्टॉक आ गया है।

- **राजेंद्र प्रसाद,** योजना सीई, पॉवर कंपनी

बिजली चोरी नहीं होगी संभव

स्मार्ट मीटर की एक नहीं, बल्कि थोक में कई तरह की खासियत है। योजना के सीई राजेंद्र प्रसाद के मुताबिक इन मीटरों के लगने से सही खपत करने वाले उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलेगी। जो उपभोक्ता गड़बड़ी करके बिजली चोरी करते हैं, उनको तगड़ा झटका लगेगा। इन मीटरों के लगने के बाद कंट्रोल रूम में बैठकर एक-एक उपभोक्ता की खपत पर नजर रखना संभव होगा। अगर किसी उपभोक्ता की खपत दिन में ज्यादा और रात में कम होगी या फिर कभी भी खपत कम-ज्यादा होगी तो ऐसे उपभोक्ता की जांच करके गड़बड़ी को पकड़ा जाएगा। मीटर में हर 15 मिनट की खपत देखने की व्यवस्था है। कब कितनी खपत की गई है, किस समय कितने लोड का उपयोग हो रहा है। उपभोक्ता ने कितना लोड लिया है और उसकी खपत कितनी हो रही है। कुल मिलाकर रीयल टाइम डाटा देखने की पूरी सुविधा मीटर में है। मीटर में सालभर से ज्यादा की खपत का रिकॉर्ड भी देखा जा सकेगा।

ईसीजी मशीन में की तोड़फोड़

आंबेडकर अस्पताल के सीएमओ दफ्तर में युवक ने किया हंगामा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- पिता की मृत्यु की खबर से आक्रोशित हुआ युवक

चिकित्सकों द्वारा जांच के दौरान पिता को मृत बताने से बौखलाए युवक ने आंबेडकर अस्पताल के केजुअलटी चिकित्सा अधिकारी के कार्यालय में हंगामा कर दिया। मौजूद स्टाफ से दुर्व्यवहार करने के बाद उसने ईसीजी मशीन तोड़ दी। सूचना पर पुलिस ने हस्तक्षेप के बाद मामला शांत कराया।

जानकारी के अनुसार विजय नगर निवासी एक मरीज को रविवार शाम आंबेडकर अस्पताल लाया गया था। जहां प्राथमिक जांच के बाद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पिता की मृत्यु की सूचना पर पुत्र मनोज सिकदार आपा खो बैठा और उसने आपात चिकित्सा कक्ष में मौजूद चिकित्सकीय स्टाफ से बदतमीजी शुरू कर दी। इसके बाद वह बाहर निकला और ईसीजी मशीन को नुकसान पहुंचा दिया। घटनास्थल पर मौजूद गार्ड ने उसे रोका और सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने उसे पकड़ लिया। बाद में मामले की नजाकत को समझते हुए दोनों पक्षों के बीच समझौता करा दिया गया।

मौदहापारा थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में किसी तरह की शिकायत नहीं की गई है।

■ बीज निगम ने कहा- दोनों किस्म के बीजों की कमी नहीं

सोसायटियों में नहीं मिल रहे स्वर्णा-महामाया धान के बीज

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मानसून शुरू होने के बाद किसान अपने खेतों में धान उगाने की तैयारी में हैं, लेकिन किसानों की शिकायत है कि सोसायटियों में उन्हें स्वर्णा और महामाया किस्म के धान के बीज नहीं मिल रहे हैं। रायपुर जिले में यह शिकायत धरसींवा और तिल्दा क्षेत्र के किसानों की ओर से आई है, जबकि बीज निगम के अधिकारियों का कहना है कि पिछले साल की तुलना में ढाई गुना अधिक बीजों का भंडारण किया गया है। इन दोनों प्रकार के बीजों की कोई कमी नहीं है।

धरसींवा-तिल्दा क्षेत्र के किसानों से मिली जानकारी के अनुसार उनके क्षेत्र की सोसायटियों में स्वर्णा और महामाया किस्म के धान के बीज सोसायटियों में उपलब्ध नहीं हैं। महामाया एक मोटे किस्म का धान का बीज है, स्वर्णा भी मोटे किस्म के धान बीज की श्रेणी में आता है, लेकिन इसक चावल कुछ पतला होता है। किसानों का ये कहना भी है कि सही समय पर धान बीज का परिवहन न होने के कारण ये स्थिति बनी है। मानसून सीजन की शुरुआत में दो बार से अधिक बारिश होने के बाद किसान अब धान बोने की तैयारी में हैं, लेकिन पसंद का बीज नहीं मिलने से परेशानी हो रही है।

धरसींवा और तिल्दा क्षेत्र के किसानों को नहीं मिल रहे बीज

अभनपुर क्षेत्र में उपलब्ध बीज

धान बीज की उपलब्धता के संबंध में जानकारी लेने अभनपुर क्षेत्र की तोरला सोसायटी से संपर्क किया गया तो जानकारी मिली कि वहां स्वर्णा और महामाया किस्म के धान बीज उपलब्ध हैं। अधिकांश किसान ये धान बीज ले जाकर बुआई भी कर चुके हैं। अभी भी तोरला सोसायटी में 15 क्विंटल महामाया और 35 कट्टा स्वर्णा के बीज उपलब्ध हैं। सोसायटी वाले बीज के उठाव के लिए किसानों के इंतजार में हैं। दूसरी ओर बीज निगम के अधिकारियों का कहना है कि स्वर्णा और महामाया किस्म के धान बीजों की कोई कमी नहीं है। पिछले साल की तुलना में ढाई गुना अधिक भंडारण सोसायटियों में किया जा चुका है। बीज निगम के एक अधिकारी ने ये भी कहा कि किसी भी किसान को इन दोनों किस्मों के धान बीज चाहिए तो वे बीज निगम से संपर्क कर ले सकते हैं।

बैज बोले- पीएम आवास पर श्वेतपत्र जारी करे सरकार

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, साय सरकार 18 लाख आवास पर श्वेत पत्र जारी करे। भाजपा सरकार बनने के बाद 18 लाख आवास स्वीकृत होने का दावा किया गया था, जबकि 18 लाख आवास में से अब तक एक भी आवास स्वीकृत नहीं हुआ है। सरकार ने गरीबों को आवास देने के नाम से धोखाधड़ी की है। जो भी आवास बने हैं और जो बन रहे हैं, वे कांग्रेस सरकार के दौरान स्वीकृत हुए थे। केंद्र की मोदी सरकार ने छत्तीसगढ़ सरकार के प्रधानमंत्री आवास के मकानों की संख्या को स्वीकृति ही नहीं दी है।

■ भाजपा सरकार आने के बाद हितग्राहियों को एक रुपए भी नहीं दिया गया

उन्होंने कहा, कांग्रेस मांग करती है कि सरकार के दावों में सच्चाई है तो स्वीकृत आवासहीनों के नाम सार्वजनिक किए जाएं। केंद्र सरकार बताए कि 18 लाख आवासों में से कितने स्वीकृत किए गए हैं। प्रधानमंत्री आवास का दावा करने वाली भाजपा सरकार ने अभी तक किसी हितग्राही के खाते में एक रुपए भी नहीं डाला है। पूर्ववर्ती कांग्रेस की भूपेश सरकार ने आवासहीनों के खाते में पहली किस्त डाली थी। उसके बाद भाजपा सरकार ने एक भी रुपए नहीं भेजा है। पीएम आवास योजना 2015 में लागू हुई, तब केंद्र और राज्य दोनों जगह बीजेपी की सरकार थी। छत्तीसगढ़ के लिए कुल 18 लाख आवास का लक्ष्य तय किया गया था।

प्रयास आवासीय विद्यालयों की प्रवेश परीक्षा 21 जुलाई को

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा संचालित प्रयास आवासीय विद्यालयों की कक्षा 11वीं में प्रवेश के लिए परीक्षा रविवार 21 जुलाई को सुबह 11 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक विभिन्न परीक्षा केंद्रों में आयोजित की जाएगी। परीक्षा में शामिल होने इच्छुक एवं पात्र विद्यार्थी 8 जुलाई तक पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के आयुक्त के अनुसार, छत्तीसगढ़ शासन का प्रयास आवासीय विद्यालय योजना महत्वकांक्षी योजना है। योजना का उद्देश्य नक्सल प्रभावित जिले एवं आदिवासी उपयोजना क्षेत्र में स्थित शासकीय एवं अशासकीय शालाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करना है।

विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थाओं में प्रवेश के लिए प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफल होने के लिए प्रारंभ से ही विशेष कोचिंग के माध्यम से तैयार कर सक्षम बनाया जाता है।

148 सीटें खाली

प्रयास आवासीय विद्यालयों से प्रत्येक वर्ष बड़ी संख्या में विद्यार्थी चयनित होकर उच्च संस्थानों में प्रवेशित होते हैं। राज्य में 9 प्रयास आवासीय विद्यालय संचालित हैं। इन विद्यालयों में कक्षा 11वीं में विभिन्न जाति वर्ग समूह अंतर्गत 148 सीटें रिक्त हैं। रिक्त सीटों पर प्रवेश प्राक्चयन परीक्षा के माध्यम होगा। प्रवेश परीक्षा का प्रश्नपत्र कक्षा 10वीं स्तर का होगा। परीक्षा में शामिल होने के लिए कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक या समकक्ष ग्रेड से उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

■ एनजीटी की गाइड लाइन का किसी भी जिले में नहीं हो रहा पालन

दो किमी दूर का नियम, पर नदी से 500 मीटर के भीतर ही कर रखा रेत का भंडारण

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

एनजीटी की गाइड लाइन के अनुसार रेत का भंडारण नदी से दो हजार मीटर दूर किया जाना है, लेकिन इस नियम का भी जिले की खदानों में पालन नहीं किया जा रहा है। ठेकेदार और माफिया के गुर्गों ने नदी के 500 मीटर के अंदर ही रेत का जगह-जगह भंडारण कर दिए हैं। इनमें ज्यादातर अवैध रूप से किए गए भंडारण है। कई जगह तो पहाड़ के रूप में भंडारण दिख रहे हैं। खनिज विभाग की टीम लगातार इन खदानों का निरीक्षण करने का दावा करती है। ऐसे में नियम विरुद्ध व अवैध रूप से किए गए रेत के भंडारण पर कार्रवाई नहीं करना, कहीं न कहीं विभाग के अधिकारी व निरीक्षण टीम भी सवालों के घेरे में है। खदानों पर 15 जून से रेत उत्खनन पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद हरिभूमि की टीम ने रेत खदानों की पड़ताल की थी। इस दौरान कई खदानों में ठेकेदार और माफिया के गुर्गे प्रतिबंध के बावजूद रेत का उत्खनन व परिवहन करते मिले। इस पड़ताल के दौरान कई खदानों में नदी से 500 मीटर की दूरी पर रेत के जगह-जगह भंडारण भी मिले थे, जिसे ठेकदार और माफिया के गुर्गों ने बारिश के सीजन को देखते हुए किया था।

अवैध भंडारण पर होती है कार्रवाई

शिकायत मिलने पर अवैध रेत भंडारण पर भी कार्रवाई की जाती है। जिले में कहीं-कहीं कार्रवाई की गई है। इस मामले में भंडारण करने वालों का पता लगाकर उन पर जुर्माना लगाया जाता है। नदी किनारे अवैध भंडारण की शिकायत नहीं मिली है।

- *केके गोलघाटे, उप संचालक, खनिज विभाग*

इन जगहों पर हैं रेत के अवैध भंडारण : आरंग क्षेत्र के राटाकाट, बेनीडीह, पारागांव, कुम्हारी सहित अन्य खदानों के पास नदी के 500 मीटर दूरी पर जगह-जगह कई जगह पर रेत के अवैध भंडारण है। इसके अलावा नदी से लगे आसपास के गांव के खाली जमीनों पर भी कई जगह पर रेत के पहाड़नुमा भंडारण हैं। विभागीण सूत्रों के अनुसार जिले में रेत भंडारण के लिए सिर्फ 14 जगहों पर ही अनुमति दी गई है, जबकि सैकड़ों जगह पर अवैध रूप से भंडारण है।

बारिश में धीरे धीरे बह गई

बारिश का सीजन शुरू हो गया है। ऐसे में जिले में कुछ जगहों पर तहसील और विभाग स्तर की कार्रवाई के दौरान रेत का अवैध भंडारण मामले में कार्रवाई की गई है। कार्रवाई के बाद भंडारण रेत अभी भी उसी जगह पर डंप है। बारिश होने पर भंडारण रेत धीरे-धीरे बारिश के पानी के साथ बह भी जाती है। इसका फायदा माफिया उठा सकता है। रेत को यहां से गायब कर बारिश के पानी में रेत बह गई इसका बहाना भी बनाया जा सकता है। इस बहाने का फायदा विभाग के अधिकारी भी उठा सकते हैं, क्योंकि कार्रवाई के बाद अधिकारी डंप रेत को देखने तक नहीं जाते हैं।

हरिभूमि
रायपुर, सोमवार 24 जून 2024
लाइव
Email id- zindgi.live.hb@gmail.com
0771- 4242222, Message at - 9630172937

02

भावी शिक्षकों से पूछा-का बरखा जब....

आराधना

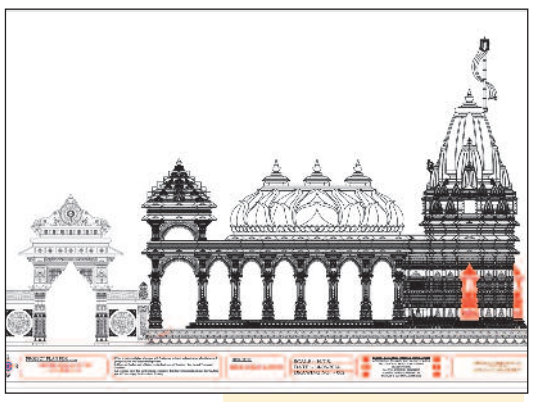

अभिनंदन स्वामी जिनालय के भूमि पूजन में 1000 किमी पैदल विहार कर पहुंचेंगे जैन मुनि

रायपुर। श्री शांतिकल्याण मूर्तिपूजक श्वेतांबर जैन ट्रस्ट के द्वारा आम्रपाली सोसायटी के पास, पचपेढ़ी नाका में नूतन श्री अभिनंदन स्वामी जिनालय एवं उपाश्रय निर्माण किया जा रहा है। पूज्य पंन्यास श्रमणतिलक विजय जी आदि ठाणा की निश्रा में तीन दिवसीय महोत्सव का आयोजन किया गया है। इस विषय पर रूपचंद ललवानी और मल्लीचंद बैद ने बताया, पूज्य पंन्यास लगभग 1000 किमी पैदल विहार कर 25 जून को रायपुर पधारेंगे। 25-26 जून को सदर बाजार में स्थिरता रहेगी। 27 जून को आम्रपाली सोसायटी के पास महोत्सव स्थल में प्रवेश होगा।

गुजरात से प्राप्त हुई प्रतिमा

अति प्राचीन अभिनंदन स्वामी भगवान की प्रतिमा राधनपुर गुजरात के संघ से प्राप्त हुई है। 28 जून को इसकी चल मंदिर में प्रतिष्ठा एवं खनन मुहूर्त के आदेश दिए जाएंगे। 29 जून को पूज्य श्री की निश्रा में विधिकारक श्री हुकुमचंद मुणोत, खैरागढ़ वालों द्वारा कार्यक्रम संपन्न करवाया जाएगा। इस कार्यक्रम को लेकर स्थानीय जैन समाज में अत्यंत हर्षोल्लास छाया हुआ है। पूज्य पंन्यास जी का चातुर्मास भगवान महावीर स्वामी जिनालय न्यू राजेंद्र नगर में होने वाला है। चातुर्मास प्रवेश 12 जुलाई को होगा। ट्रस्ट के अध्यक्ष धर्मराज बेगानी एवम अजय कनुगा ने सभी से चातुर्मास में जुड़ने का आह्वान किया है।

● दिनभर हुई बारिश से शहर में रेनकोट और छाते की बिक्री हुई दोगुनी

आषाढ़ का पहला दिन...बूंदों ने बदली राजधानी की फिजा, लौटी राहत भरी शाम, घाट पर रौनक

“ जेठ माह क तपन भरी गर्मी के बाद रविवार से आषाढ़ मास की शुरुआत हो गई। इसके साथ ही शहर का नजारा भी बदल गया। तेज गर्मी के बीच बारिश की रिमझिम फुहारों ने रविवार की सुबह लोगों को बड़ी राहत देते हुए ठंड का अहसास करा दिया। बारिश के कारण मौसम सुहाना हो गया, जिसे बच्चों से लेकर युवाओं तक ने अपने अंदाज में खास बनाया।

रायपुर। सुबह रिमझिम बारिश के वजह से सड़कों पर लोग कम निकले, लेकिन जैसे ही शाम हुई हुई बाजार से लेकर मैदान, गार्डन और कैफे समेत मंदिरों में रौनक बढ़ गई। इन जगहों पर दोस्तों व परिवार के साथ बड़ी संख्या में मौसम का लुत्फ उठाने लोग पहुंचे। बाजार में बारिश से ही रेनकोट और छाते की बिक्री दोगुनी हो गई। बारिश थमने के बाद बाजार में खरीदारी करने वालों की संख्या बढ़ गई। स्कूली बच्चों के साथ नौकरी पेशे से जुड़े लोगों ने रेनकोट अधिक खरीदा। इसके अलावा छुट्टी के दिन महादेवघाट पर लक्ष्मण झूला और नौका विहार का आनंद लेते दिखाई दिए। देर शाम तक घाट पर रौनक रही। लोगों ने मंदिरों में पहुंचकर दर्शन किए।

महादेवघाट में लौटी रौनक

बीते दिनों तेज गर्मी के कारण महादेवघाट में आने वालों की संख्या घट गई थी, लेकिन रविवार को बारिश के बाद शाम को मौसम सुहाना हो गया, जिसने सभी को आकर्षित किया। मौसम का आनंद लेने बड़ी संख्या में 4 बजे के बाद से ही लोग घाट पर पहुंचने लगे। इस दौरान दोस्तों व परिजनों के साथ पहुंचे लोगों ने नौका विहार का भी लुत्फ लिया। लंबे समय बाद हुई बारिश से घाट पर एक बार फिर से रौनक लौट आई। आकर्षक लाइट और फूलों से सजी नौका के साथ लोगों ने सेल्फी लेकर तस्वीरें कैमरे में कैद की। देर शाम तक घाट पर लोग मौसम का मजा लेते नजर आए।

बरसाती चप्पलों की भी बिक्री

मानसून शुरू होते ही अब बारिश में उपयोग आने वाली चीजों की बिक्री भी शुरू हो गई है। बाजार में इन दिनों बरसाती चप्पलों की बिक्री बढ़ी हुई है। बारिश के बाद शाम को बड़ी संख्या में लोग चप्पल की खरीदारी करने पहुंचे। इसमें भी बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक के लिए कई तरह की वैरायटी आई हुई। खासतौर से महिलाओं के लिए बड़ी रेंज मार्केट में उतारी गई है।

बूढ़ातालाब में भी वॉटरबोट का आनंद

सुबह बारिश होने से ज्यादातर लोग मॉर्निंग वॉक पर गार्डन नहीं पहुंच पाए थे। इस वजह से शाम के वक्त अनुपम गार्डन, गांधी पार्क समेत मोतीबाग गार्डन में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। बच्चे झूले, फिसलपट्टी का आनंद लेते दिखाई दिए। इस दौरान परिवार के साथ लोगों ने अच्छा समय बिताया। दिन को खास बनाने रात के समय मालवीय रोड पर भी रविवार को भीड़ अधिक रही। लोगों ने मौसम के अनुसार विभिन्न चटपटे व्यंजनों का स्वाद लिया। नया रायपुर समेत मरीन ड्राइव और बूढ़ातालाब में भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। लंबे समय बाद दोनों जगहें बारिश के बाद गुलजार हो गईं। बूढ़ातालाब में लोगों ने वॉटरबोट का लुत्फ उठाया तो वहीं मरीन ड्राइव पर युवाओं ने दोस्तों के साथ दिन को खास बनाया।

रेनकोट-छाते की डिमांड तेज

मालवीय रोड के व्यापारी महेंद्र ठक्कर का कहना है कि बारिश नहीं होने से रेनकोट की बिक्री 30 प्रतिशत तक थी, लेकिन रविवार को बिक्री 60 प्रतिशत तक पहुंच गई। पिछली बार जून से बारिश के चलते बाजार में इसकी मांग बढ़ जाती थी। इस बार गर्मी अधिक होने से पहले पखवाड़े में मांग कम रही, लेकिन पहली बारिश से बिक्री का औसत बढ़ता है। उन्होंने बताया कि रेनकोट और छाते के दाम इस बार 20 से 50 रुपए महंगे हुए है, लेकिन इससे बिक्री में ज्यादा फर्क नहीं आया है। पिछले वर्ष 200 रुपए में जो रेनकोट बाजार में आया था, वर्तमान में उसकी कीमत 250 हो चुकी है। इसी तरह 150 का छाता 180 में बिक रहा है।

सिटी इवेंट

पुरातात्विक उत्खनन प्राचीन भारतीय इतिहास को जानने का प्रमुख स्रोत

रायपुर। प्राचीन समय में छत्तीसगढ़ दक्षिण कोसल की राजधानी सिरपुर (श्रीपुर) गरियाबंद जिले के त्रिवेणी संगम पर स्थित राजिम और बेमेतरा जिले में शिवनाथ नदी के तट पर स्थित मदकुद्वीप दुर्ग जिले में खास महत्व रखता है। खारुन के किनारे बसे जमराव और रायपुर जिले में आरंग के समीप स्थित रीवा को प्राचीन गढ़ के रूप में देखा जाता है। पुरातत्त्वीय उत्खनन में भागीदारी और उत्खनन से प्रकाश में आए पुरावशेषों के अध्ययन एवं प्रकाशन का काम निरंतर जारी हैं। प्रदेश ने प्रागैतिहासिक चित्रित शैलाश्रयों के सर्वेक्षण में कई काम किया गया है। छत्तीसगढ़ में उत्खनन के विविध पक्षों पर केंद्रित लगभग दो दर्जन शोध आलेखों का लेखन और प्रकाशन भी हुआ है।

युवा संस्था में प्रतिभागियों को पुरातत्त्ववेत्ता प्रभात सिंह ने दी जानकारी

उत्खनन में प्राप्त सिक्कों, मनके का महत्व

मुख्य वक्ता के रूप में युवा संस्था में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले युवाओं के बीच रविवार को ये बातें छत्तीसगढ़ शासन के पुरातत्त्ववेत्ता प्रभात कुमार सिंह ने कही। वे छत्तीसगढ़ का गौरवशाली इतिहास, नामकरण, पुरातत्व विषय पर बोल रहे थे। पुरातात्विक उत्खनन करने के तरीके और छत्तीसगढ़ के पुरातात्विक स्थलों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सिरपुर, राजिम, रीवा, तरीघाट, मदकुद्वीप, जमराव, पचराही, लीलर में उत्खनन में प्राप्त हुए सिक्कों, मृदभांड, मनके का खास महत्व है। वहीं अन्नागार, निवासस्थल, मूर्तियों, शिलालेख, अभिलेख, स्तंभ लेख के अलावा चीन, रोम जैसे देशों से व्यापार कैसे होते थे, यह जानकारी साझा की।

नागरिक मिलकर संरक्षित कर सकते हैं पुरातात्विक स्थल

उन्होंने पुरातत्व स्थलों के संरक्षण में शासन के साथ ही साथ स्थानीय लोगों की सहभागिता पर जोर देते हुए कहा कि वर्तमान दौर में सहभागिता भी जरूरी है। युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा, स्थानीय लोगों को इसके महत्व के बारे में शिक्षित करके हम अपने पुरातात्विक स्थलों को बेहतर तरीके से संरक्षित कर सकते हैं। इसके लिए कुछ हद तक शासन स्तर पर प्रयास किया जाता है। सेमिनार के अंत में युवा संस्था की सचिव पल्लवी वर्मा ने धन्यवाद प्रेषित किया। इसमें युवा के सदस्यों के अलावा संस्कृति विभाग के अधिकारी भी मौजूद थे।

पुराने व नए छात्रों के मेल-मिलाप की परंपरा महत्वपूर्ण इससे नए विद्यार्थियों को मिलता है ग्रोथ का मौका

रायपुर। हर साल की तरह ही अग्रसेन कॉलेज में पूर्व छात्रों का सम्मेलन (एल्युमिनी मीट) का आयोजन किया गया। इसके चलते पुरानी बस्ती स्थित महाविद्यालय में उत्साह का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर महाराजाधिराज अग्रसेन शिक्षण समिति के कोषाध्यक्ष अजय दानी, सह सचिव डॉ. रविंद्र अग्रवाल के साथ ही अध्यक्ष एवं महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ. वीके अग्रवाल ने एल्युमिनी मीट का शुभारंभ किया। संबोधन में उन्होंने कहा कि कुछ वर्षों से पूर्व छात्रों के सम्मेलन की परंपरा सभी शिक्षण संस्थानों में देखने को मिल रही है। यह एक अच्छी पहल है। इससे नए छात्रों को कॅरियर और रोजगार में भी मदद मिलती है। साथ ही पुराने और नए छात्रों का आत्मीय संबंध भी बनता है।

बना रहता है भावनात्मक लगाव

वहीं वाणिज्य संकाय के एचओडी डॉ. अमित अग्रवाल ने कहा कि इस तरह की पहल से पूर्व छात्रों का कॉलेज से भावनात्मक लगाव बना रहता है। पुराने छात्रों के जुड़ने से नए छात्रों का उत्साह बढ़ता है, उन्हें प्रोत्साहन भी मिलता है। संस्था के लिए भी उपलब्धि है कि यहां नए और पुराने छात्रों के बीच मेल-मिलाप का माहौल बनता है। आज कॉलेज के एल्युमिनी एसोसिएशन के नए पदाधिकारियों के नाम की घोषणा की गई। इनमे रुचि शर्मा, देवेंद्र यादव, रूखमणी अग्रवाल, श्वेता अग्रवाल, देविका परमार, कुलदीप अग्रवाल, नीलू अग्रवाल को नई जिम्मेदारी दी गई।

सार्थक संवाद कायम

प्राचार्य डॉ. युलेन्द्र कुमार राजपूत ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि एल्युमिनी मीट से पूर्व छात्रों का अपने शिक्षकों के साथ नए सिरे से सार्थक संवाद कायम होता है। इस प्रकार के आयोजन से विद्यार्थियों में सामूहिक रूप से रचनात्मक काम करने की ललक पैदा होती है। इस अवसर पर पूर्व छात्रों ने अपने सुझाव देते हुए कॉलेज में अपनी पढ़ाई के दिनों के अनुभव भी साझा किए। कार्यक्रम के समापन पर पत्रकारिता विभाग की एचओडी डॉ. आकांक्षा दुबे ने सभी को सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। वहीं मंच संचालन आईक्यूएसी कोऑर्डिनेटर डॉ. डॉली पाण्डेय ने किया।

400 विद्यार्थियों ने पेश किया अद्भुत योग कौशल

रायपुर। राष्ट्रीय योगाओलंपियाड में छत्तीसगढ़ को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। कर्नाटक के मैसूर में आयोजित इस प्रतियोगिता का समापन रविवार को रखा गया, जहां विजेता टीम को पुरस्कृत किया गया। इन नवमे ओलंपियाड में छत्तीसगढ़ राज्य से 16 विद्यार्थी ने भाग लिया। टीम में रीना बढ़ाई ,पायल निर्मलकर, सुनैना राजभर ,साध्वी निषाद, गीतेश्वर, ऋतिक पटले, लव कुमार, समर्थ पाध्ये, नंदिनी निर्मलकर, खिलेश्वरी वर्मा, पूनम शर्मा, प्रियंका बांधे, मृदुल सिंह ठाकुर, प्रमोद शिवाकर, तेजस पाध्ये, मोहम्मद आसिफ शामिल रहे। मैसूर के क्षेत्रिय शिक्षा संस्थान में इस समारोह के मुख्य अतिथि दिल्ली भारत सरकार के राष्ट्रीय शिक्षा सचिव संजय कुमार रहे। प्रतियोगिता में पूरे भारत वर्ष से सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेश केन्द्रीय विद्यालय संगठन, विद्या भारती से 400 विद्यार्थियों ने भाग लिया ।

प्रमुख मंदिरों में परंपरा निभा रहे हैं पुजारी व सेवक, भक्तों को प्रसाद में मिलेगा काढ़ा

गर्भगृह में नहीं, 14 दिन विश्राम कक्ष में रहेंगे भगवान जगन्नाथ, 10 औषधियों से तैयार काढ़े का 25 को लगेगा भोग

कार्नर न्यूज

रायपुर। आस्थावान भक्तों के इकलौते भगवान जगन्नाथ ही ऐसे आराध्य हैं, जो स्नान पश्चात बीमार पड़ते हैं। भक्तों के भाव में वे स्नान पूर्णिमा के दिन अधिक स्नान करने की वजह से सामान्य व्यक्ति की तरह ही बीमार भी होते हैं। ऐसी स्थिति जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र भक्तों से 14 दिनों तक नहीं मिलते और ज्वर (बुखार) के प्रभाव की वजह से वे गर्भगृह की बजाय विश्राम कक्ष में एकांतवास के लिए चले जाते हैं। इस स्थिति में जिस प्रकार से परिवार में किसी के बीमार होने पर उनकी सेवा की जाती है, ठीक उसी प्रकार अब भगवान की सेवा मंदिर के पुजारियों और सेवकों के द्वारा 6 जून तक की जाएगी। इस परंपरा का निर्वहन रविवार से पुरानीबस्ती स्थित टूरी हटरी, गायत्री नगर और सदर बाजार स्थित प्राचीन जगन्नाथ मंदिर में प्रारंभ हुआ।

आज बाजार से लाएंगे औषधि

टूरी हटरी स्थित जगन्नाथ मंदिर के पुजारी तिलक दास ने बताया कि जिस प्रकार से किसी के बीमार होने पर वैद्य औषधि बताते हैं। उसे बाजार से लाने के बाद कूटने और दवा तैयार करने का उपक्रम किया जाता है, उसी प्रकार बाजार से औषधि लाएंगे। उसे तैयार करने के बाद मंगलवार की सुबह औषधिय काढ़े का भोग लगाया जाएगा। वहीं सदर बाजार में भगवान की सेवा एवं पूजा का विधान विश्राम कक्ष में ही किया जा रहा है। पं. मोहित पुजारी ने बताया कि नेत्र यात्रा के बाद भक्त भगवान का दर्शन लाभ ले सकेंगे, इस बीच पट बंद हैं।

इन औषधियों से बनेगा काढ़ा

जगन्नाथ मंदिरों में मंगलवार से भगवान को अलग-अलग तरह की औषधियों से उपचार किया जाएगा। वैद्य के मार्गदर्शन में जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र को प्रतिदिन सुबह और शाम को बेल छाल, सोनापाठा, गम्भारी, पाटला व अरणी छाल को कुटने के बाद औषधि तैयार की जाएगी। शालपर्णी, पुष्ठपर्णी, बड़ी, छोटी कटेली और गोखरु से तैयार की गई औषधि का भोग लगाया जाएगा। मंदिरों में आने वाले श्रद्धालुओं को भी सुबह-शाम प्रसाद स्वरूप काढ़ा अर्पित किया जाएगा। यह प्रक्रिया नेत्र यात्रा से पहले तक की जाएगी।

अब जगन्नाथ नहीं देंगे दर्शन

गायत्री नगर स्थित जगन्नाथ मंदिर के संस्थापक अध्यक्ष पुरन्दर मिश्रा ने बताया, विश्राम कक्ष में जाने की वजह से अब रथ यात्रा के दिन ही भगवान भक्तों को दर्शन देंगे। इसके चलते अभी मंदिरों में परंपरा के तहत दो बार आरती व पूजा होगी। 25 जून को सुबह वैद्य द्वारा बताई गई औषधि को मंगाने के बाद उससे औषधि एवं काढ़ा तैयार किया जाएगा। 6 जून तक आने वाले भक्तों को इसे ही प्रसाद स्वरूप देने की परंपरा इस बार भी निभाई जाएगी। 14 दिनों तक भगवान की सेवा पुजारियों एवं सेवकों के द्वारा हर साल की जाती है।

सिटी लाइव

भावनाओं की कम शब्दों में अभिव्यक्ति ही कविता

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्वाभिमान संस्थान छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड 'चंद्रयान 3 विश्व कीर्तिमान' का विमोचन समारोह वृंदावन हॉल रायपुर, छत्तीसगढ़ में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में डॉ. लूनेश कुमार वर्मा की चार पुस्तकों का एक साथ विमोचन संपन्न हुआ। इससे पूर्व 'मोहनदासः' नाम से उनकी संस्कृत अनूदित पुस्तक प्रकाशित हो चुकी है। वर्तमान में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छछानपैरी में व्याख्याता के रूप में पदस्थ लूनेश की 'तिरिछः' (संस्कृत अनुवाद), हिंदी कविता संग्रह 'जीवन एक नदिया है', दो हाइकु संग्रह 'खिलता पुष्प', और 'राम अपने धाम' इन चार पुस्तकों का विमोचन हुआ।

साहित्यकारों ने साझा किए विचार

जीवन एक नदिया है' विविध भावों पर आधारित कविताओं का संग्रह है। 'खिलता पुष्प' और 'राम अपने धाम' ये दोनों हिंदी हाइकु संग्रह है। इनमें विविध भाव बोधों की कम से कम शब्दों में अभिव्यक्त करने का प्रयत्न किया गया है। विशिष्ट अतिथि के रूप में राजेश्री महंत रामसुंदर दास, डॉ. उदय भान सिंह, डॉ. स्नेह लता पाठक, रामेश्वर शर्मा, सुशील त्रिवेदी, शकुंतला तरार, डॉ. सोनम राजेश शर्मा, नर्मदा प्रसाद विश्वकर्मा, उर्मिला देवी 'उर्मि', डॉ. आशा आजाद 'कृति' सहित राष्ट्रीय स्तर के अनेक साहित्यकार उपस्थित रहे। विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजे श्री महंत रामसुंदर दास ने कहा कि रचनाकारों को सम्मानित करते हुए स्वयं को सम्मानित अनुभव कर रहे हैं।

कैंपस लाइव

प्रशिक्षण के बाद कड़ी परीक्षा 9 छात्रों को व्हाइट टू यलो बेल्ट

रायपुर। संत ज्ञानेश्वर स्कूल में कराटे का प्रशिक्षण ले रहे नौ बच्चों ने व्हाइट टू यलो बेल्ट टेस्ट पास किया। प्राचार्य मनीष गोवर्धन ने बताया कि स्कूल में प्रशिक्षक मनीष बाघ बच्चों को कराटे सिखा रहे हैं। शहीद संजय यादव गर्वमेंट हाई स्कूल संजय नगर में हुए व्हाइट टू यलो बेल्ट टेस्ट में स्कूल के बच्चों ने अपनी सहभागिता निभाई। स्कूल के नौ खिलाड़ियों ने इसमें बेहतर परफॉरमेंस देते हुए परीक्षा पास की। अब उत्तीर्ण सभी विद्यार्थी यलो बेल्ट धारक हो गए हैं। इनमें खुशी सहारे, गायंद्री डडसेना, सुवर्णा रेगे, वेदांत साहू, अभिषेक साहू, मयंक यादव, सक्षम मनवटकर, संस्कार पटेल और तुषार वर्मा शामिल हैं।

कराटे एक उच्च एरोबिक गतिविधि

व्हाइट बेल्ट (मुक्यू 'नो क्यू') यह एक शुरुआती बेल्ट है, जो कोई प्रगति नहीं होने का संकेत देती है। अंग्रेजी और जापानी संस्कृतियों में, सफेद मासूमियत और पवित्रता का रंग है। सफेद बेल्ट का उद्देश्य जीआई (कराटे पोशाक) को एक साथ पकड़ना और छात्र को कराटे बेल्ट को ठीक से बांधना और पहनना सिखाना है। येलो बेल्ट पहला पूर्ण ग्रेड है। इसमें ग्रेडिंग में भाग लेना और आपके व्हाइट बेल्ट पाठ्यक्रम तकनीकों पर मूल्यांकन किया जाना शामिल है। विशेषज्ञों ने कहा, कराटे एक उच्च एरोबिक गतिविधि है, जो आपके शरीर के लगभग हर मांसपेशी समूह का उपयोग करती है। कराटे के अभ्यास से आपकी सहनशक्ति, मांसपेशियों की टोन, लचीलापन, संतुलन की भावना के साथ ही आपकी समग्र कच्ची ताकत में सुधार होता है।

एजूकेशन अपडेट

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय ने घोषित किए हायर सेकंडरी के नतीजे

रायपुर। राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) द्वारा अप्रैल सेशन में आयोजित हुई कक्षा 12वीं एग्जाम में भाग लेने वाले स्टूडेंट्स के लिए खुशखबरी है। एनआईओएस की ओर से 12वीं कक्षा का रिजल्ट ऑनलाइन माध्यम से घोषित कर दिया गया है। एग्जाम में सम्मिलित होने वाले स्टूडेंट्स ऑफिशियल वेबसाइट **results.nios.ac.in** पर जाकर परिणाम चेक कर सकते हैं। नतीजे चेक करने के लिए आपको एनरोलमेंट नंबर दर्ज करना होगा। एनआईओएस 12वीं का रिजल्ट 2024 चेक करने के लिए सर्वप्रथम ऑफिशियल वेबसाइट पर जाएं। वेबसाइट के होम पेज पर आपको संबंधित लिंक पर क्लिक करना होगा। अब एनरोलमेंट नंबर एवं दिया गया कोड भरकर सब्मिट बटन पर क्लिक करना है। इसके बाद परिणाम स्क्रीन पर ओपन हो जाएगा, जहां से आप इसे चेक करने के साथ ही मार्कशीट की प्रति भी डाउनलोड कर सकते हैं।

30 को बंद होंगे आवेदन पोर्टल

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल ने कक्षा 10वीं, 12वीं बोर्ड की दूसरी बोर्ड परीक्षाओं के लिए परीक्षा फॉर्म भरने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। राज्य सरकार ने फरवरी में एक ही शैक्षणिक सत्र में दो बार मार्च और जुलाई में छत्तीसगढ़ बोर्ड की कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षा आयोजित करने का फैसला किया था। मार्च में बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले छात्र भी दूसरी बार परीक्षा के लिए आवेदन करने के पात्र होंगे। सीजीबीएसई कक्षा 10वीं और 12वीं के छात्रों को सामान्य शुल्क के साथ 30 जून तक परीक्षा फॉर्म जमा करना होगा। हालांकि, जो छात्र समय सीमा से चूक जाते हैं, उन्हें 1 से 2 जुलाई तक विलंब शुल्क के साथ आवेदन करने की अनुमति दी जाएगी। बोर्ड द्वारा कहा गया है, स्वयंपाठी परीक्षार्थियों की प्रैक्टिकल और प्रोजेक्ट परीक्षाएं परीक्षा केंद्र पर ही आयोजित की जाएंगी।

● व्यापम ने रविवार को दो पालियों में आयोजित की शिक्षक पात्रता परीक्षा, पीपीटी के भी पर्चे

भावी शिक्षकों से पूछा-का बरखा जब कृषि सुखाने का अर्थ बहस करने की क्षमता, बच्चे का आईक्यू, संज्ञा और समास

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा रविवार को दो पालियों में शिक्षक पात्रता परीक्षा का आयोजन किया गया। सुबह की पाली में पहली से पांचवीं कक्षा तक शिक्षक बनने पात्रता परीक्षा रखी गई। दूसरी पाली में छठवीं से आठवीं कक्षा तक शिक्षक बनने के लिए पात्रता परीक्षा रखी गई।

पहली पाली में प्राथमिक कक्षा और दूसरी पाली में माध्यमिक कक्षा के लिए पात्रता परीक्षा

व्याकरण के सवाल अधिक

दोनों ही पालियों में 150-150 सवाल पूछे गए। सर्वाधिक सवाल व्याकरण से संबंधित रहे। इसमें संधि, समास, तत्सम, तद्भव, विदेशी शब्द, स्वर संधि, कारक, विश्लेषण, संज्ञा, विराम चिन्ह जैसे प्रश्न रहे। इंग्लिश में पैसेज सहित ग्रामर के सवाल रहे। मुहावरों के अर्थ भी पूछे गए। छत्तीसगढ़ी भाषा के सवाल इसमें शामिल नहीं रहे।

एक्सपर्ट व्यू

एक निजी कोचिंग संस्था के संचालक अंकित अग्रवाल के अनुसार, प्रश्नपत्र औसत रहे। यदि किसी विद्यार्थी ने सालभर पढ़ाई की है, तो वे क्वालीफाई कर सकते हैं। विशेषज्ञ रवि गोयल ने कहा, परीक्षा में एक भी सवाल ऐसा नहीं था, जो विवादित हो या जिसके हटाए जाने की आशंका हो। निगेटिव मार्किंग नहीं थी। सामान्य वर्ग को क्वालीफाई करने के लिए 60 प्रतिशत अर्थात 90 अंक तथा ओबीसी और एसटी-एससी को 50 प्रतिशत अर्थात 75 अंक प्राप्त करने होंगे।

रायपुर। रायपुर में पहली पाली की परीक्षा के लिए 35 केंद्र बनाए गए थे। 12 हजार 402 छात्रों के लिए यह केंद्र बनाए गए थे, लेकिन परीक्षा दिलाने मात्र 7 हजार 336 छात्र अर्थात 59.2 प्रतिशत ही पहुंचे। इसी तरह दूसरी पाली के लिए 77 केंद्र बनाए गए थे। इसके लिए रायपुर में 28 हजार 90 आवेदन किए गए थे। इनमें से 18 हजार 859 ने ही परीक्षा दिलाई। शेष 9238 अनुपस्थित रहे। इस तरह से दूसरी पाली में उपस्थिति का आंकड़ा 67 प्रतिशत रहा। परीक्षा देकर निकले छात्रों के अनुसार, प्रश्नपत्र औसत रहा। हालांकि गणित और विज्ञान के कुछ सवालों ने परीक्षार्थियों का अधिक समय लिया। भाषा के अंतर्गत हिंदी के सवाल सरल रहे, जबकि इंग्लिश के कई सवालों ने परेशान किया। बैंकिंग मॉडल सहित कई टॉपिक के सवाल दोनों ही पालियों में पूछे गए। देर शाम तक किसी तरह का नकल प्रकरण दर्ज नहीं किया गया।

पीपीटी में सबसे कम रही उपस्थित

शिक्षक पात्रता परीक्षा के साथ ही व्यापम ने रविवार को प्रवेश परीक्षा भी आयोजित की। प्री पॉलिटेक्निक टेस्ट का आयोजन प्रदेश के 32 जिलों में किया गया था। इसके लिए 32 हजार 875 छात्रों ने आवेदन किया था। इनमें से 32.87 प्रतिशत छात्र ही आवेदन दिलाने के लिए पहुंचे रहे। 23 जून को हुई व्यापम की परीक्षा में सबसे कम उपस्थिति इसमें ही रही। राजधानी में इसके लिए 6 केंद्र बनाए गए थे। राजधानी के 2 हजार 441 छात्रों ने पीपीटी में शामिल होने आवेदन किया था। इनमें से 787 छात्रों ने ही परीक्षा दिलाई, जबकि 1654 छात्र अनुपस्थित रहे। इस तरह रायपुर में भी परीक्षा में शामिल छात्रों का प्रतिशत 32.2 प्रतिशत रहा। इसके माध्यम से पॉलिटेक्निक कोर्स में छात्रों को दाखिले मिलेंगे।

पहली से पांचवीं कक्षा के शिक्षकों से पूछे गए ये सवाल

- बालक का विकास कब प्रारंभ होता है?
- तर्क, जिज्ञासा और निरीक्षण शक्ति का विकास कब होता है?
- व्यक्तिगत मनोविज्ञान का जन्मदाता कौन है?
- शारीरिक वृद्धि पर कौन सी ग्रंथि प्रभाव डालती है?
- सीखने के लिए क्या आवश्यक है?
- किशोरवस्था का काल कौन से वर्ष तक होता है?
- मनुष्य में विकास कब तक होता है?
- रचनात्मकता किससे साथ जुड़ी होती है?
- घोड़ा शब्द का पर्यायवाची क्या है?
- हिंदी भाषा की कक्षा के लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण क्या है?
- वंचित पृष्ठभूमि के बच्चों की जरूरतों को पूरा करने के लिए शिक्षक को क्या करना चाहिए?

ऐसे रहे राज्यवार उपस्थिति के आंकड़े

- प्राथमिक कक्षा की शिक्षक पात्रता परीक्षा के लिए 1 लाख 87 हजार 414 आवेदन मिले थे। इनमें से 65.2 प्रतिशत ने ही परीक्षा दिलाई।
- माध्यमिक कक्षा की शिक्षक पात्रता परीक्षा के लिए 2 लाख 95 हजार 68 आवेदन मिले थे। इनमें से 67.81 प्रतिशत ने ही परीक्षा दिलाई।

छठवीं से आठवीं कक्षा के शिक्षकों से पूछे गए ये सवाल

- अन्य व्यक्ति की मदद करने की प्रक्रिया को क्या कहते हैं?
- व्यक्तिगत भिन्नताओं को पूरा करने में शिक्षक की क्या भूमिका होती है?
- बहुसांस्कृतिक कक्षा का मूल्यांकन किस तरह से किया जाता है?
- छात्रों की बहस करने की क्षमता का आकलन कैसे करेंगे?
- उम्र और कक्षा के आधार पर बच्चे का आईक्यू कैसे ज्ञात करेंगे?
- स्मृति में सुधार कैसे कर सकते हैं?
- बच्चे की बुद्धि एवं विकास का अध्ययन करते की विधि कौन सी है?
- विशिष्ट शिक्षा का विकास कब हुआ था?
- प्रतिभाशाली बालक की पहचान क्या है?
- पर्यावरण अध्ययन पढ़ाने के लिए आवश्यक उद्देश्य कौन से हैं?
- सीखना क्या है? इसका क्या अर्थ है?
- झुंड के झुंड विद्यानुरागी लंबी यात्राएं करके भारत क्यों आते थे?

बड़े शहर ही नहीं, बल्कि छोटे शहरों में भी बढ़ रही इंफर्टिलिटी की समस्या

रायपुर में 40% महिलाओं में हार्मोनल विकार, 50% पुरुषों में शुक्राणु अस्वस्थ

रायपुर। इनफर्टिलिटी जागरूकता माह के अवसर पर वॉकथॉन का आयोजन किया गया। नोवा आईवीएफ फर्टिलिटी द्वारा मरीन ड्राइव में इस कार्यक्रम का आयोजन रविवार को किया गया। इसका उद्देश्य इनफर्टिलिटी अर्थात बांझपन से संबंधित भ्रांतियों को दूर करना एवं इसके बारे में खुली बातचीत को बढ़ावा देना था। इसका कार्यक्रम का उद्घाटन डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस ललिता मेहर और फर्टिलिटी स्पेशलिस्ट डॉ. पौलमी डे द्वारा किया गया। इसमें इनफर्टिलिटी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 80 से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया।

लोगों को जागरुक करने वॉकथॉन चिकित्सक हुए शामिल

डॉ. पौलमी डे ने कहा, इनफर्टिलिटी की समस्या केवल बड़े शहरों में ही नहीं, बल्कि छोटे शहरों में भी फैल रही है। रायपुर में 35-40% महिलाओं में पीसीओएस (हार्मोनल विकार) है। 50% पुरुषों में शुक्राणु अस्वस्थ हैं। बढ़ती इनफर्टिलिटी का मुख्य कारण तंबाकू, खासकर गुटखे का उपयोग करना है, जिससे पुरुषों की फर्टिलिटी पर असर पड़ता है। साथ ही, पुरुष बॉडीबिल्डिंग के लिए स्टेरॉयड का उपयोग भी करते हैं, जिससे उनकी फर्टिलिटी कम हो जाती है। इस वॉकेथॉन द्वारा हम लोगों को इनफर्टिलिटी के बारे में शिक्षित बनाना चाहते हैं, ताकि दंपति इस मामले में डॉक्टर का परामर्श और सहायता लेने के लिए प्रेरित हों।

पति-पत्नी की साझा समस्या

इनफर्टिलिटी कई कारणों से प्रभावित हो सकती है, जिनमें जीवनशैली, पर्यावरण और मेडिकल समस्याएं शामिल हैं। खराब आहार, व्यायाम की कमी, मोटापा, अत्यधिक मदिरा सेवन और तंबाकू से भी फर्टिलिटी प्रभावित हो सकती है। इनफर्टिलिटी का तुरंत इलाज कराने के महत्व के बारे में डॉ. पौलामी ने बताया, इनफर्टिलिटी बढ़ती जा रही है, इसलिए फर्टिलिटी एक्सपर्ट से मिलना और समय पर इसका इलाज कराना बहुत जरुरी है। अगर संतान पाना चाहते हैं, तो पति-पत्नी दोनों को फर्टिलिटी एक्सपर्ट से मिलकर इनफर्टिलिटी का मूल्यांकन जल्द से जल्द कराना चाहिए। इनफर्टिलिटी की समस्या पति और पत्नी दोनों की एक साझा समस्या है, इसलिए दोनों में आपसी समझ व सहयोग आवश्यक है।

सदाबहार गीतों की महफिल में याद आए किशोर और रफी

रायपुर। जिंदगी की ना टूटे लड़ी.., हम भी है, तुम भी हो.., होश वालो को क्या खबर.., दिल तो पागल... जैसे सदाबहार नगमों की प्रस्तुति ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मौका था विकास म्यूजिक वर्ल्ड म्यूजिकल ग्रुप का संगीत कार्यक्रम का। जहां शहर के संगीत के शौकीन कलाकारों ने हिंदी के पुराने गीतों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में कलाकारों ने रफी और किशोर के सुपरहिट गीतों को अपनी आवाज दी। इस दौरान विजय शर्मा ने जिया जले जान जले.., अमित डागा ने मेरे महबूब कयामत होगी.., मिलिंद माते ने जिंदगी का सफर है... गीतों पर प्रस्तुति देते हुए सभी दिल जीत लिया। तीन घंटे से अधिक चले कार्यक्रम में नए पुराने गीत देर शाम तक सुनने को मिले।

देर रात तक सजी महफिल

कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से कार्यक्रम में समां बांधे रखा। देर रात तक संगीत की महफिल सजी रही। कलाकारों ने फरमाइश गीतों पर प्रस्तुति से श्रोताओं का दिल खुश कर दिया। सदाबहार नगमों में कोई डूबा नजर आया। लोगों प्यार नगमों की प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। सिंगल के बाद समूह बनाकर भी गीतों की प्रस्तुति दी। इसमें संजू और विजेता ने कागज कलम दवात..,विकास और पूनम ने जाने दिल में कब से हैं तू.., एल लूनिया ने जानम देख लो.. की प्रस्तुति से कार्यक्रम में समां बांधा। कार्यक्रम में एलएन लाहोटी, ललित सेठिया, विकास अग्रवाल और मिलिंद माटे समेत समना अवधिया उपस्थित रही।

गोंदवारा में प्रकट उत्सव में उमड़ी भीड़, निशान पूजा में जुटे हजारों

कबीर ने लोगों को प्रेम का पाठ पढ़ाया, उनकी वाणी में जीवन की कला, कुटिया से लेकर राजमहल तक गूंज

कार्नर न्यूज

रायपुर। सतगुरु कबीर प्रकट उत्सव के उपलक्ष्य में गोंदवारा में उत्सव का माहौल रहा। दूर-दराज से आए कबीर पंथ के लोगों ने समिति द्वारा बनाई गई व्यवस्था के तहत आयोजन को उत्सव का रूप देने में कोई कसर नहीं छोड़ी। रविवार को दोपहर 12 बजे दामाखेड़ा से आए डॉ. भानु प्रसाद साहेब ने लोगों की भीड़ के बीच निशान पूजा की। इसके बाद सत्संग का दौर शुरू हुआ। आमीन माता महिला मंडल एवं नवयुवक मंडल के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कबीर प्रकट उत्सव के लिए उन्हें साधुवाद देते हुए कहा कि सद्गुरु की वाणी सबके लिए है और इसमें सबकुछ है। जीवन जीने की कला कबीर के वाणियों में मिलती है। यही वजह है कि गरीब की कुटिया से लेकर राजमहल तक कबीर की वाणी गूंज रही हैं। इस बीच डिप्टी सीएम विजय शर्मा, ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू, पंकज शर्मा कबीर प्रकट उत्सव में शामिल हुए।

सहज, सरल व मृदुभाषी

कबीर प्रकट उत्सव समिति के प्रवक्ता महावीर प्रसाद साहू ने बताया समाज द्वारा अंतिम दिन डिप्टी सीएम विजय शर्मा के साथ ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू और पंकज शर्मा का स्वागत किया गया। संयोजक प्रशांत शर्मा, अध्यक्ष डॉ. केआर साहू सचिव छोटू साहू ने अतिथियों की अगवाई की। इस दौरान बिरगांव निगम के नेता प्रतिपक्ष ओंमप्रकाश साहू भी मंचस्थ थे। डिप्टी सीएम ने कहा, कबीर समाज के लोग सहज, सरल और मृदुभाषी होते हैं। आपके बीच कबीर प्रकट उत्सव में आने का अवसर मिला, यह सौभाग्य की बात है।

महाआरती के बाद समापन

दिनभर चले सत्संग के बाद शाम 7 बजे महाआरती की गई। इसमें हर जिले से आए समाज के लोगों ने भाग लिया। इसे सफल बनाने में समाज की महिलाओं ने अहम जिम्मेदारी निभाई। इसके बाद इस तीन दिवसीय प्रकट उत्सव का समापन किया गया। आयोजकों ने दूर-दराज से आए समाज के लोगों को हर संभव सुविधा देने का प्रयास किया। इसमें हर जिले के पदाधिकारियों ने आयोजन में जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए लोगों को व्यवस्था व सुविधा देने का प्रयास किया।

साहेब का जो आदेश उसे पूरा करेंगे

कबीर पंथ के लोगों ने डिप्टी सीएम के सामने गोंदवारा में जमीन की मांग रखी। इसे संहर्ष स्वीकार करते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि साहेब का जो आदेश होगा, उसे पूरा करेंगे। इस बीच समाज प्रमुखों ने बताया कि शहर में हर समाज के लिए जमीन, भवन की

सुविधा मिल रही है। केवल कबीर समाज के पास ही जमीन नहीं है। अगर शासन से जमीन मिले, तो धार्मिक आयोजनों के लिए बेहतर व्यवस्था लोगों के लिए की जा सकेगी। इस आग्रह को संज्ञान में लेते हुए जल्द ही इस मामले में प्रक्रिया का भरोसा दिलाया।

सिटी स्पोर्ट्स

जिला बैडमिंटन चैम्पियनशिप में जारी है रोमांचक मुकाबले

रायपुर। रायपुर जिला बैडमिंटन संघ द्वारा सप्रे शाला हॉल में आयोजित सब जूनियर एवं जूनियर जिला बैडमिंटन स्पर्धा में दर्शकों को रोमांचक खेल देखने का मौका मिल रहा है।19 वर्ष आयु समूह बालिका वर्ग एकल में तिष्य मुक्ता ने शानवी गुप्ता को 21-7,21-18 से, इशिका पोद्दार ने अपाला दीक्षित को 21-10,21-6 से, सानवी छत्रे ने तेजस्वी सिंह को 21-11-22-20 से और प्रियाल द्विवेदी ने शिखा गौतम को 21-6-21-13 से हराया।13 वर्ष आयु समूह बालिका वर्ग एकल में शानवी गुप्ता ने आरना परसाई को 21-6,21-10 से, संस्कृति शुक्ला ने अलीशा रामटेके को 21-16,21-13 से, समायरा राजपूत ने वंशिका यादव को 21-13,21-13 से और किमाया मुक्ता ने यालिनी आर प्रसन्ना को 21-9,21-14 से हराया।11 वर्ष आयु समूह बालिका वर्ग एकल में समायरा राजपूत ने मिहिका राठी को 21-15,21-2 से, ओविया गुप्ता ने मेहर कौर खालसा को 21-3,21-4 से, ख्वाहिश जसवानी ने यति जैन को 21-7,21-3 से और वंशिका यादव ने अनहिता यश को 21- 5,21-8 से हराया।बालक वर्ग क्वार्टर फाइनल दौर के परिणाम के अंतर्गत 19 वर्ष आयु समूह बालक वर्ग एकल में चिराग छत्रे ने आरुष सचदेव को 21-13,21-5 से, श्रेयांश विक्रम पाठक ने बनाम श्रेयश पवार को 21-17,21-16 से, निक्षय पटेल ने समर्थ उइके को 26-24,26-28,21-10 से औरओम बसाक ने नैतिक साहू को 21-16,21-18 से हराया।13 वर्ष आयु समूह बालक वर्ग एकल में अरहान खान ने शिवांश सिन्हा को 21-8,21-6 से,कृषव भटनागर ने समर्थ सचदेव को 21-16,21-15 से, शाश्वत श्री मिश्र ने अभिमन्यु सिंह को 21-16,21-14 से और तक्ष घोंगाड़े ने आर्यब माणिक को 21-3,21-6 से हराया।11 वर्ष आयु समूह बालक वर्ग एकल में शाश्वत श्री मिश्र ने शारव सराफ को 21-13,21-5 से, राघव ठाकुर ने उत्कर्ष ढोलकिया को 21-19,21-23,21-9 से, अदवे सिंघल ने श्यामल कृष्ण तिवारी को 18-21,21-10,21-8 से, आरव कुमार ने पंसुल सेठी को 21-16,18-21,21-15 से हराया।

दीपांशी ने प्रतिष्ठित ब्रिक्स गेम्स तलवारबाजी में जीता कांस्य पदक

रायपुर। ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका (ब्रिक्स देशों) के ब्रिक्स गेम्स 2024 में छत्तीसगढ़ की दीपांशी ने तलवारबाजी में कांस्य पदक हासिल किया है। ब्रिक्स खेलों का 2024 संस्करण 11 से 24 जून तक रूस के कज़ान में आ यो जि त है।छत्तीसगढ़ की तलवारबाज दीपांशी नेताम भारतीय फॉयल टीम का हिस्सा हैं, जिन्होंने टीम इवेंट में कांस्य पदक जीता। खेल के प्रति लंबे समय की कड़ी मेहनत और समर्पण के बाद उन्होंने भारतीय फेंसिंग टीम के हिस्से के रूप में अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपना पहला पदक जीता। छत्तीसगढ़ फेंसिंग एसोसिएशन के महासचिव बशीर अहमद खान, अन्य सदस्यों रामप्रताप गुप्ता, देबतोष कर, अखिलेश दुबे, निखिल जाम्बुलकर, वी जॉनसन सोलोमन, प्रवीण कुमार और मोहनीश वर्मा ने इस उपलब्धि पर हर्ष जताया है।

मेजर लीग बेसबॉल में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने बनाई जगह

रायपुर। मेजर लीग बेसबॉल एमएलबी कप बेंगलुरु पदुकोण द्रविड़ क्रिकेट अकादमी में 19 से 24 जून तक बेंगलुरु सिटी में आयोजित हो रही है। इस चैम्पियनशिप में देश भर से 16 टीमें भाग ले रही है। रविवार को हुए मुकाबले मे छत्तीसगढ़ से गई बिलासपुर ब्रेवर्स टीम का पहला मैच पुणे एस्ट्रोस के साथ हुआ। जिसमे बिलासपुर ब्रेवर्स को हार का सामना करना पड़ा। मैच का स्कोर 07 – 22 रहा।टीम का दूसरा मैच दिल्ली डोजर्स के साथ खेला गया दूसरे मैच मे बिलासपुर ब्रेवर्स ने शुरुवात से ही बढ़त बनाई रखी जिसके चलते मैच को 18 – 07 से जीता और तीसरा मैच बेंगलुरु कार्डिनल्स के साथ रहा। उसमे भी बिलासपुर ब्रेवर्स ने मैच को पहले इनिंग से ही अपने पाले मे रखा जिससे आखिरी इनिंग मे बिलासपुर ब्रेवर्स ने मैच को 18 – 04 के लम्बे डिफरेन्स से जीता।राउंड 1 का मैच समाप्त हुआ और बिलासपुर ब्रेवर्स अगले राउंड मे अपनी जगह 5 वे नम्बर मे बनाई। आगे उनका मुकाबला राउंड 2 मे कल होगा। छत्तीसगढ़ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिलासपुर के व्यायाम शिक्षक अख्तर खान टीम के हेड कोच और लखन लाल देवांगन असिस्टेंट कोच है।

● कम उम्र में भी लोग शिकार हो रहे हड्डियों की कमजोरी के

छींकने-खांसने से टूट जाती हैं हड्डियां, ऐसी स्थितियां बढ़ा सकती हैं ऑस्टियोपोरोसिस का गंभीर खतरा

हड्डियों की कमजोरी अब सिर्फ उम्र बढ़ने के साथ होने वाली समस्या नहीं रही है, कम उम्र के लोग भी इसके शिकार हो रहे हैं। आहार में पोषक तत्वों की कमी और गड़बड़ लाइफस्टाइल के कारण अब समय से पहले हड्डियां कमजोर और खनिज घनत्व में कमी देखी जा रही है। ऑस्टियोपोरोसिस ऐसी है तेजी से बढ़ती हड्डियों की बीमारी है जिसकी शुरुआत 25 की आयु में हो सकती है।

हड्डियों के खनिज घनत्व और द्रव्यमान की कमी के कारण ये इतनी कमजोर हो जाती हैं कि जरा सी चोट या गिरने से भी फ्रैक्चर का खतरा हो सकता है। इतना ही नहीं ऑस्टियोपोरोसिस की गंभीर स्थिति में छींकने-खांसने से भी हड्डियों के टूटने का जोखिम हो सकता है। ऑस्टियोपोरोसिस के कारण हड्डियां कमजोर और भंगुर हो जाती हैं। इसके शिकार लोगों में कूल्हे, कलाई या रीढ़ की हड्डी टूटने का खतरा सबसे अधिक देखा जाता रहा है। पुरुष-महिला दोनों में इसका खतरा देखा जाता रहा है। हड्डियों से संबंधित इस समस्या से बचे रहने के लिए कम उम्र से ही निरंतर प्रयास करते रहना जरूरी है। आइए जानते हैं किन लोगों में इसका खतरा अधिक होता है और इससे बचाव के लिए क्या प्रयास किए जा सकते हैं?

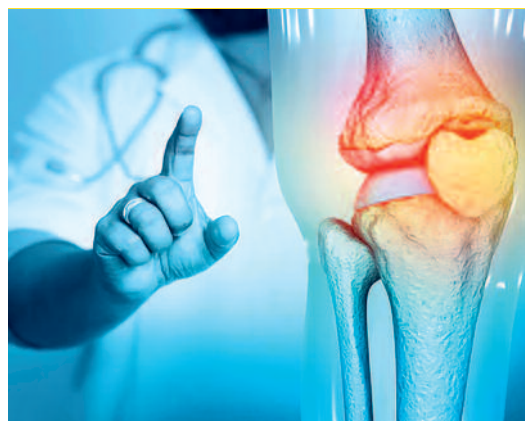

क्यों होती है ये समस्या?

सामान्यतौर पर हमारी हड्डियां लगातार नवीनीकरण की अवस्था में होती हैं। यानी कि हड्डियों के पुराने ऊतक नष्ट होते रहते हैं और नए ऊतकों का निर्माण होता रहता है। हालांकि उम्र बढ़ने के साथ ये प्रक्रिया बाधित होने लग जाती है। ऑस्टियोपोरोसिस की समस्या में ऊतक तो नष्ट होते जाते हैं पर नए ऊतकों का निर्माण नहीं हो पाता है। ऑस्टियोपोरोसिस के लिए कई जोखिम कारक जिम्मेदार हो सकते हैं जिनपर ध्यान देना और बचाव के लिए प्रयास करते रहना आवश्यक माना जाता है।

किन लोगों में इसका खतरा अधिक?

खान-पान में गड़बड़ी के साथ उम्र, पारिवारिक इतिहास और हार्मोनल समस्याओं के कारण ऑस्टियोपोरोसिस होने का जोखिम बढ़ जाता है। अध्ययनों में पाया गया है कि सेक्स हार्मोन की कमी हड्डियों को कमजोर कर देती है। रजोनिवृत्ति के समय महिलाओं में एस्ट्रोजन के स्तर में गिरावट आ जाती है, इसी तरह से प्रोस्टेट कैंसर के उपचार की स्थिति में पुरुषों में टेस्टोस्टेरोन हार्मोन का स्तर प्रभावित हो जाता है। इस तरह की स्थितियां आपमें हड्डियों से संबंधित समस्याओं को बढ़ाने के साथ कई तरह की अन्य विकारों का भी कारण बन सकती हैं।

आहार में गड़बड़ी भी खतरनाक

हड्डियों की दिक्कतों के लिए कैल्शियम की कमी को प्रमुख कारणों में से एक माना जाता है। ऑस्टियोपोरोसिस के विकास में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। आहार में कैल्शियम की कमी हड्डियों के घनत्व को कम करने, हड्डियों को जल्दी क्षति पहुंचाने और फ्रैक्चर के जोखिमों को बढ़ाने वाली मानी जाती है। सेंडेंटरी लाइफस्टाइल (शारीरिक निष्क्रियता) वाले लोगों में भी इसका जोखिम अधिक देखा जाता रहा है।

इन रोगों के शिकार हैं तो भी बरतें सावधानी

ऑस्टियोपोरोसिस का जोखिम कुछ प्रकार की चिकित्सा समस्या वाले लोगों में भी अधिक देखा जाता रहा है। आप भी अगर सीलिएक डिजीज,इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज,किडनी या लिवर रोग और कैंसर,मल्टीपल मायलोमा तथा रूमेटाइड आर्थराइटिस में से किसी रोग के शिकार हैं तो सावधान हो जाएं।

वजन घटाने सीढ़ियां चढ़ें या फिर तेज चलें, क्या है बेहतर

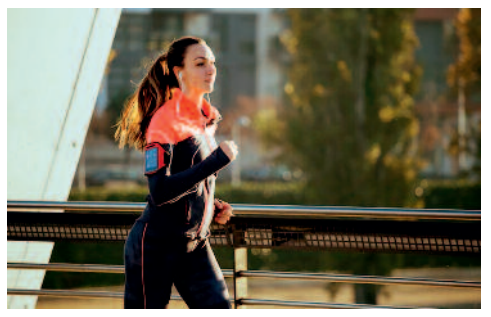

वजन घटाने के लिए हम कई तरह की एक्सरसाइज करते हैं। अतिरिक्त कैलोरी बर्न करने के लिए सीढ़ियां चढ़ना और तेज चाल चलना दोनों ही अच्छा माना जाता है। आज के समय में अधिकतर लोग अपना अतिरिक्त वजन कम करने की जद्दोजहद में जुटे हैं। इसके लिए आपको वर्कआउट को अपने डेली रूटीन का हिस्सा बनाने की जरूरत होती है। यूं तो हर एक्सरसाइज से कुछ हद तक कैलोरी बर्न होती है, लेकिन जल्द और बेहतर रिजल्ट पाने के लिए आप कुछ खास तरह की एक्सरसाइज कर सकते हैं।

कैलोरी बर्न

अगर आप ज्यादा इंटेसिटी के साथ रनिंग करते हैं तो इससे आपकी अपेक्षाकृत अधिक कैलोरी बर्न होती है। उदाहरण के लिए, अगर आप एक घंटे के लिए रनिंग करते हैं तो आपकी स्पीड के अनुसार लगभग 600-1000 कैलोरी बर्न हो सकती है। वहीं, सीढ़ियां चढ़ने से आपको रनिंग की तुलना में प्रति मिनट कम कैलोरी बर्न होती है, लेकिन फिर भी यह बहुत प्रभावी हो सकता है। मसलन, अगर आप एक घंटे सीढ़ियां चढ़ते हैं तो इससे 500-600 कैलोरी बर्न हो सकती है।

मसल्स पर प्रभाव

जब आप रनिंग करते हैं तो उस समय मुख्य रूप से पिंडली, क्वाड्रिसेप्स, हैमस्ट्रिंग और ग्लूट्स सहित शरीर के निचले हिस्से की मसल्स टारगेट होती है। रनिंग करते हुए एक हद तक कोर भी एंगेज होता है। वहीं, सीढ़ियां चढ़ते हुए

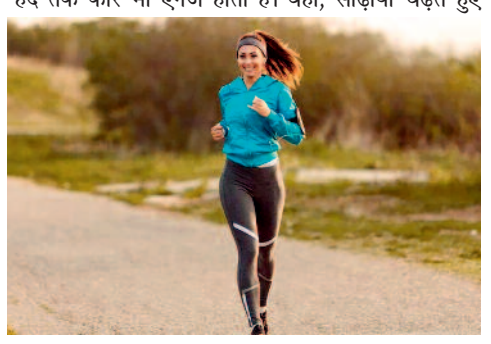

आपके ग्लूट्स, क्वाड्स और पिंडलियों की एक्सरसाइज होती है। इसमें बैलेंस और स्टेबिलिटी के लिए कोर मसल्स भी एंगेज होती है। लोअर बॉडी मसल्स को स्ट्रेंथन करने के लिए सीढ़ियां चढ़ना अधिक प्रभावी माना जाता है।

ज्वॉइंट हेल्थ पर प्रभाव

रनिंग एक हाई इंपैक्ट वर्कआउट है, इसलिए इससे समय के साथ जोड़ों की समस्याएं या चोट लग सकती हैं जैसे कि पिंडली में मोच, घुटने में दर्द या कूल्हे की समस्याएं हो सकती हैं। वहीं सीढ़ियां चढ़ने को रनिंग की तुलना में लो इंपैक्ट माना जाता है। यह घुटनों और जोड़ों पर कम तनाव डालता है। लेकिन फिर भी यह एक अच्छा कार्डियोवैस्कुलर वर्कआउट है।

वेट लॉस के लिए क्या है बेहतर

अब सवाल यह उठता है कि वेट लॉस के लिए क्या बेहतर है। यूं ता दोनों ही एक्सरसाइज वजन घटाने के लिए अच्छी हैं, लेकिन प्रति मिनट अधिक कैलोरी बर्न करने के कारण रनिंग करना थोड़ा अधिक बेहतर माना जाता है। हालांकि, सीढ़ियाँ चढ़ना शरीर के निचले हिस्से की ताकत बढ़ाने के लिए ज़्यादा प्रभावी हो सकता है और यह जोड़ों पर भी अतिरिक्त दबाव नहीं डालता है।अगर आप वजन कम करने के साथ-साथ ओवर ऑल हेल्थ पर पॉजिटिव असर डालना चाहते हैं तो ऐसे में आप दोनों ही एक्सरसाइज को अपने डेली रूटीन का हिस्सा बनाएं।

29 दिनों तक चलेगा सावन का महीना होंगे कुल पांच सावन सोमवार

इस साल कब से सावन का महीना शुरू हो रहा है,सावन सोमवार की तिथियां कब-कब हैं और पूजा विधि के बारे में।

सावन माह कब से कब तक: वैदिक पंचांग के अनुसार इस वर्ष सावन का पवित्र महीना 22 जुलाई से आरंभ हो रहा है और इसका समापन 19 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा पर होगा।

सावन शिवरात्रि 2024 कब: सावन के महीने में पड़ने वाली शिवरात्रि का विशेष महत्व होता है। वैदिक पंचांग के अनुसार इस साल सावन शिवरात्रि 2 अगस्त 2024 को है। सावन शिवरात्रि पर भगवान भोलेनाथ और माता पार्वती की विशेष पूजा आराधना की जाती है। साल 2024 में पहला सावन सोमवार व्रत- 22 जुलाई,दूसरा- 29 जुलाई,तीसरा- 5 अगस्त,चौथा-12 अगस्त और पांचवां-19 अगस्त है।

सावन मंगला गौरी व्रत तिथियां 2024: सावन माह में मंगला गौरी व्रत का भी विशेष महत्व होता है। सावन महीने के हर मंगलवार के दिन मां पार्वती के लिए मंगला गौरी व्रत भी रखा जाता है। इस बार सावन के महीने में 4 मंगला गौरी व्रत होंगे। पहला मंगला गौरी व्रत 23 जुलाई, दूसरा मंगला गौरी व्रत 30 जुलाई, तीसरा और चौथा मंगला गौरी व्रत 6 और 13 अगस्त को मनाया जाएगा।

श्रावण माह का महत्व: श्रावण माह में शिवजी की अर्चना करने से धरती पर भी सभी दुखों का शमन होता है।ऐ सा माना जाता है कि इस माह में की गयी शिव पूजा तत्काल शुभ फलदायी होती है।

देवी पार्वती ने भगवान शिव को पतिरूप में पाने के लिए कठोर व्रत,उपवास करके भगवान शिव को श्रावण माह में ही पुनः पाया। शंकरजी की भक्तिपूर्वक पूजा करने से सभी मनोकामनाएं शीघ्र पूरी होती हैं। श्रावण मास में शिव भक्त ज्योतिर्लिंगों का दर्शन एवं जलाभिषेक करने से अश्वमेघ यज्ञ के समान फल की प्राप्ति होती है।

नींबू और संतरे के छिलकों से तैयार करें किचन डिफ्यूजर

गर्मियों के दिनों में किचन की सफाई न हो, तो सिंक के आसपास से बदबू आने लगती है। फिर कुछ ही देर में पूरा किचन महकने लगता है। ऐसे में आप नींबू और संतरे के छिलकों से किचन के लिए डिफ्यूजर बना सकते हैं। इसके इस्तेमाल से आप इन समस्याओं से निजात पा सकते हैं।

बेसिक सिट्रस डिफ्यूजर

एक जार में नींबू और संतरे के स्लाइस या छिलकों को रखकर छोड़ दें। अब एक अलग कटोरे में, पानी को रबिंग अल्कोहल के साथ मिलाएं। इसके बाद, खुशबू को और बढ़ाने के लिए एसेंशियल ऑयल डालें। कंटेनर में रखें छिलकों के ऊपर इस मिश्रण को डालें। बस ध्यान रखें कि यह छिलके ढक दे, उन्हें ओवर फ्लो न करें। अपने DIY डिफ्यूजर को किचन के हवादार एरिया जैसे खिड़की के पास रखें। सिट्रस ऑयल स्वाभाविक रूप से हवा में इवेपोरेट होगा, जिससे ताजा खुशबू रह जाएगी। खुशबू को बनाए रखने के लिए समय-समय पर थोड़ा रबिंग अल्कोहल डालते रहें। जब छिलके भूरे हो जाएं, तो उन्हें बदल लें।

तैयार करें रीड डिफ्यूजर

कंटेनर को मीठे बादाम तेल से आधा भरें। ये तेल लेमन ऑयल को फैलाने में मदद करने के लिए वाहक के रूप में काम करेगा। अब इसमें लेमन एसेंशियल ऑयल डालें और एक स्टिक से मिला लें। इसमें नींबू औप संतरे के छिलके रखकर कुछ घंटों के लिए उन्हें इसमें भिगोकर रखें। कंटेनर में 6-8 बांस रीड स्टिक रखें। स्टिक सुगंधित तेल को सोख लेंगी और खुशबू को हवा में धीरे-धीरे फैलाने का काम करेंगी। खुशबू को ताजा रखने के लिए रीड स्टिक को हर कुछ दिनों में पलटें। यह किचन को महकदार रखने में मदद करता है। आप नींबू और स्लाइसेस के इन छिलकों को कमरे में भी रख सकते हैं।

जेल-बेस्ड सिट्रस डिफ्यूजर

एक सॉस पैन में 1 कप पानी को उबाल लें। आंच बंद करके उसमें जिलेटिन के 2 पैकेट को घुलने तक हिलाएं। जिलेटिन मिश्रण थोड़ा ठंडा होने के बाद, उसमें नींबू और संतरे के एसेंशियल ऑयल्स की 15-20 बूंदें डालें। इसे मिलाकर कंटेनर में डालें और फिर उसमें नींबू और संतरे के छिलके डालकर छोड़ दें। इस जेल डिफ्यूजर को अच्छी तरह से जम जाने तक छोड़ दें और फिर इस कंटेनर को किचन सिंक की सफाई के बाद पास में ही रख दें। आप इसे बाथरूम में भी रख सकते हैं। यह गंदी बदबू को दूर करेगा और आप इसे 15-20 दिनों में बदल सकते हैं।

कार्नर न्यूज

पैरैंट्स को बच्चे के उचित उपचार के साथ-साथ वास्तु पर भी देना चाहिए ध्यान

आपका बच्चा बार-बार होता है बीमार, कहीं आपके घर में वास्तुदोष तो नहीं

बच्चे किसी की भी माता-पिता के लिए उनकी जान होते हैं। उनके अगर हल्का सा बुखार भी आता है, तो ऐसे में माता-पिता परेशान हो जाते हैं। अमूमन देखने में आता है कि जब बच्चा बीमार होता है तो पैरेंट्स उन्हें डॉक्टर के पास ले जाते हैं और बार-बार दवाइयां दिलवाते हैं। ऐसे में बच्चा ठीक तो हो जाता है, लेकिन कुछ दिन बाद वह फिर से बीमार पड़ने लगता है। अगर बच्चे के साथ बार-बार ऐसा होता है तो पैरेंट्स को यह समझ ही नहीं आता है कि ऐसा क्यों हो रहा है। यह सच है कि खान-पान से लेकर अन्य कई चीजें बच्चे को बीमार कर देती हैं। लेकिन इसके अलावा, कभी-कभी घर का वास्तुदोष भी बच्चे की सेहत पर बुरा प्रभाव डालता है। जी हां, अगर बच्चा बार-बार बीमार पड़ता है तो इसके पीछे घर का वास्तुदोष भी जिम्मेदार हो सकता है। तो चलिए आज इस लेख में वास्तुशास्त्री डॉ. आनंद भारद्वाज आपको कुछ ऐसे ही वास्तुदोषों के बारे में बता रहे हैं, जिनका बुरा प्रभाव आपके बच्चे की सेहत पर पड़ सकता है-

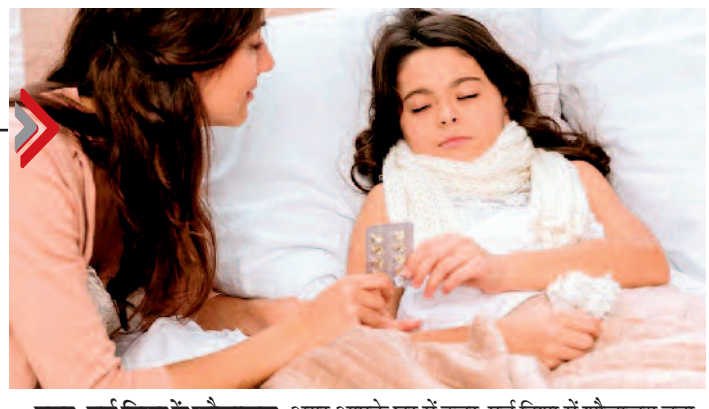

उत्तर-पूर्व दिशा में शौचालय: अगर आपके घर में उत्तर-पूर्व दिशा में शौचालय बना हुआ है तो इसे वास्तु के अनुसार अच्छा नहीं माना जाता है। इससे घर के सदस्यों की सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ता है। विशेष तौर पर, ऐसे घर में बच्चे बार- बार बीमार पड़ते हैं। अगर आपके घर में इस दिशा में शौचालय है तो उसकी नकारात्मकता दूर करने के लिए तुरंत उपाय करें। आप उस शौचालय में कच्चा नमक या सी-सॉल्ट रख सकते हैं। अगर आपके पास सी-सॉल्टी नहीं है तो उसकी जगह फिटकरी का इस्तेमाल किया जा सकता है।

पश्चिम दिशा में ना हो गंदगी

बच्चों के लिए पश्चिम दिशा विशेष रूप से लाभकारी मानी गई है, इसलिए अगर इस दिशा में किसी तरह की गंदगी या टूटा-फूटा और पुराना सामान होता है तो इससे बच्चे पर इसका बुरा असर पड़ता है। इस दिशा में बच्चे सोते हैं और इन पुराने व बेकार सामान के कारण बच्चों की सेहत बार-बार खराब हो सकती है। इसके अलावा, पूर्व दिशा बच्चों के करियर के लिहाज से महत्वपूर्ण है, इसलिए इस दिशा का भी आपको ख्याल रखना चाहिए। ध्यान दें कि इस दिशा में ऐसा कोई सामान ना रखा जाए, जिसे बुरी स्मेल आती हो।

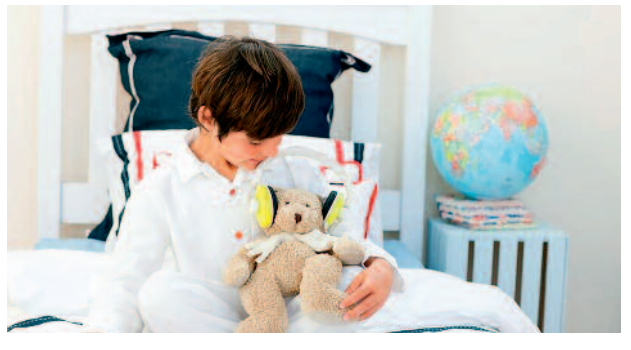

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

धमाकेदार अंदाज में रिलीज होगी ब्रैड पिट की नई फिल्म

इस फिल्म का निर्देशन टॉप गन मेवरिक बना चुके जोसेफ कोसिंस्की ने किया है। ब्रैड पिट और जेवियर बार्डेम अभिनीत जोसेफ कोसिंस्की के निर्देशन में बन रही फॉर्मूला वन की चर्चा लंबे समय से हो रही है। फिल्म को अगले साल रिलीज करने की जोर शोर से तैयारी चल रही है। इस बीच फिल्म को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। एपल ओरिजिनल फिल्म्स की

इस फिल्म के प्रदर्शन के घरेलू और विदेशी अधिकार वार्नर ब्रदर्स ने हासिल कर लिए हैं। यह फिल्म 25 जून 2025 को बड़े पर्दे पर दस्तक देगी, इसमें आईमैक्स के सिनेमाघरों को भी शामिल किया गया है। निर्माता जेरी ब्रुकहाइमर के साथ ब्रैड पिट की प्लान बी एंटरटेनमेंट 7x F1 विश्व चैंपियन लुईस हैमिल्टन की कंपनी डॉन अपोलो फिल्म्स इस आगामी फिल्म का निर्माण कर रही है। यह फिल्म फॉर्मूला 1 के सहयोग से बनाई गई है, जिसका फिल्मांकन रेस के कैलेंडर के अनुसार किया गया है। फिल्म में ब्रैड पिट एक पूर्व ड्राइवर की भूमिका निभाते नजर आएंगे, जो फॉर्मूला वन में वापस आता है। साथ ही, फिल्म में डैमसन इदरीस भी हैं, जो उनके सहयोगी के रूप में दिखेंगे। इस फिल्म को वास्तविक ग्रैंड प्रिक्स सप्ताहांत के दौरान शूट किया गया है। इस फॉर्मूला वन फिल्म का निर्देशन जोसेफ कोसिंस्की ने किया है। वह 'टॉप गनः मेवरिक' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म का निर्देशन कर चुके हैं। इसमें केरी कॉन्डन, जेवियर बार्डेम, टोबियास मेन्जीस, सारा नाइल्स, किम बोडनिया और सैमसन कायो जैसे कलाकार भी हैं।

टॉलीवुड

साई धरम तेज ने किया नई फिल्म का एलान

साई धरम तेज की नई फिल्म का एलान हो चुका है। साउथ अभिनेता ने अपनी 18वीं फिल्म के लिए 'हनुमान' के निर्माताओं के साथ हाथ मिलाया है। साउथ अभिनेता साई धरम तेज ने 'विरुपाक्ष' के साथ पर्दे पर दमदार वापसी की थी। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये की कमाई के साथ एक बड़ी हिट रही और इसने साई धरम तेज के करियर को ऊंचाई तक पहुंचाया। उन्होंने सुपरस्टार पवन कल्याण के साथ फिल्म 'ब्रो' में भी अभिनय किया। वहीं अब साई धरम तेज एक बार फिर अपनी नई फिल्म के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार है, जिसके बारे में दिलचस्प खुलासा किया गया है। आधिकारिक तौर पर शुरू हुई शूटिंग अभिनेता के प्रशंसक उनकी अगली फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। वहीं, अब उनके इंतजार पर विराम लग चुका है, क्योंकि साई धरम तेज की नई फिल्म का एलान हो चुका है। छोटे से ब्रेक के बाद साई धर्म तेज ने प्राइमशो एंटरटेनमेंट के बैनर तले 'हनुमान' निर्माता निरंजन रेड्डी और चैतन्य रेड्डी के साथ अपनी अगली परियोजना की घोषणा की है।इस फिल्म का निर्देशन रोहित केपी कर रहे हैं, जो इस फिल्म के जरिए निर्देशन की दुनिया में कदम रखने के लिए तैयार हैं। यह फिल्म 1940 के दशक में सेट एक पीरियड एक्शन ड्रामा है। फिल्म की शूटिंग आधिकारिक तौर पर शुरू हो गई है।

भोजपुरी

विक्रांत सिंह राजपूत की 'सास अठन्नी बहु रुपईया' का ट्रेलर आउट

नई दिल्ली। जेएएस मोशन पिक्चर्स के बैनर तले बनी सुपर स्टार विक्रांत सिंह राजपूत और रिचा दीक्षित स्टारर भोजपुरी फिल्म 'सास अठन्नी बहु रुपईया' का धांसू ट्रेलर आज आउट हो गया है. यह फिल्म परिवार में कलह और उसके परिणम से दर्शकों को सीख देती नज़र आने वाली है. फिल्म के ट्रेलर के अनुसार, विक्रांत सिंह राजपूत, रिचा दीक्षित, जे नीलम और अनीता रावत ने अपनी अदाकारी से ट्रेलर में रोमांच भर दिया है, तो फिल्म का लेवल क्या समझा जा सकता है. इस फिल्म के निर्माता विनय सिंह व अंशुमान सिंह और निर्देशक विष्णु शंकर "बेलु" हैं. फिल्म के ट्रेलर को इंटर 10 रंगीला और दंगल प्ले एप्प पर रिलीज किया गया है. फिल्म 'सास अठन्नी बहु रुपईया' का ट्रेलर 4 मिनट 21 सेकेण्ड का है और इसकी शुरुआत एक गांव से होती है, जिसमें एक मां अपने बेटे के लिए बहु की तलाश कर रही होती है. वहीं, उसका सामना रिचा दीक्षित से उन हालातों में होता है, जहां उनकी तकरार हो जाती है. मगर उनके बेटे विक्रांत सिंह राजपूत को रिचा दीक्षित से ही प्यार होता है और किसी तरह दोनों की शादी हो जाती है. फिर घर में शुरू होता है सास बहु का संग्राम और फिर कुछ ऐसा होता है कि रिचा अस्पताल पहुंच जाति है. इससे दुखी होकर विक्रांत अस्पताल से बाहर आता है और सड़क दुर्घटना हो जाती. फिल्म के आगे का क्लाइमेक्स बेहद मजेदार है, जो फिल्म के प्रति दर्शकों को आकर्षित करने वाला है. फिल्म को लेकर विक्रांत ने कहा कि इस फिल्म की कहानी अलग है और इसकी प्रस्तुति भी शानदार तरीके से की गयी. यह भोजपुरी दर्शक फिल्म के ट्रेलर में देख सकते हैं. यह फिल्म मेरे लिए जितना ख़ास है।

ताशकंद फैशन वीक

उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद में होने वाले फैशन शो में परंपरागत वेशभूषा को प्राथमिकता दी जाती है। उजबेक फैशन की यह पहचान दुनिया भर में अलग मकाम रखती है। इसलिए दुनिया भर के कई प्रमुख डिजाइनर अपने शो में उजबेक फैशन को प्राथमिकता देते हैं। पिछले दिनों ताशकंद में हुए फैशन शो में उज्बेकिस्तान के सीमावर्ती देशों के फैशन डिजाइनर भी शामिल हुए।

चाहिए परफेक्ट मेकअप तो फाउंडेशन लगाते वक्त रखें इन बातों का ध्यान

बदलते समय के साथ-साथ मेकअप महिलाओं की जिंदगी का अहम हिस्सा बन गया है। ये सिर्फ खूबसूरत दिखने का सामान नहीं, बल्कि ये एक आर्ट है। देखने वाले तो खूबसूरत मेकअप देखकर बस तारीफ करके चले जाते हैं पर, असल में इसे करने में काफी मेहनत लगती है।

खासकर जब कोई महिला मेकअप करने बैठती है तो उसके लिए सही तरह का फाउंडेशन का इस्तेमाल करना और सही से इस्तेमाल करना बेहद जरूरी होता है। अगर आपका फाउंडेशन सही नहीं लगा है तो आपका बाकी का पूरा मेकअप खराब हो सकता है। खासकर दिक्कत उन महिलाओं के सामने आती है जो हमेशा नेचुरल मेकअप पर भरोसा करती हैं। ऐसे में आज के लेख में हम आपको फाउंडेशन का सही इस्तेमाल का तरीका बताएंगे, जिसके बाद आप महज कुछ बातों का ध्यान रखकर एकदम नेचुरल लुक पा सकती हैं। हम आपको ये भी बताएंगे कि फाउंडेशन के इस्तेमाल से पहले और बाद में आपको किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

सबसे पहले जरूरी है सही फाउंडेशन का चुनाव

अगर आप फाउंडेशन का इस्तेमाल करने का सोच रही हैं तो सबसे पहले सही फाउंडेशन का होना बेहद जरूरी है। अगर ये आपकी स्किन टोन और टाइप के हिसाब का नहीं होगा तो हो सकता है कि इसके इस्तेमाल से आपकी त्वचा एक शेड डार्क या फिर एकदम सफेद दिखने लगे।

सही से करें ब्लेंड

अगर आप फाउंडेशन का इस्तेमाल सही तरीके से करेंगी तो आपका लुक एकदम नेचुरल आएगा। क्या आप जानती हैं कि फाउंडेशन को लगाने से पहले सही से ब्लेंड करना चाहिए। ये जितना अच्छे से ब्लेंड होगा, उतना ही इसका लुक निखर कर आएगा।

कंसीलर इस्तेमाल करते वक्त रखें ये ध्यान

अगर आपके चेहरे पर पिंपल्स या अन्य दाग-धब्बे हैं तो कंसीलर का इस्तेमाल स्वाभाविक है। ऐसे में इसका इस्तेमाल फाउंडेशन के बाद ही करें वरना कंसीलर की वजह से फाउंडेशन का शेड खराब हो सकता है।

फाउंडेशन लगाने के लिए क्या इस्तेमाल करें ?

अगर आप लिक्विड फाउंडेशन का इस्तेमाल कर रहीं हैं तो आपको इसे स्किन पर फैलाने के लिए ब्रश की मदद लेनी चाहिए।

आपको दिखना है सबसे जुदा तो अपनाएं इनका स्टाइल

समय के साथ-साथ फैशन में काफी बदलाव देखने को मिलते हैं। ट्रेंड को बदलने में अभिनेत्रियों का बड़ा हाथ होता है। जब भी कोई नया ट्रेंड आता है तो हम बॉलीवुड एक्ट्रेस पर ही नजर डालते हैं और उनसे टिप्स लेते हैं। हम पूरी कोशिश करते हैं कि हमारा लुक हमारी पसंदीदा एक्ट्रेस के जैसा ही दिखे।

वैसे तो ज्यादातर अभिनेत्रियों के लुक्स खूबसूरत ही होते हैं, लेकिन कई बॉलीवुड अभिनेत्रियां ऐसी होती हैं, जो अपने अंदाज से लोगों का दिल ही जीत लेती हैं। बात सिर्फ उनके कपड़े की नहीं होती है, बात उनके मेकअप, ज्वेलरी और सबसे अहम उनके व्यक्तित्व की भी होती है।

प्रियंका चोपड़ा

बॉलीवुड में अपना सिक्का जमाने के बाद प्रियंका ने हॉलीवुड की बेवॉच, इज़ंट इट रोमांटिक, वी कैन बी हीरोज़ और द मैट्रिक्स रिसरेक्शन्स जैसी फिल्मों में काम किया है। यही वजह है कि उन्हें विदेश में भी लोग काफी मानते हैं। प्रियंका कई बड़े ब्रांड्स की ब्रांड एंबेसडर हैं। उन्हें अक्सर इवेंट्स में एक से बढ़कर एक खूबसूरत आउटफिट में देखा जाता है। प्रियंका के लुक को टक्कर देना काफी मुश्किल काम है।

दीपिका पादुकोण

बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक में अपनी एक्टिंग से डंका बजाने वालीं अभिनेत्री दीपिका का हर अंदाज काफी खूबसूरत होता है। लोगों को उनके आउटफिट के साथ उनका एटिट्यूड काफी पसंद आता है। दीपिका के हर लुक में अलग सा क्लास होता है, जो उन्हें बाकियों से अलग बनाता है। एथनिक से लेकर वेस्टर्न आउटफिट तक में दीपिका बेहद खूबसूरत दिखती हैं।

सोनम कपूर

अगर आपको भी अलग स्टाइल के आउटफिट पसंद हैं तो आप सोनम कपूर के लुक्स पर एक नजर डाल सकती हैं। सोनम के पास एक से बढ़कर खूबसूरत आउटफिट हैं। उनके आउटफिट बाकियों से काफी अलग होते हैं। वो खुद अपने आउटफिट को स्टाइल करती हैं। खास बात ये है कि सोनम अपने आउटफिट के हिसाब से ही हेयर स्टाइल से लेकर मेकअप तक का चयन करती हैं।

कम खर्च में तैयार कर सकते हैं कई तरह की सनस्क्रीन

तेज चिलचिलाती धूप की हानिकारक यूवी किरणों से त्वचा का बचाव करना बेहद जरूरी होता है। अगर धूप से त्वचा को न बचाया गया तो टैनिंग, सनबर्न और कई बार तो सन पॉइजनिंग जैसी गंभीर समस्या भी सामने आने लगती हैं। धूप से त्वचा को बचाने का सबसे सही तरीका होता है एक तो खुद को पूरी तरह से कवर करके बाहर निकलना। वहीं इससे बचने का अहम और दूसरा तरीका होता है सनस्क्रीन का इस्तेमाल करना।

पहली सनस्क्रीनः इसे बनाने के लिए आपको हल्दी और एलोवेरा जेल की जरूरत पड़ेगी। सनस्क्रीन को बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में एक बड़ा चम्मच एलोवेरा जेल लें। अब इसमें थोड़ी ही हल्दी डालकर इसका पेस्ट तैयार करें। इसे आप हर रोज अपने शरीर पर लगा सकते हैं। अगर आप इसके आइस क्यूब जमाकर रख लेंगे तो भी ये आपको टैनिंग से बचाएगी।

दूसरी सनस्क्रीनः दूसरी तरह की सनस्क्रीन को बनाने के लिए आपको 1/2 कप शीया बटर, 1/4 कप बादाम तेल और 2 टेबलस्पून जिंक ऑक्साइड पाउडर की जरूरत पड़ेगी। इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक बॉयलर में शीया बटर को पिघलाएं। जब शीया बटर पिघल जाए, तो बादाम का तेल मिलाएं। ठंडा होने के बाद इसमें जिंक ऑक्साइड पाउडर मिलाएं। अब आप इसे स्टोर करके रख सकते हैं और लंबे समय तक इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

तीसरी सनस्क्रीनः इसे बनाने के लिए आपको तिल का तेल और आम के बटर की जरूरत पड़ेगी। आम का बटर इसकी गुठली से तैयार किया जाता है। इसके इस्तेमाल से आप त्वचा को सूरज की हानिकारक किरणों से बचा सकते हैं।

एंटी हेयर फॉल प्रोडक्ट्स लगाने के बाद भी लगातार झड़ रहे हैं बाल, तो जानिए इसके पीछे क्या है वजह

अगर आप अपने झड़ते बालों की समस्या को दूर करने के लिए एंटी हेयर फॉल प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन फिर भी बालों का झड़ना कम नहीं हुआ है तो इसके पीछे कई वजहें जिम्मेदार हो सकती हैं।

आज के समय में हम सभी बालों की कई तरह की समस्याओं से जूझते हैं और इनमें हेयर फॉल एक आम समस्या है। ऐसे बहुत से लोग हैं, जो तेजी से झड़ते बालों को देखकर परेशान हो जाते हैं और एंटी हेयर फॉल प्रोडक्ट्स की तरफ स्विच कर लेते हैं। मार्केट में मिलने वाले कई ब्रांड्स के एंटी-हेयर फॉल प्रोडक्ट्स आपके बालों के झड़ने की समस्याओं को दूर करने का वादा करते हैं। इनसे यकीनन आपको कुछ हद तक फायदा मिलता भी होगा। लेकिन ऐसे कई लोग हैं, जो लंबे समय से लगातार एंटी हेयर फॉल प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते आ रहे हैं, लेकिन फिर भी उनके बालों का झड़ना कम नहीं हुआ।

हार्मोनल असंतुलन

लगातार बालों के झड़ने की एक वजह हार्मोनल असंतुलन भी हो सकता है। जब ऐसा होता है तो एंटी-हेयर फॉल प्रोडक्ट्स से भी कोई लाभ नहीं होता है। यह आपकी हेयर ग्रोथ साइकल को डिस्टर्ब कर सकता है। पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस), थायरॉयड डिसऑर्डर और मेनोपॉज जैसी कंडीशन हार्मोनल उतार-चढ़ाव की वजह बनती हैं, जिससे आपके बालों की ग्रोथ पर असर पड़ सकता है। हो सकता है कि लगातार बालों के झड़ने की वजह से वो धीरे-धीरे पतले होते चले जाएं।

पोषण से जुड़ी समस्या

हेयर फॉल को रोकने के लिए सिर्फ तरह-तरह के एंटी-हेयर फॉल प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना ही काफी नहीं है। बालों को मजबूती प्रदान करने के लिए आवश्यक पोषक तत्वों का आहार में शामिल होना बेहद जरूरी है। अगर आपकी डाइट में आयरन, विटामिन डी, जिंक, बायोटिन और प्रोटीन की कमी होती है, तो इससे बाल कमजोर हो सकते हैं और उनकी ग्रोथ पर असर पड़ सकता है।

कार्नर न्यूज

यूथ की पहली पसंद है डेनिम

डबल डेनिम लुक सूट करेगा या नहीं? अपने लुक को फुल मार्क्स देने जानिए टिप्स

डेनिम हर किसी का फेवरेट मटेरियल होता है। जो इसे नहीं पहनते हैं वो भी इसे एक बार पहनने की ख्वाहिश तो रखते ही हैं। लेकिन डेनिम एक ऐसा मटेरियल भी है, जो हर किसी पर जंचता नहीं है। या ये कहें कि हर किसी को इसकी स्टाइलिंग का अंदाजा ही नहीं होता है। उनको तो बिल्कुल नहीं जो एक ही लुक में डबल डेनिम शामिल कर लेते हैं। मतलब उनकी जैकेट या शर्ट के साथ नीचे पैंट भी डेनिम की ही होती है. मगर जैसे जींस पहनने के लिए सही फिटिंग, कलर और पैटर्न पर ध्यान देना होता है ठीक वैसे ही डबल डेनिम लुक के भी कुछ नियम होते हैं। डबल डेनिम लुक पहनने के लिए पुरुषों को खासतौर पर फैशन की रूल बुक पढ़ लेनी चाहिए। इस लुक को थोड़े बदलावों के साथ पहनेंगे तो खूब जचेंगे, ये बात पक्की है। इस रूल बुक में डबल डेनिम को लेकर क्या-क्या नियम लिखे हैं, जान लीजिए।

सेम टू सेम नहीं चलेगा

आप डबल डेनिम लुक अपना रहे हैं तो आपके अच्छे लगने की गारंटी ये है कि आप ऊपर नीचे सेम टू सेम कलर नहीं पहन सकते हैं। आप भले ही जींस के साथ शर्ट पहन रहे हों या फिर जैकेट लेकिन बॉटम और अपर का कलर अलग ही होना चाहिए।

कॉम्बिनेशन हों कैसे

डेनिम पहनते हुए ऊपर नीचे एक सा कलर न पहनने की बात तो कह दी गई गई। लेकिन इसको आप पहनेंगे कैसे?मतलब कौन-कौन से कलर का कॉम्बिनेशन सही रहेगा।

ब्लू डेनिम का कॉम्बिनेशन ब्लू के शेड से ही बनाने से अच्छा होगा कि आप ग्रे, कोबाल्ट जैसे रंगों का चुनाव करें। इसके लिए आप ग्रे कलर की जींस पैंट्स पहनें इसके ऊपर सफ़ेद रंग की टी शर्ट और ब्राइट कलर की डेनिम जैकेट चुनना आपके लिए सही रहेगा। आप ऐसे ही शेड का कॉम्बिनेशन बना सकते हैं। इस तरह से आपका लुक बैलेंस हो जाएगा। इसमें ऊपर या नीचे एक तरफ डार्क कलर होगा तो दूसरी ओर हल्का रंग।

फिटिंग का क्या करेंगे?

जब आप डबल डेनिम लुक अपना रहे हैं तो आपको अपनी फिटिंग का भी ध्यान रखना होगा। आपको देखना होगा कि आप बहुत ज्यादा फिटिंग वाले कपड़े न पहनें।

इसके लिए आपको रिलैक्स डेनिम शर्ट के साथ डेड जींस पहननी होगी। डैड जींस कई बार लोग काफी ढीली ले लेते हैं। ऐसे में आपको ध्यान रखना है कि डबल डेनिम पहनते हुए ये जींस बहुत ज्यादा बैगी पैटर्न में न हो। ढीली हो पर फिर भी फिटिंग बैलेंस हो।

पूरा सफेद लुक

डबल डेनिम का लुक अपनाना है तो आप पूरा सफ़ेद लुक भी ले सकते हैं। लेकिन इस लुक को तोड़ने की तैयारी भी करनी होगी।